नई दिल्ली
गुरुवार, 4 दिसंबर 2025
मार्गशीर्ष मास शुक्ल पक्ष,
चतुर्दशी/पूर्णिमा वर्ष : 29, अंक : 231
पृष्ठ 12 मूल्य 2 .00

मौसम
अधि. 24.9
न्यून. 3.5

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

बाजार का हाल

मार्केट	बंद	गिरावट
सेंसेक्स	85,106.81	31.46 ▼
निफ्टी	25,986.00	46.20 ▼

धातु	कीमत	ऊपर/नीचे
सोना	1,32,200/-	670/- ▲
चांदी	1,80,900/-	460/- ▼

(सोना प्रति 10 ग्राम और चांदी प्रति किलो रु. में)

मुद्रा	प्रति डॉलर	नीचे
रुपया	90.15	19 पैसे ▼
क्रूड ऑयल	63.02 बैरल	0.91% ▼

पेट्रोल दिल्ली में 94.72 रु. लीटर और डीजल 87.62 रु. लीटर बिक रहा है।

भारत-रूस के बीच सिविल परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में मजबूत होगा सहयोग

रूस की कैबिनेट ने भारत के साथ इस संबंध में एक एमओयू पर हस्ताक्षर करने की दी मंजूरी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति पुतिन की नई दिल्ली की यात्रा से ठीक पहले रूस की कैबिनेट ने भारत के साथ सिविल परमाणु ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की मंजूरी दे दी है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस संबंध में रूसी सरकार की तरफ से भारत के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने के लिए रूस ने तमिलनाडु के कुडनकुलम में न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाने वाली रूस की रोसाटॉम न्यूक्लियर कॉरपोरेशन को अधिकृत किया है। मामले पर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने भी हाल ही में कहा था कि रोसाटॉम के सीईओ एलेक्सी लीगाचेव के पास प्रस्तावों से जुड़ा हुआ एक पूरा पोर्टफोलियो है। जिसमें छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के निर्माण में सहयोग का मुद्दा भी शामिल है। यह मामला भारत और रूस के राष्ट्राध्यक्षों के बीच होने वाली शिखर बैठक की चर्चाओं में भी शामिल किया जा सकता है।

रोसाटॉम ने पहले जाहिर की थी रूचि

पूर्व में यह कहा जा रहा था कि रोसाटॉम ने भारत में स्थानीय स्तर पर उन्नत रूस से डिजाइन किए गए रिएक्टरों को लगाने के लिए रुचि प्रकट की है। वहीं, भारत के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि रूस भारत के कुडनकुलम में कुल 6 रिएक्टर बना रहा है। दोनों पक्ष नई गतिविधियों और परियोजनाओं की ओर देख रही हैं। जानकारों की राय में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों की भारत को नितांत आवश्यकता भी है। जो रूस जैसे एक पुराने और भरोसेमंद साथी द्वारा पूरा किए जाने से अच्छा और कुछ नहीं हो सकता है।

आज से भारत दौरे पर राष्ट्रपति पुतिन: रूस के राष्ट्रपति की यात्रा से नई दिल्ली का अमेरिका समेत बाकी देशों को साफ संदेश

दुनिया के किसी देश के दबाव में नहीं झुकेगा भारत, सामरिक स्वायत्तता शीर्ष प्राथमिकता

कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

विशेष खबर

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यात्रा से ठीक पहले हरिभूमि से बातचीत में बोले विदेश-रक्षा मामलों के विशेषज्ञ

अमेरिकी टैरिफ, यूक्रेन युद्ध और अन्य संघर्षों से उत्पन्न वैश्विक तनाव के बेहद जटिल दौर में गुरुवार से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा की शुरुआत होगी। मौका होगा नई दिल्ली में आयोजित किए जाने वाले 23 वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन का। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच उच्च-स्तरीय बैठक होगी। इन सबके बीच देश के कूटनीतिक और सामरिक गलियारों में कुछ बड़े महत्वपूर्ण सवाल गूंजने लगे हैं। जिनमें रूसी ▶▶ शेष पेज 5 पर

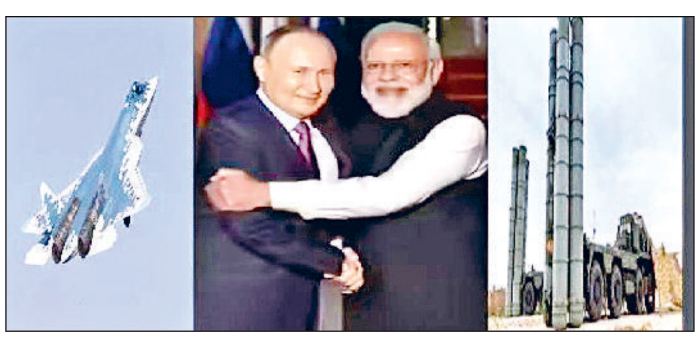

बरकरार रहेगी सामरिक स्वायत्तता

विदेश मामलों के वरिष्ठ पत्रकार रंजीत कुमार ने बताया कि यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के भारी दबाव के बावजूद रूस के राष्ट्रपति को आमंत्रित कर उनका लाल कालीन बिछाकर स्वागत करने के निर्णय से भारत ने पूरी दुनिया को साफ शब्दों में ये संदेश दे दिया है कि उसकी सामरिक स्वायत्तता किसी भी सूरत में खंडित नहीं होगी। भारत अपनी ही बनाई हुई विदेश नीति पर चलता है और उसे इस मामले में किसी दूसरे देश की सलाह या दबाव डालने से कोई फर्क नहीं पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बना हुआ मौजूदा माहौल अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। एक तरफ अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से अपने तमाम रिश्ते खत्म कर ले। वहीं, दुनिया के बाकी देश खासकर विकसित देश भी इसका समर्थन कर रहे हैं। लेकिन भारत ने वैश्विक मतों, विचारों को पूरी तरह से दरकिनार करते हुए न केवल ▶▶ शेष पेज 5 पर

पीस डील पर हैं भारत की नजरें

रंजीत ने कहा, रूसी राष्ट्रपति की ये यात्रा एक ऐसे समय में भी हो रही है। जब रूस-यूक्रेन के बीच शांति समझौता होने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। अमेरिका द्वारा इसे लेकर तैयार किए गए एक प्रस्ताव को यूक्रेन मानने के लिए तैयार है। अगर दोनों देशों के बीच समझौता हो जाता है। तो इसका सीधा और बड़ा फायदा भारत को मिलेगा। क्योंकि रूस, यूक्रेन के मध्य ▶▶ शेष पेज 5 पर

रक्षा क्षेत्र का विकल्प नहीं बना अमेरिका

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व प्रोफेसर हेमंत अदलखा ने कहा, वर्तमान में वैश्विक हालात तनावपूर्ण होने के साथ ही असमंजस भरे हैं। लेकिन इसमें एक अच्छी बात ये रही है कि पिछले कुछ महीनों से भारत ने कूटनीति और विदेश नीति के मामले में एक बड़ी ही स्पष्ट या फिर कहें कि तटस्थ पोजिशन ली है। दबाव भले ही अमेरिका का रहा हो। अब ▶▶ शेष पेज 5 पर

इन डिफेंस डील पर रहेगा फोकस

सेवानिवृत्त मेजर जनरल एस.बी.एस.अस्थाना ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति की ये यात्रा सामरिक दृष्टि से अमेरिका व बाकी देशों के लिए हमारे एक संदेश की तरह है कि हम रूस के साथ अपने संबंधों को ठंडे बस्ते में नहीं डाल सकते हैं, भले ही वो किसी को पसंद आए या न आए। दोनों देशों के बीच एक विशेष सामरिक साझेदारी है और वो ▶▶ शेष पेज 5 पर

दोनों देशों के द्विपक्षीय रक्षा संबंधों-सहयोग से जुड़े सभी पहलुओं पर होगी विस्तृत चर्चा

पुतिन की यात्रा में साथ होंगे रक्षा मंत्री बेलौसोव

राजनाथ सिंह के साथ होगी बैठक

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 4 से 5 दिसंबर तक की भारत यात्रा के दौरान उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ रूस के रक्षा मंत्री एंड्री बेलौसोव भी रहेंगे। यहां गुरुवार को राजधानी में वह अपने समकक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ 'भारत-रूस सैन्य और तकनीकी सहयोग पर गठित किए गए अंतर-सरकारी आयोग की 22वीं बैठक' की सह-अध्यक्षता करेंगे। जिसमें दोनों देशों के बीच पहले से स्थापित मजबूत और बहुआयामी संबंधों को भविष्य में और अधिक मजबूती प्रदान करने, रक्षा, सैन्य और सैन्य तकनीकी सहयोग के मामले से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं की व्यापक रूप से समीक्षा करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि बैठक में साझा हितों से जुड़े हुए परंपरागत क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों ▶▶ शेष पेज 5 पर

एस-400, सु-57 की खरीद पर होगी चर्चा?

शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने कहा कि दोनों वरिष्ठ मंत्रियों की वार्ता के एजेंडे में भारत की एस-400 मिसाइल सिस्टम से लेकर सुखोई-30 लड़ाकू विमानों के अपग्रेडेशन और अन्य जटिल सैन्य हार्डवेयर की खरीद के साथ ही उनकी समय पर आपूर्ति जैसे मुद्दों को शामिल किया जा सकता है। दोनों रक्षा मंत्रियों की ये बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर के बीच होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के पूर्व में होगी।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

आईआरएएस अपर्णा गर्ग ने पदभार ग्रहण किया

नई दिल्ली। 1987 बैच की भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) अधिकारी अपर्णा गर्ग ने 01 दिसम्बर, 2025 को रेलवे बोर्ड में सदस्य (वित्त) के रूप में कार्यभार संभाला। वे भारत सरकार के वरिष्ठतम सिविल सेवकों में से एक हैं, जिनके पास 36 वर्षों से अधिक का अनुभव है। सुश्री गर्ग ने कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है, जिनमें मैसूर में मंडल रेल प्रबंधक, रेल व्हील फैक्ट्री में प्रधान वित्तीय सलाहकार तथा आईआर आईएफएम ▶▶ शेष पेज 5 पर

एच1बी वीजा को लेकर अमेरिकी सख्ती के बीच विदेश मंत्री की दो टूक...

पेशेवरों की राह में रोड़े अटकाने वालों को नुकसान के सिवा कुछ हाथ नहीं लगेगा: जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली में 'इंडियाज वर्ल्ड एनुअल कॉन्क्लेव-2025' में गतिशीलता पर आयोजित संवाद सत्र में बोले विदेश मंत्री

अमेरिका द्वारा एच1बी वीजा सिस्टम को हर गुजरते दिन के साथ और अधिक सख्त बनाने की कवायद के बीच पेशेवरों से जुड़ी गतिशीलता (मोबिलिटी) का मुद्दा वैश्विक चर्चा के केंद्र में आ गया है। भारत भी इससे अच्छा-खासा प्रभावित हो रहा है।

जिसे देखते हुए बुधवार को विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने अमेरिका, यूरोप सहित दुनिया के किसी देश का नाम लिए बगैर साफ शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि जो देश पेशेवरों की सीमा-पार आवाजाही यानी गतिशीलता को लेकर बहुत अधिक रोड़े अटका रहे हैं। अंत में उन्हें इसे लेकर नुकसान के अलावा और कुछ नहीं मिलेगा। ऐसे समय में भारत को आवश्यकता है कि वो ▶▶ शेष पेज 5 पर

उन्नत मैन्युफैक्चरिंग के लिए चाहिए प्रतिभा

विदेश मंत्री ने कहा कि अगर आप उन्नत मैन्युफैक्चरिंग के युग में प्रवेश कर रहे हैं तो आपको अत्यधिक प्रतिभा की आवश्यकता होगी। सत्र के दौरान जयशंकर से एच1बी वीजा कार्यक्रम से जुड़ी चुनौतियों को लेकर सवाल पूछा गया था। जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि भारत को आज इस बात की जरूरत है कि वो दुनिया के बाकी देशों ▶▶ शेष पेज 5 पर

चीन से मैन्युफैक्चरिंग को बाहर करना

जयशंकर ने मामले में प्रदर्शित किए जा रहे विरोध को लेकर कहा कि कुछ देशों के प्रयासों से लगता है कि कुछ कंपनियां अपना मैन्युफैक्चरिंग केंद्र (हब) चीन से कहीं और स्थानांतरित कर दें। एच1बी वीजा कार्यक्रम के तहत कंपनियां विशेष कौशल वाले विदेशी कर्मियों की अमेरिका में भर्ती करती हैं। जिसकी शुरुआत तीन साल के ▶▶ शेष पेज 5 पर

हरिभूमि-जनता टीवी-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के निवास पर पहुंचे संत रावतपुरा सरकार

पूज्य पिताजी पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी जी के निधन पर सांत्वना देकर परिवार को दिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

गुरुदेव ने पूज्य पिताजी के आश्रम आने और उससे जुड़े हुए संस्मरणों को भी साझा किया

देश के जाने-माने संत रावतपुरा सरकार बुधवार को अपने अल्प प्रवास पर ग्वालियर पहुंचे और हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पूज्य पिताजी पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी के निधन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। रावतपुरा सरकार ग्वालियर में सिंधी कॉलोनी स्थित डॉक्टर हिमांशु द्विवेदी के पैतृक निवास पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने पहुंचे थे।

डॉक्टर हिमांशु द्विवेदी की माता जी से भी रावतपुरा सरकार ने भेंट की। साथ ही शोक संतृप्त परिवार को अपनी ओर से सांत्वना देकर आशीर्वाद दिया। इस मौके पर रावतपुरा सरकार ने स्वर्गीय कीर्ति नारायण द्विवेदी के रावतपुरा सरकार आश्रम आने और उससे जुड़े हुए संस्मरणों को भी साझा किया। प्रमुख रूप ▶▶ शेष पेज 5 पर

ग्वालियर स्थित निवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने आने वाले लोगों का तांता लगा

संत रावतपुरा सरकार परिवारजन से चर्चा करते हुए

इन्होंने भी दी श्रद्धांजलि

बुधवार को श्रद्धांजलि देने वाले लोगों में पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, पूर्व विधायक प्रवीण पाठक, नगर निगम के सभापति मनोज तोमर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नगर निगम कृष्ण राव दीक्षित, पार्षद अनिल सांखला, पार्षद गिरिराज सिंह कंसाना, समाजसेवी राम नारायण मिश्रा, भाजपा नेता विनय जैन, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, पूर्व सभापति नगर निगम गंगाराम बघेल आदि शामिल थे। इसके अलावा श्रद्धांजलि व्यक्त करने पहुंचने वाले लोगों में मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग के पूर्व संचालक और आईपीएस अधिकारी आशुतोष प्रताप सिंह, एसडीएम अनिल बन, आबकारी अधिकारी अंशु भदोरिया, जयारोग्य अस्पताल समूह के अधीक्षक डॉक्टर सुधीर सक्सेना, डॉक्टर माखनलाल माहौर शामिल रहे। साथ ही जनता टीवी उत्तर प्रदेश के संपादक केके उपाध्याय, स्टेट हेड टीके मिश्रा और कुणाल दीक्षित आदि शामिल थे।

हमलावरों की तलाश में जुटी पुलिस

संगम विहार में युवक की चाकू और पत्थर मारकर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण जिले के संगम विहार में एक युवक की कथित तौर पर बेरहमी से हत्या कर दी गई। हमलावरों ने युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किये। चाकू के साथ ही पत्थर से भी हमला किये जाने की बात सामने आई है। वारदात के बाद से हमलावर फरार। मृतक का नाम शिवम रावत (21) बताया गया है। शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवाया गया है।

पुलिस का कहना है कि शिवम के पास से उसका सभी सामान ज्यों का त्यों मिला है, इससे लूटपाट की आशंका कम नजर आ रही है। हत्या के पीछे रंजिश की आशंका प्रबल है। पुलिस आसपास के इलाके में लगे कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों का सुराग हाथ लग सकें। घटनास्थल से क्राइम व एफएसएल की टीम ने साक्ष्य एकत्र किये हैं।

दरअसल हेड कांस्टेबल कृष्ण इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने एक युवक को खून से लथपथ हालात में देखा और मामले की सूचना आगे थाने को दी। घायल युवक मृत हालत में था। मौके पर आईओ एसआई सौरभ शर्मा भी अपनी टीम के साथ एस-17/350 ए, संगम विहार पहुंचे। युवक के सीने व पेट पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला करने के अलावा सिर पत्थर से भी कुचला गया था। एक बाइक भी पास में खड़ी हुई थी। ड्राइविंग लाइसेंस से युवक की पहचान शिवम रावत के तौर पर हुई। लाइसेंस पर पता एच-16, मकान नंबर-1445, शिव मंदिर के पास, संगम विहार लिखा हुआ था। पुलिस उस पते पर पहुंची और शिवम के बारे में पूछताछ की गई। सुनिल नामक व्यक्ति ने शिवम को जानने की बात कहीं। उसने बताया कि शिवम पहले वह इसी पते पर रहता था, लेकिन चार माह पूर्व वह तुगलकाबाद एक्सटेंशन में अपने पिता के साथ शिफ्ट हो गया था। इसके बाद पुलिस का परिजनों से संपर्क हुआ। पुलिस को हमलावरों के बारे में फिलहाल कुछ जानकारी हाथ नहीं लगी है। केस दर्ज कर तफ्तीश जारी है।

बंद पड़े मोहल्ला क्लीनिक में लगी आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तर पूर्वी जिले के भजनपुरा थाना इलाके में स्थित नूर ए इलाही इलाके में बुधवार शाम को बंद पड़े एक मोहल्ला क्लीनिक में अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में चारों तरफ आग की लपटें उठने लगी। दमकल विभाग की कई गाड़ियों को आग पर काबू पाने में घंटों का समय लग गया। दमकल विभाग के अनुसार मोहल्ला क्लीनिक काफी समय से बंद था। हादसे में किसी के हताहत या घायल होने की जानकारी नहीं है। आग कैसे लगी इसके बारे में अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। दमकल विभाग को आग लगने की सूचना शाम 4:20 बजे पर मिली। तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग के दौरान पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्र को खाली करवा बैरिकेडिंग कर दी गई थी ताकि कोई आग की चपेट में न आ जाए।

झुग्गियों में लगी आग

पीतमपुरा स्थित झुग्गियों में भी बुधवार शाम को भीषण आग लग गई। दमकल की आधा दर्जन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि आग में कोई हताहत नहीं हुआ। खबर लिखे जाने तक कूलिंग का कार्य जारी था। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। आग जीपी ब्लॉक की झुग्गियों में लगी थी। दमकल विभाग को शाम 5.52 बजे सूचना मिली।

डीयू के दो कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के दो कॉलेजों देशबंधु और रामजस कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल बुधवार को मिले। इसके बाद कई एजेंसियां सुरक्षा जांच के लिए तुरंत मौके पर पहुंची। घंटों चले सर्च ऑपरेशन के बाद भी कुछ संदिग्ध नहीं मिलने पर पुलिस ने राहत की सांस ली।

पुलिस ईमेल भेजने वाले की तलाश में जुट गई है। पुलिस के अनुसार उत्तरी दिल्ली के रामजस और दक्षिण दिल्ली में स्थित देशबंधु कॉलेज को ईमेल के जरिए यह धमकी दी गई। उत्तरी जिले के अधिकारियों ने बताया कि रामजस कॉलेज की प्रिंसिपल की तरफ से पुलिस को जानकारी दी गई कि रात 1:59 बजे धमकी वाला ईमेल मिला था। दिल्ली पुलिस और बम निरोधक दस्ता कैंपस पहुंचे और जांच शुरू की।

पुलिस ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी करके परिसर के सभी भवनों और खुले स्थानों की गहन जांच शुरू की। गौरतलब है कि यह धमकी मिलने का सिलसिला गत वर्ष शुरू हुआ था। अब तक सैंकड़ों स्कूल, कॉलेजों और अस्पतालों को इस प्रकार के फर्जी धमकी वाले ईमेल प्राप्त हो चुके हैं।

रेलवे स्टेशनों पर सक्रिय चोरों का गिरोह दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर महिला यात्रियों के बैग से चोरी करने वाले महिला चोरों के दो गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इनसे लगभाग एक करोड़ मूल्य के आभूषण, कलाई घड़ियां तथा नगदी जब्त की गई।

पुलिस के अनुसार इस सिलसिले में गिरफ्तार किये गये पांच लोगों में एक पर पूर्व में 13 मामले दर्ज पाये गये हैं। पहला मामला सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन का बताया गया है। इसमें गुजरात का एक अंतर्राज्यीय गिरोह भीड़ की आवाजाही के दौरान महिला यात्रियों के हैंडबैग को निशाना बनाकर लिफ्ट के अंदर चोरी को अंजाम देता था। पुलिस गिरफ्त से बचने के लिए आरोपी बार-बार दिल्ली में अपना ठिकाना बदलते थे या गुजरात लौट जाते थे। पुलिस ने गिरोह के सक्रिय सदस्यों में से एक को गिरफ्तार कर लिया है और उसकी निशानदेही पर 70 लाख रुपये की चोरी की संपत्ति बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि एक अन्य मामले में आनंद पर्वत के फरीदपुरी कैंप से एस्केलेटर से सामान चोरी करने वाले गिरोह का नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भंडाफोड़ किया गया। इस सिलसिले में चार महिलाएं पकड़ी गई और लगभग 30 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गयी। इनमें से एक की पहचान लक्ष्मी के रूप में हुई है, जिसका इसी तरह के अपराधों का एक लंबा इतिहास रहा है। पुलिस ने महिला यात्रियों को खासतौर पर लिफ्ट और एस्केलेटर का उपयोग करते समय सतर्क रहने की सलाह दी।

बिजली की मांग बना सकती है नया रिकॉर्ड, कंपनियों ने किया निर्बाध आपूर्ति का दावा

नई दिल्ली। सर्दियों के इस मौसम में दिल्ली में बिजली की मांग बढ़ने लगी है। जिसको देखते हुए अंदाजा लगाया जा रहा है इस बार अधिकतम खपत का आंकड़ा बढ़कर ऐतिहासिक 6000 मेगावॉट तक पहुंच सकता है। जबकि गत 2024 में यह मांग 5655 मेगावाट दर्ज हुई थी। दोनों निजी बिजली आपूर्ति कंपनियां दावा कर रही है कि इस मांग के बावजूद निर्बाध आपूर्ति जारी रहेगी। निजी बिजली कंपनी बीएसईएस और टाटा पावर डीडीएल का कहना है कि पहले ही सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है। कंपनियों का कहना है कि गत वर्षों की तुलना में इस बार सर्दियां जल्द आने के चलते बिजली की मांग भी तेजी से बढ़ी है। कंपनियों की माने तो गत वर्ष की तुलना में इस बार नवंबर महीने में बिजली की अधिकतम मांग बढ़कर 4486 मेगावाट दर्ज हुई। इसी प्रकार दिसंबर महीने की शुरुआत के तीन दिनों में भी बिजली की मांग का आंकड़ा 4300 मेगावाट अधिक दर्ज हो चुका है। कंपनियों का कहना है कि उनके पास पारंपरिक बिजली के अलावा ग्रीन एनर्जी के तहत अलग अलग मात्रा में बिजली की व्यवस्था है जो समय अनुसार मिलती रहेगी। इसमें पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, हाइड्रो पावर, हाइब्रिड माध्यम और कचरे से बनने वाली ऊर्जा शामिल है।

दिल्ली राजनिवास का नाम बदलकर हुआ लोक निवास, सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल का निवास स्थान अब राजनिवास की बजाए लोक निवास के नाम से जाना जाएगा। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद दिल्ली लोक निवास सचिवालय ने सूचना जारी करते हुए राजनिवास को अब लोक निवास नाम बदलने की अधिकृत घोषणा कर दी है। बता दें कि केंद्र सरकार के निर्देश पर राजभवन और राज निवास के नाम बदले जा रहे हैं। जिसके तहत केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राजभवन और राज निवास का नाम बदलने के लिए 27 नवंबर को पत्र जारी किया था। इस पत्र के मिलने के बाद दिल्ली उपराज्यपाल कार्यालय ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा निर्देश के अनुसार नाम परिवर्तित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी, जिसके बाद आज 3 दिसंबर 2025 को नाम बदलने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है।

कड़ाके की सर्दी और प्रदूषण बढ़ा रहा है दिल्लीवालों की मुसीबत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ एक्यूआई 372, तापमान 6 .4 डिग्री हुआ दर्ज

दिल्ली की हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है। बुधवार की सुबह दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 372 दर्ज किया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली का औसत एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में 372 दर्ज किया गया। जबकि आनंद विहार, बवाना, चांदनी चौक, जहांगीरपुरी, नेहरू नगर, आरके पुरम, विवेक विहार और वजीरपुर में एक्यूआई 400 के पार यानी गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया है। वहीं चांदनी चौक में सुबह की हवा सबसे अधिक प्रदूषित 428 एक्यूआई दर्ज की गई। आंकड़े बता रहे है कि दिल्ली वालों को अभी प्रदूषण से राहत की बजाए आफत ही झेलनी पड़ेगी। वहीं सर्दी का ग्राफ भी बढ़ रहा है जिससे हालात और बद से बदतर होने वाले है। जब तक दिल्ली में एक दो बार झमाझम बारिश नहीं होगी यह प्रदूषण की मार झेलनी ही पड़ेगी। वहीं दूसरी तरफ भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) का कहना है कि दिल्ली में एक बार फिर बुधवार को न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस कम है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. & 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी मों. हसन, पुत्रः** हाफिज पताः 32/355, त्रिलोक पुरी, **दिल्ली FIR No. 31954/2020, U/s: 379/411 IPC, पुलिस थानाः दरियागंज, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मों. हसन,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मों. हसन,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **मों. हसन, FIR No. 31954/2020, U/s: 379/411 IPC, पुलिस थानाः दरियागंज, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.01.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
डॉ. राज कुमार सिंह
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05 (केंद्रीय)
केन्द्रीय जिला, कमरा नं. 241
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16166/CD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82(2) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हैप्पी ऐमेफीले पुत्र** ईखूह **निवासः** WZ-23/1, गली नं. 13, संत गढ़, तिलक नगर, दिल्ली ने **FIR No. 759/2021 U/s 14 F. Act. थानाः तिलक नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **हैप्पी ऐमेफीले** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **हैप्पी ऐमेफीले** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **FIR No. 759/2021 U/s 14 F. Act. थानाः तिलक नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **हैप्पी ऐमेफीले** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री विकास मदान
जेएमएफसी-07, (पश्चिम), कमरा नं. 289
दूसरा तल, तीस हज़ारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16108/WD/2025
(Court Notice)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जगमीत सिंह, पुत्रः दारा सिंह, निवासीः मकान संख्या– आरजेडक्यू–116ए, 500 गज गुरुद्वारा के पास, निहाल विहार, बाहरी जिला, दिल्ली** ने **FIR No.: 523/2022, U/s: 356/379/411/34 IPC, पुलिस थाना निहाल विहार, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **जगमीत सिंह** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **जगमीत सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना निहाल विहार, दिल्ली** के अभियुक्त **जगमीत सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 31.01.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री कोमल गर्ग
एलडी. जेएमएफसी–03, पश्चिम जिला, कमरा नं. – 292,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16147/OD/2025

अदालत ने लाल किला विस्फोट मामले में समिति के गठन संबंधी याचिका पर विचार करने से किया इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने लाल किले के पास विस्फोट मामले में मुकदमे के सभी चरण के लिए अदालत की निगरानी में समिति गठित करने के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करने से बुधवार को इनकार कर दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि मामले में मुकदमा अभी शुरू नहीं हुआ है और याचिका में उठाया गया मुद्दा केवल आशंका पर आधारित है और यह नहीं माना जा सकता कि मुकदमे में देरी होगी। याचिकाकर्ता डॉ. पंकज पुष्कर ने मामले की दैनिक सुनवाई और जांच एजेंसी को अदालत द्वारा नियुक्त निगरानी समिति के समक्ष मासिक वस्तु स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा, यह एक अच्छा लेख है, याचिका नहीं। आपको याचिका और शोध पत्र में अंतर समझना होगा। हम यहां आपके विचारों और सुझावों को सुनने के लिए नहीं बैठे हैं। पीठ ने कहा कि हम यहां याचिका पर विचार करने के लिए बैठे हैं, जिसमें आप अपने किसी भी मौलिक अधिकार या संवैधानिक प्रावधान या किसी अन्य कानूनी रूप से लागू अधिकारों के उल्लंघन का जिक्र कर सकते हैं। कुछ दलीलों के बाद, याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत से उन्हें अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति देने का आग्रह किया। पीठ ने कहा, ₹कम से कम अदालत का समय तो बर्बाद न करें। हमें ऐसी स्थिति को समझना चाहिए जहां मामला वर्षों से लंबित है, लेकिन अभी तक सुनवाई शुरू नहीं हुई है।

केंद्रीय मंत्री दिल्ली विधानसभा में वाजपेयी एवं मालवीय के चित्रों का करेंगे अनावरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री, अद्वितीय राष्ट्रनायक एवं प्रख्यात कवि-राजनेता अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के अवसर पर, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, रसायन और उर्वरक मंत्री जे. पी. नड्डा द्वारा 25 दिसंबर, 2025 को दिल्ली विधानसभा में उनके चित्र का अनावरण किया जाएगा। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने यह भी बताया कि इसी अवसर पर महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के चित्र का भी मंत्री द्वारा अनावरण किया जाएगा। ये चित्र विधानसभा सदन में स्थापित किए जाएंगे, जो इन दोनों महान राष्ट्रीय हस्तियों के प्रति गहरी श्रद्धांजलि और सम्मान का प्रतीक होंगे। अध्यक्ष गुप्ता ने बताया कि इन चित्रों को लगाने के लिए 4 नवंबर 2025 को दिल्ली विधानसभा की सामान्य उद्देश्य समिति द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया।

सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को और ज्यादा किया जा रहा मजबूत : पंकज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कुशल नेतृत्व में 'विकसित दिल्ली' विजन को साकार करने और यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को और ज्यादा मजबूत करने के लिए हुए खास जगहों के लिए रूट रेशनलाइजेशन की प्रक्रिया लागू की है।

दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इसका उद्देश्य राजधानी दिल्ली के हर इलाके में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की एक समान पहुंच सुनिश्चित करना और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में रूट रेशनलाइजेशन के जरिए बेहतर बस कनेक्टिविटी मुहैया कराना है।

हमारी सरकार ने राजधानी में बढ़ते यात्रियों के दबाव और सभी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन की समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सटीक रूट रेशनलाइजेशन की प्रक्रिया शुरू की है। परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि परिवहन विभाग बहुत जल्द द्वारका क्षेत्र में लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को और ज्यादा मजबूत करने के लिए द्वारका सर्कुलर बस सेवा को डीटीसी की इलेक्ट्रिक बसों के साथ फिर से शुरू करने जा रहा है। यह सेवा यात्रियों के लिए अब पहले से और ज्यादा बेहतर और अधिक सुविधाजनक होगी।

तेजी से बदल रही बस यात्रियों की जरूरतें

परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि रूट रेशनलाइजेशन हमारे सार्वजनिक परिवहन सुधार का सबसे प्रमुख आधार है। राजधानी दिल्ली में बस यात्रियों की जरूरतें बेहद तेजी से बदल रही हैं और हमारी सरकार उसी तेज गति से बेहतर प्लानिंग करने में जुटी है। बस यात्रियों की तेजी से बढ़ती संख्या, दैनिक यात्रियों की आवाजाही और अलग-अलग इलाके में सफर के पैटर्न का वैज्ञानिक विश्लेषण करके हम रूट रेशनलाइजेशन के जरिए बस रूट्स को फिर से डिजाइन कर रहे हैं, ताकि परिवहन निगम की बसें वहीं ज्यादा पहुंचें, जहां उनकी सबसे ज्यादा जरूरत है। हमारा लक्ष्य बसों की पहुंच में अंतर खत्म करना, बस की वेटिंग टाइम का समय कम करना और सार्वजनिक परिवहन को यात्रियों के लिए सुखद और सुगम बनाकर डीटीसी को यात्रियों की पहली पसंद बनाना है।

जांच के नाम पर नकली अधिकारी उठा ले गये जूलर का एक किलो सोना

इनकम टैक्स और जीएसटी विभाग से बताकर दिया घटना को अंजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ जूलर ने प्रसाद नगर थाने में दी शिकायत

करोल बाग इलाके में फिल्मों की तर्ज पर पांच नकली अधिकारी एक ज्वैलरी शॉप से जांच के बहाने एक किलो सोना उठा ले गये। पांच में से कुछ पुलिस की वर्दी में भी थे। उन्होंने खुद को पुलिस, इनकम टैक्स और जीएसटी डिपार्टमेंट से बताया था। जाते समय नकली अफसर डीवीआर भी अपने साथ ले गए। जूलर ने बाद में रेड की पुष्टि की तो मामले का खुलासा हुआ और पुलिस को शिकायत की गई। प्रसाद नगर पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस दुकान के आसपास लगे कैमरों की फुटेज खंगालने, सीडीआर डिटेल्स के अलावा दुकान के कर्मचारियों से पूछताछ कर केस की छानबीन कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार देव नगर ब्लॉक-2 की में एक इमारत की चौथी मंजिल पर जूलर एक वर्कशॉप चलाते हैं। शाम करीब चार बजे पांच लोग उनकी शॉप पर पहुंचे। एक ने दिल्ली पुलिस की वर्दी पहनी हुई थी और बाकी सादे कपड़ों में थे। उन्होंने खुद को इनकम टैक्स और जीएसटी डिपार्टमेंट का अफसर बताया। रेड का सुनकर जूलर डर गए। उन्होंने कुछ कागजात मांगे और अलमारियों की जांच की। इसके बाद प्रोसेसिंग के नाम पर करीब एक किलो सोना उठाकर अपने साथ ले गए। कैमरों की डीवीआर भी जब्त कर अपने साथ ले गये।

उस समय रेड का सुन कोई कुछ भी उनसे पूछने की हिम्मत नहीं जुटा सका। उनके जाने के बाद वर्कशॉप के मालिक ने इनकम टैक्स विभाग के अपने जानकार से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि कोई रेड नहीं हुई है। फिर पुलिस को सूचना दी गई। पीड़ति की शिकायत के बाद केस दर्ज कर लिया गया है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि / बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प पलवल	पलवल जिले में दो लेन आरओबी पलवल अलावलपुर मोहना रोड पर एलसी–566 पर रोड आईडी 3570 और 3602 आरडी 0.34 से 1.36 कि.मी. तक (बिना जीएसटी) + 1 कार्य।	बंद होने की तिथि 08.12.2025	187.36 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466219169 pwd-eepd-palwal@hry.nic.in
2	लोनिवि भ व प रोहतक	जिला झज्जर में ससरोली से झासवा तक नई सड़क का निर्माण (एचटी/एलटी लाइन की शिफ्टिंग) + 2 कार्य।	02.12.2025 09.12.2025	18.36 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9034929655 pwd-eeed-rohtak@hry.nic.in
3	लोनिवि भ व प जीन्द	जिला जीन्द सफीदों में एस.डी.ओ. (सिविल) परिसर में आंतरिक सड़क की विशेष मरम्मत।	बंद होने की तिथि 11.12.2025	79.51 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8398098075 pwdeepdjind@gmail.com
4	लोनिवि भ व प हिसार	जिला फतेहाबाद में न्यायालय परिसर में एलईडी फिक्सचर सीलिंग फेन और एग्जॉस्ट फेंस को बदलना (रिप्लेसमेंट ऑफ ओल्ड एमएक्स बॉक्स एंड बैकेलाइट शीट मॉड्यूलर बॉक्स सहित का प्रावधान और एक्सेसरीज न्यायालय परिसर फतेहाबाद के भू-तल में)।	02.12.2025 09.12.2025	4.20 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1662225651 pwd-eeed-hissar@hry.nic.in
5	कृषि एवं किसान कल्याण विभाग रोहतक	गांव अजायब ब्लॉक महम, जिला रोहतक में भूमि विकास प्रोग्राम के तहत वर्टिकल ड्रेनेज प्रोजेक्ट के माध्यम से रिक्लेमेशन ऑफ वाटर लॉग्ड एंड सैलेन साइल।	01.12.2025 12.12.2025	169.82 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466723261 asco.rtk2015@gmail.com
6	एचकेएम राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार नूह	एचकेएम जीएमसी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार नूह में केन्द्रीय लाइब्रेरी हेतु चिकित्सा पुस्तकों के लिए निविदा।	05.12.2025 21.12.2025	25.50 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1267282007 tendergmcmewat@gmail.com
7	सिविल सर्जन नारनौल	डीटीसी नारनौल में खाद्य सामग्री की आपूर्ति हेतु ई-निविदा।	04.12.2025 15.12.2025	5 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466991604 dpm.mhn@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in

पीआरडीएच–11/2026/140/40845/I/88/7 दि. 03.12.2025

राज्य निर्वाचन आयोग ने घोषित किए परिणाम

एमसीडी उपचुनाव 2025

भाजपा ने 12 में से जीतीं 7 सीटें, आप को तीन कांग्रेस और एआईएफबी को एक-एक सीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली राज्य निर्वाचन आयोग ने बुधवार को दिल्ली नगर निगम उपचुनाव 2025 के परिणाम घोषित कर दिए। कुल 12 वार्डों में हुए इन उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 सीटों पर जीत दर्ज की है। आम आदमी पार्टी (आप) को तीन सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस और ऑल इंडिया फारवर्ड ब्लॉक (एआईएफबी) ने एक-एक वार्ड पर जीत हासिल की।

राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. विजय देव ने कहा कि आयोग की प्राथमिकता निष्पक्ष और सुचारु चुनाव कराना है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सफलतापूर्वक मतगणना संपन्न कराने के लिए धन्यवाद दिया। चुनाव आयोग के अनुसार, मतगणना शांतिपूर्ण और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हुई। आयोग ने बताया कि ईवीएम की गिनती, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा और रियल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए व्यापक इंतज़ाम किए गए थे। मतगणना में शुरुआती रुझानों से ही भाजपा कई वार्डों में बढ़त बनाए रही।

निगम उपचुनाव में ये प्रत्याशी जीते

निगम उपचुनाव में शालीमार बाग बी वार्ड से अनीता जैन (भाजपा), द्वारका बी से मनीषा देवी (भाजपा), विनोद नगर से सरला चौधरी (भाजपा), अशोक विहार से वीना असीजा (भाजपा), ग्रेटर कैलाश से अंजुम मंडल (भाजपा), दिचाऊं कला से रेखा रानी (भाजपा), चांदनी चौक से सुमन गुप्ता (भाजपा), मुंडका वार्ड से अनिल लाकडा (आप), नारायणा राजन अरोड़ा (आप), दक्षिण पुरी राम स्वरूप कनौजिया (आप), संगम विहार-ए वार्ड से सुरेश चौधरी (कांग्रेस), चांदनी महल वार्ड से मो. इमरान (एआईएफबी) प्रत्याशी ने जीत दर्ज की।

जनसमर्थन लगातार आप की तरफ हो रहा है मजबूत : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि निगम उपचुनाव में इस बार आम आदमी पार्टी ने अपने समर्पित कार्यकर्ताओं को चुनाव मैदान में उतारा और दिल्ली की जनता ने अपने जनादेश से ये साफ कर दिया है कि दिल्ली का जनसमर्थन लगातार आम आदमी पार्टी की तरफ मज़बूत हो रहा है। सिर्फ़ 10 महीनों में ही जनता का विश्वास एक बार फिर तेज़ी से आम आदमी पार्टी की ओर लौट रहा है। दिल्ली बहुत जल्द वापस सकारात्मक राजनीति और अच्छे कामों की तरफ़ लौट रही है। उधर, दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने अशोक विहार वार्ड में भाजपा को बेइमानी से जिताने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। आतिशी ने कहा कि दोबारा मतगणना कर अशोक विहार वार्ड के नतीजे पलटे गए, भाजपा लगातार जनादेश को चुराने की कोशिश कर रही।

भाजपा दिल्ली वालों की पहली पसंद : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने उपचुनाव के परिणाम आने के बाद बुधवार को प्रेसवार्ता में कहा कि दिल्ली भाजपा ने दिल्ली नगर निगम के उपचुनाव को पूरी गम्भीरता से लड़ा और इसके माध्यम से 12 में से 8 महिला प्रत्याशी लड़वा कर एक एक्सपेरिमेंट भी किया और हमें खुशी है कि दिल्ली की जनता ने 8 में 6 महिला प्रत्याशियों को जितवा कर भाजपा के महिला सशक्तिकरण के प्रयास की सराहना की है। इसी के साथ 12 में से 7 वार्ड जीतना और उपचुनाव में 46 प्रतिशता (45.9) से अधिक वोट भाजपा को मिलना दर्शाता है कि भाजपा दिल्ली वालों की आज भी पहली पसंद है। सचदेवा ने जीत का श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों के साथ ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सघन प्रचार अभियान को दिया। सचदेवा ने कहा कि उपचुनाव में मिली करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज एवं एक अन्य नेता दुर्गेश पाठक की अनर्गल ब्यानबाजी जहां उनकी हार की हताशा को दर्शाती है वहीं यह पार्टी टिकट वितरण में हुई धांधली के कारण मुस्लिम वोट खिसकने की जिम्मेदारी से बचने का प्रयास भी है।

देवेंद्र यादव ने कहा, जीत छोटी लेकिन है बड़े बदलाव का संकेत

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के 12 वार्डों पर हुए उपचुनाव के नतीजों में कांग्रेस पार्टी को मात्र एक वार्ड संगम विहार से सुरेश चौधरी को जीत नसीब हुई है। इस एक वार्ड की जीत से ही प्रदेश कांग्रेस पूरी तरह गदद हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेशक यह जीत छोटी है, लेकिन संकेत बड़े बदलाव का दे दिया है। उपचुनावों में वोट प्रतिशत में दोगुना बढ़ोत्तरी के साथ संगम विहार वार्ड पर सुरेश चौधरी की से कांग्रेस ने जिस तरह वापसी की है। इसका श्रेय कांग्रेस के बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को जाता है जिन्होंने दिन रात मेहनत करके उपचुनाव में काम किया। कांग्रेस का वोट प्रतिशत में 6.18 प्रतिशत से बढ़कर 13.44 प्रतिशत पर पहुंचना राजनीतिक परिवर्तन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि 12 वार्डों पर जो उपचुनाव हुआ, उसमें 9 भाजपा के पास थी जिनमें वो 7 पर जीती है। इन उप चुनावों के परिणामों के बाद सामने आ गया है कि लोग एक बार फिर कांग्रेस की ओर देख रहे है और हमारी मेहनत का परिणाम है कि जहां हमारा वोट प्रतिशत दुगना हुआ है वहीं भाजपा के वोट प्रतिशत में 2 प्रतिशत और आम आदमी पार्टी के वोट प्रतिशत में 8 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज है। यादव ने कहा कि निगम चुनाव में पिछले 10 महीने पहले बनी भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार को जनता ने पूरी तरह नकार दिया है।

मार्च 2026 तक 400 किमी सड़कों का होगा पुनर्विकास : प्रवेश वर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने राजधानी की सड़कों को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम

उठाते हुए मार्च 2026 तक 400 किलोमीटर से अधिक सड़कों के पुनर्विकास का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। दिल्ली सरकार के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कार्य केंद्रीय सड़क निधि (सीआरएफ) और राज्य सरकार की फंडिंग-दोनों के समन्वय से पूरा किया जाएगा। इस मिशन का नेतृत्व लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्युडी) कर रहा है, जिसका उद्देश्य बेहतर इंजीनियरिंग मानकों पर आधारित सड़कें, कम जाम, और कड़ी जवाबदेही व्यवस्था है। इस व्यापक योजना में कुल 402 किमी सड़कें शामिल हैं, जिनमें 300.917 किमी सीआरएफ और 100.944 किमी राज्य फंड के अंतर्गत आती हैं।

यह डुअल-फंडिंग मॉडल शहर के प्रमुख मार्गों पर तेज और समान विकास सुनिश्चित करेगा। लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने इस मिशन की महत्ता पर जोर देते हुए बताया कि दिल्ली को ईमानदारी, तेजी और जीरो-टॉलरेंस के साथ बनी विश्वस्तरीय सड़कें मिलनी चाहिए। यह सिर्फ सड़क निर्माण नहीं-यह राजधानी की गतिशीलता के नए मानक तय करने का संकल्प है। जानकारी के अनुसार सीआरएफ के अंतर्गत वे सड़कें शामिल हैं जिन पर उच्च ट्रैफिक भार है और जो दिल्ली एनसीआर के प्रमुख आवागमन मार्ग हैं।

प्रदूषण के खिलाफ जंतर मंतर पर किया प्रदर्शन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में स्वच्छ हवा की मांग को लेकर बुधवार को जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए और प्रदूषण की समस्या के खिलाफ प्रदर्शन किया। दिल्ली में लंबे समय से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'बहुत खराब' श्रेणी में बना हुआ है। दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों के साथ-साथ कांग्रेस समर्थित भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के सदस्य भी प्रदूषण के खिलाफ इस प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां ले रखीं थीं जिन पर लिखा था कि दिल्लीवासी 50 से कम एक्यूआई के हकदार हैं कि स्वच्छ हवा एक मौलिक अधिकार है और सभी को सांस लेने का अधिकार है। कई स्थानीय गायकों ने भी भीड़ को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर प्रस्तुति दी। प्रदर्शनकारियों में शामिल 26 वर्षीय नेहा ने आरोप लगाया कि केंद्र और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार होने के बावजूद अधिकारी प्रदूषण पर अंकुश लगाने में विफल रहे हैं। नेहा ने कहा कि पहले तो दोषारोपण का खेल चलता था, लेकिन अब कोई बहाना नहीं चलेगा।

केबिनेट मंत्री ने सागरपुर का किया दौरा, सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- जनकपुरी विधानसभा में निर्माण कार्य का किया उद्घाटन

दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने बुधवार को वार्ड 118, सागरपुर का दौरा कर क्षेत्र में स्वच्छता एवं साफ सफाई के कार्यों की मौजूदा स्थिति का निरीक्षण किया। मंत्री के साथ द्वारका के विधायक प्रधुम्न राजपूत भी उपस्थित थे। निरीक्षण के साथ ही मंत्री ने जनकपुरी विधानसभा में चाणक्य प्लेस पार्ट-1 में 25, 30 एवं 40 फीट सड़कों पर आरसीसी नाले के निर्माण कार्य का उद्घाटन, जे एवं के ब्लॉक और राम दत्त एन्क्लेव में सड़क निर्माण कार्य की शुरुआत भी की।

मंत्री सूद ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार, नगर निगम के साथ मिलकर राजधानी को स्वच्छ रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर शहरी विकास मंत्रालय, दिल्ली सरकार ने नगर निगम को 175 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है। आवश्यकता होने पर मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार और सहायता भी दी जाएगी, ताकि दिल्ली की जनता को हर विधानसभा क्षेत्र में साफ-सुथरी सड़कें और व्यवस्थित गलियां मिल सकें।

प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद की 141वीं जयंती पर एलजी ने अर्पित की पुष्पांजली

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आजाद भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 141वीं जयंती पर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने श्रद्धांजलि अर्पित की। एलजी ने कहा कि देश के रत्न व प्रथम राष्ट्रपति की 141वीं जयंती पर मेरी दिल से श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा कि भारत के पहले राष्ट्रपति, एक जाने-माने स्वतंत्रता सेनानी और भारत की आज़ादी की लड़ाई में एक अहम किरदार निभाया।

वह एक ऐसे वकील, विद्वान और राजनेता जिन्होंने भारत का संविधान बनाने में अहम भूमिका निभाई, राजेंद्र बाबू अपनी सादगी, विनम्रता और ईमानदारी के लिए जाने जाते थे। भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद, भारत माता के सबसे महान सपूतों में से एक, ने भारत के लोकतांत्रिक शासन की एक मजबूत नींव रखी। एलजी ने कहा कि अंतरिम सरकार में कृषि मंत्री के तौर पर, फिर संविधान सभा के अध्यक्ष के तौर पर और उसके बाद, 12 साल तक हमारे नए गणराज्य के राष्ट्रपति के तौर पर, देश बनाने में राजेंद्र बाबू के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। एजली ने अपने अधिकृत सोशल मीडिया मंच एक्स पर इससे जुड़ी पोस्ट भी की।

इन्द्राज ने अधिकारियों को अतिक्रमण से जुड़ी जन शिकायतों पर कार्रवाई करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

समाज कल्याण मंत्री एवं उत्तर पश्चिमी दिल्ली के प्रभारी रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने बुधवार को वार्ड-54 रोहिणी-डी में सफाई व्यवस्था और अन्य जन शिकायतों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने एवं अतिक्रमण को लेकर जन शिकायतों को दूर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय पार्षद स्मिता कौशिक भी उपस्थित रहीं।

समाज कल्याण मंत्री ने स्थानीय लोगों की ओर से समयपुर बादली मेट्रो स्टेशन और दिव्य ज्योति अपार्टमेंट के नजदीक अतिक्रमण को लेकर मिल रही शिकायतों पर निरीक्षण किया एवं उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समन्वय बनाकर कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि जहाँ भी अतिक्रमण के कारण जाम की स्थिति बन रही है, वहां स्थानीय लोगों और वाहन चालकों की सुविधा के लिए उचित कार्यवाही करें। रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार और जन प्रतिनिधि लगातार स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण कर जन शिकायतों को दूर करने और स्वच्छता कार्यों में जुटे स्टाफ का उत्साहवर्धन करने का कार्य कर रहे हैं। पूर्ववर्ती सरकार ने दिल्ली के कई क्षेत्रों में विकास कार्यों को पीछे ढकेल दिया था, लेकिन अब तस्वीर तेजी से बदल रही है। निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री ने क्षेत्र में नियमित कूड़ा संग्रहण, नालों एवं ड्रेनों की सफाई, स्ट्रीट लाइट, पेयजल और अन्य नागरिक सुविधाओं को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वच्छता व्यवस्था और कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

साफ वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता

समाज कल्याण मंत्री ने निरीक्षण के दौरान स्वच्छता व्यवस्था, कूड़ा प्रबंधन, नालों की सफाई तथा स्थानीय नागरिक सुविधाओं की स्थिति का जायज़ा भी लिया। मंत्री रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि स्वच्छता किसी भी क्षेत्र की बुनियादी जरूरत है एवं सभी नागरिकों को साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

बिना इजाजत रोड कटिंग करने वाले संस्थानों के खिलाफ दर्ज की जाए एफआईआर

प्रदूषण को लेकर किसी भी प्रकार की कोताही नहीं की जाएगी बर्दाश्त : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी के प्रदूषण नियंत्रण को लेकर किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हमारी सरकार प्रदूषण को इमरजेंसी मिशन की तरह मानकर उसे नियंत्रण में लाने का गंभीर प्रयास कर रही है। दिल्ली सचिवालय में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर बुधवार को एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संबंधित विभागों को तेज गति से कार्य करने के भी आदेश दिए और कहा कि प्रदूषण नियंत्रण में सबकी भागीदारी जरूरी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा है कि प्रदूषण को लेकर लापरवाही बरतने वाले सरकारी संस्थानों को अब बख्शा नहीं जाएगा। दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमेटी (डीपीसीसी) को निर्देश दिए गए हैं कि प्रदूषण और सफाई में कोताही बरतने वाले सरकारी संस्थानों का चालान काटकर भारी जुर्माना वसूला जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी आदेश दिए हैं कि बिना इजाजत रोड कटिंग करने और उसे न भरने वाले सरकारी संस्थानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई इस समीक्षा बैठक में राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण के खिलाफ जारी कार्रवाइयों की समीक्षा की गई और आने वाले दिनों में युद्धस्तर पर काम करने के निर्देश दिए गए। इस बैठक में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, मुख्य सचिव राजीव वर्मा सहित पीडब्ल्यूडी, दिल्ली नगर निगम, डीडीए, पर्यावरण व वन, डीएसआईआईडीसी, दिल्ली मेट्रो, एनबीसीसी, ऊर्जा, डूसिब आदि विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

इमरजेंसी मिशन की तरह कार्य कर रही है सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदूषण को लेकर लंबी लड़ाई तो लड़नी ही होगी, लेकिन फौरी तौर पर प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए उठाए जा रहे लगातार व प्रभावी उपायों को भी और तेज किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण को नियंत्रण में लाने के लिए इमरजेंसी मिशन की तरह कार्य कर रही है।

सरकारी विभागों के खिलाफ काटा जाए चालान

बैठक में मुख्यमंत्री ने इस बात पर गहरी नाराजगी जताई कि कुछ विभाग प्रदूषण को लेकर जिम्मेदारी निभाने में लापरवाही बरत रहे हैं। उन्होंने बैठक में ही डीपीसीसी अधिकारियों को आदेश दिए कि प्रदूषण में लापरवाही और साफ-सफाई को लेकर कोताही बरतने वाले सरकारी विभागों के खिलाफ चालान काटा जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी आदेश दिए कि बिना इजाजत रोड कटिंग करने और उसे न भरने वाले सरकारी संस्थानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस कोताही के लिए विभाग के प्रमुख को जिम्मेदार माना जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी एजेंसी को बख्शा नहीं जाएगा, न सरकारी और न ही निजी एजेंसियों को। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के खिलाफ हमें युद्धस्तर पर कार्य करना होगा और इसमें सरकार, विभिन्न विभागों के अलावा आम जन को भी भागीदारी निभानी होगी।

'311 ग्रीन ऐप' प्लेटफॉर्म को बनाया जा रहा सशक्त

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि "311 ग्रीन ऐप" को एक नोडल प्लेटफॉर्म के रूप में और अधिक सशक्त किया जा रहा है जिससे ग्रीन वॉर रूम के माध्यम से गड्ढों, ब्राउन एरिया और डस्ट हॉटस्पॉट्स की मॉनिटरिंग की जा सके। उन्होंने कहा कि अगले छह महीनों के लिए एक समग्र कार्य योजना तैयार की जा रही है, जिसके अंतर्गत धूल उड़ने वाले "ब्राउन एरिया" को चिन्हित कर वहां पर धूल-मुक्त और हरित उपाय लागू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बीएस-प्ट से नीचे के वाहनों पर सख्त कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री की पहल पर, लास्ट माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए ई-ऑटो को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि अधिक से अधिक लोग मेट्रो का उपयोग कर सकें।

विकास के लिए मास्टर प्लान शीघ्र लाना जरूरी : बिधूड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के योजनाबद्ध विकास के लिए मास्टर प्लान शीघ्र लाना बहुत आवश्यक है। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बुधवार को लोकसभा में मास्टर प्लान शीघ्र नोटिफाई करने का सरकार से आग्रह किया है। बिधूड़ी ने कहा कि मास्टर प्लान लागू होने से ही अवैध कॉलोनियों के लिए बिल्डिंग बायलॉज बन पाएंगे। मास्टर प्लान के अभाव में अवैध निर्माण से एक तरफ जहां बजली, पानी, सड़क आदि जैसी सुविधाओं पर बोझ पड़ रहा है, वहीं दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बन गई है।

सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि मास्टर प्लान न आने से दिल्ली का विस्तार अनियोजित तरीके से हो रहा है। इससे दिल्ली की मूलभूत सुविधाओं पर बोझ बढ़ रहा है और प्रदूषण बढ़ने का भी यह एक बड़ा कारण है। सांसद बिधूड़ी ने शून्य काल के दौरान मास्टर प्लान का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मास्टर प्लान नोटिफाई करने में पहले ही पांच वर्ष की देरी हो चुकी है। 2041 का मास्टर प्लान 2021 में लागू हो जाना चाहिए था लेकिन यह अब तक लागू नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि इससे लैंड पूलिंग पॉलिसी और जीडीए पॉलिसी लागू नहीं हो पा रही। कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनियां बस रही हैं। उन्होंने यह इसलिए कहा कि मास्टर प्लान आने से ये दोनों पॉलिसी लागू हो पाएंगी तथा किसानों को उनकी जमीन का उचित मुआवजा मिल पाएगा, रोजगार बढ़ेगा, दिल्ली सरकार का रेवेन्यू बढ़ेगा, दिल्ली स्लम बनने से बचेगी और अवैध निर्माण के माध्यम से हो रहा भ्रष्टाचार भी रुकेगा।

नगर निगम ने 22 दीनदयाल उपाध्याय पार्क में वितरित किए 5 लाख फूलों के पौधे

घर आंगन से लेकर अपने इलाके को सुंदर-स्वच्छ बनाना सभी की जिम्मेदारी

नगर निगम द्वारा यह कार्यक्रम सेक्टर-22 स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में आयोजित किया गया, जहां लगभग 5 लाख शीतकालीन फूलों के पौधे आमजन को वितरित किए गए। इन पौधों के खिलने से घरों के आंगन, पार्कों और सड़कों के डिवाइडरों पर रंग-बिरंगे फूल नजर आएंगे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बल्लभगढ़

बल्लभगढ़ विधानसभा में आज नगर निगम फरीदाबाद द्वारा शीतकालीन फूलों के पौधों का वितरण कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पं.मूलचंद शर्मा पहुंचे। पार्क में पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। नगर निगम द्वारा यह कार्यक्रम सेक्टर-22 स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में आयोजित किया गया, जहां लगभग 5 लाख शीतकालीन फूलों के पौधे आमजन को वितरित किए गए। इन पौधों के खिलने से घरों के आंगन, पार्कों और सड़क़ों के डिवाइडरों पर रंग-बिरंगे फूल नजर आएंगे, जिससे पूरे क्षेत्र का वातावरण और भी सुंदर एवं स्वस्थ रहेगा। कार्यक्रम में मुख्यातिथि पं. मूलचंद शर्मा ने आह्वान किया कि वे अपने घरों के आस-पास अधिक से अधिक पेड़-पौधे अवश्य लगाएं, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ क्षेत्र और अधिक हरा-भरा बन सके। उन्होंने नगर निगम द्वारा तैयार किए गए पुष्प पौधों के इस कार्यक्रम के लिए नगर निगम के अधिकारियों को बधाई दी।

निगम के पार्षद रवि भगत, ज्ञानेंद्र, संगीता भारद्वाज, कार्यकारी अभियंता हरीश कुमार, एसडीओ विनोद सिंह, एसडीओ नबाव खान, जिला महामंत्री अनुराग गर्ग, कुलदीप मथारू सहित भाजपा पदाधिकारी और सेक्टर के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सीएम के निर्देश पर पौधों को तैयार कर उपलब्ध कराया गया

उल्लेखनीय है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों एवं निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा के मार्गदर्शन में नगर निगम द्वारा इन फूलों के पौधों को तैयार कर जनता के लिए उपलब्ध कराया गया है। निगम द्वारा पूरे फरीदाबाद में 17 करोड़ से ज्यादा पौधे तैयार कराए गए हैं। शहरवासियों में पौधें लेने और लगाने का पूरा उत्साह नजर आ रहा है।

खबर संक्षेप

बीएलओ की मौत के खिलाफ आक्रोश प्रदर्शन

फरीदाबाद। ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के बैनर तले स्पेशल इन्सेंटिव रिवीजन में अनावश्यक दबाव के चलते बीएलओ की मौतों के खिलाफ कर्मचारियों ने बीके चौक पर आक्रोश प्रदर्शन किया। जिला प्रधान करतार सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन में सैकड़ों कर्मचारियों ने भाग लिया।

जेल से रंगदारी मांगने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

गाजियाबाद। टीम क्राइम ब्रान्च पुलिस व थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने सयुंक्त कार्यवाही कर पचायरा/नौरसपुर खनन पट्टा पाईंट पर फायरिंग कर रंगदारी मांगने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 1 अवैध पिस्टल 32 बोर मय 5 जिंदा कारतूस 32 बोर व एक अदद देशी तंमचा मय 2 जिंदा कारतूस बरामद किए व घटना प्रयुक्त 1 मोबाईल व स्विफ्ट कार बिना नंबर बरामद हुई है।

टेलिग्राम टास्क के नाम पर 1,39,000 की ठगी

फरीदाबाद। साइबर थाना की टीम ने खाताधारक सहित तीन को गिरफ्तार किया है।एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि 29 अक्टूबर को व्हाट्सएप पर जॉब ऑफर का मैसेज प्राप्त हुआ था। फिर ठगों से टेलिग्राम पर बात शुरू हुई। टास्क के लिए ठगों ने उससे 80,000 रुपए खाता में डलवा लिए और जब शिकायतकर्ता पैसे निकालने के लिए कहा तो ठगों ने पैसे निकालने के नाम पर 59000 रुपए और ऐठ लिए।

हिला देगी फरीदाबाद के युवक की कहानी

विदेश में नौकरी का लालच, भेजा म्यांमार 17 दिन बंधक बना करवाई साइबर ठगी

फरीदाबाद में एक युवक को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर म्यांमार बुलाकर बंधक बनाकर साइबर ठगी कराए जाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। ठगों के चंगुल से निकलकर युवक स्वदेश लौटा और पुलिस ने अब मामले की जांच शुरू कर दी है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

साइबर जालसाजों ने फरीदाबाद निवासी एक युवक को विदेश में 80 हजार रुपए महीना वेतन पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर पहले बैंकॉक बुलाया, फिर वहां से किडनैप कर म्यांमार ले गए। जहां पर ठगों ने युवक को कमरे में बंद करके भूखा रखा और तरह-तरह की यातनाएं दी। फिर उसको साइबर ठगी करने की ट्रेनिंग दी।

माता-पिता अपने बेटे के साथ हो रही प्रताड़ना को लेकर पूरी तरह से बेखबर रहे। भारत सरकार द्वारा मस्कट से रेस्क्यू किए गए सेक्टर-78 के रहने वाले युवक ने अब पुलिस को शिकायत देकर धोखाधड़ी कर विदेश भेजने वाले आरोपियों के खिलाफ शिकायत दी हैं। साइबर थाना सेंट्रल ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सेक्टर-78 के रहने वाले युवक राहुल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनको नौकरी की जरूरत थी। उसने अलग-अलग वेबसाइट पर अपना बायोडाटा डाला हुआ था। उनके पास जुलाई में वॉट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने युवक उसके बारे में सारी जानकारी पूछी।

खास बातें

- बीकॉम पास है पीड़ित युवक
- कमरे में बंद करके भूखा रखा और तरह-तरह की यातनाएं दी

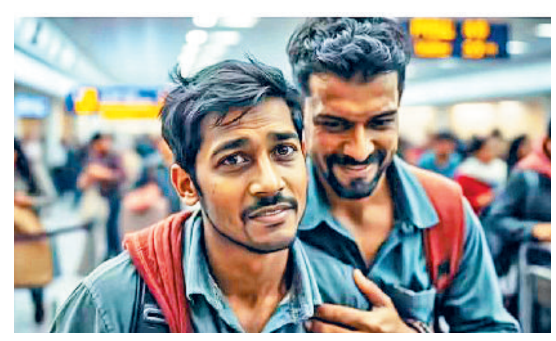

80 हजार वेतन का भी ऑफर दिया

इसके बाद युवक ने उसे थाइलैंड की कंपनी में अकाउंटेंट की नौकरी लगवाने की बात कही। इसके साथ ही 80 हजार वेतन का भी ऑफर दिया। 9 अगस्त को ठगों ने राहुल को दिल्ली से बैंकाक की टिकट भेजी। शिकायतकर्ता ने ठगों के झांसे में आकर बैंकॉक चला गया। बैंकॉक जाने के बाद उसने ठगों को फोन किया। ठगों ने उसे एयरपोर्ट के गेट नंबर चार पर जाने को कहा। जब राहुल गेट नंबर चार पर गया तो वहां से कुछ युवक उसको किडनैप करके पिस्तौल के बल पर म्यांमार ले गए। वहां पर पीड़ित को एक चाइनीज कंपनी को बेच दिया गया। चाइनीज कंपनी ने म्यांमार बार्डर पर अपना कैंप बनाया था। जहां पर युवकों को बंधक बनाकर साइबर ठगी करवाई जाती थी।

म्यांमार आर्मी की छापेमारी से मुक्त

अक्टूबर में जिस कैंप में राहुल को रखा गया था। उस पर म्यांमार आर्मी की छापेमारी पड़ गई, जिसके बाद आरोपी वहां से भाग गए। इसके बाद राहुल और उसके साथी करीब 20 दिन तक आर्मी के कैंप में रहे। फिर पीड़ित को थाइलैंड लेकर आया गया। जहां से भारत सरकार रेस्क्यू कर पीड़ित को वापस लाई। राहुल ने कहा कि उनको धोखाधड़ी से बैंकाक भेजा गया था। पुलिस प्रवक्ता यशपाल के अनुसार युवक की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जिस नंबर से वॉट्सऐप कॉल किया गया था। उसके बारे में जांच की जा रही है।

मूलभूत सुविधाओं के सुधार की होगी प्राथमिकता

आईएएस प्रदीप सिंह ने मानेसर नगर निगम आयुक्त का कार्यभार संभाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

2020 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी प्रदीप सिंह ने बुधवार को नगर निगम मानेसर के आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वह नूंह में अतिरिक्त जिला उपायुक्त व जिला परिषद के सीईओ के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। गुरुग्राम जिला प्रदीप सिंह के लिए नया नहीं है। वे पूर्व में एसडीएम सोहना और एसडीएम पटौदी के पद पर कार्यरत रहे हैं।

बतौर मानेसर नगर निगम आयुक्त उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं में सुधार करना उनकी प्राथमिकता है। निगम की ओर से आमजन को दी जाने वाली अन्य सुविधाएं जैसे प्रॉपर्टी आईडी, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, सीवर, सफाई व्यवस्था में सुधार करना, सिविल के कामों को समय पर डिलीवर करना उनकी सूची में पहले नंबर पर है।

मानेसर नगर निगम के सदन के साथ मिलकर पार्षदों के सहयोग से विकास कार्य कराए जाएंगे। आमजन से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि नगर निगम से संबंधित किसी भी काम के लिए वे निगम कार्यालय में आ सकते हैं। क्षेत्रवासियों को जरूरी सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए नगर निगम प्रतिबद्ध है।

नगर निगम की त्वरित कार्रवाई

40 बंदरों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर छोड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद शहर में लगातार मिल रही बंदरों के आतंक की शिकायतों पर निगम की टीम सक्रिय रूप से कार्रवाई कर रही है। निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नीतीश परवाल ने बताया कि सैनिक कॉलोनी, नगर पार, इंद्र कॉम्प्लेक्स, एनआईटी क्षेत्र और बल्लभगढ़ विधानसभा के सेक्टर-3 से प्राप्त शिकायतों के आधार पर अब तक लगभग 40 बंदरों को पकडक़र सुरक्षित स्थान पर छोड़ा गया है।

उन्होंने बताया कि नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खडग़टा के निर्देशानुसार निगम की विशेष टीम द्वारा जाल लगाकर बंदरों को पकड़ा जाता है और उन्हें गुड़-चना और केले खिलाकर शहर से दूर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाता है, जिससे उन्हें कोई नुकसान न पहुंचे।

निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परवाल ने शहरवासियों से अपील की है कि यदि किसी क्षेत्र में बंदरों से परेशानी हो रही है तो वे तत्काल नगर निगम को शिकायत दर्ज कराएं। निगम की टीम मौके पर पहुंचकर बंदरों को पकड़ने की कार्रवाई करती रहेगी।

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सगाई समारोह में डीजे पर विवाद, 20 युवकों ने किया हमला

3 गंभीर घायल, महिलाओं से की बदसलूकी, कुण्डल लूटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

जिले के आदर्श नगर थाना क्षेत्र में सगाई के कार्यक्रम के दौरान डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। जो बाद में मारपीट में बदल गया। इस घटना में तीन से चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जिन्हें पुलिस ने तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित परिवार ने थाना आदर्श नगर में लिखित शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

घटना 2 दिसंबर की रात की है। सुभाष कॉलोनी हरी विहार के रहने वाले महावीर कुमार के घर उनके बेटे शिवम की सगाई का कार्यक्रम चल रहा था। यह कार्यक्रम आदर्श नगर के गुर्जर चौक स्थित बाबा उदय वाटिका में रात करीब 8 बजे तक सब कुछ सामान्य था और डीजे भी चल रहा था। महावीर के अनुसार अचानक करीब 15 से 20 युवक कार्यक्रम में घुस आए। उन्होंने आते ही कार्यक्रम रुकवाने की धमकी दी और कहा कि यह समारोह नहीं होने देंगे। इन लोगों ने आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए डीजे बंद करा दिया।

महावीर ने बताया कि जब परिवार और रिश्तेदारों ने इसका विरोध किया तो हमलावरों ने पूरी सगाई में हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने कार्यक्रम में रखे खाने को उलट पलट दिया और हलवाइयों के साथ मारपीट की। रिश्तेदारों को भी लाठी.डंडों से मारा गया।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **घनश्याम उर्फ विजय, पुत्रः** स्व. लल्लू प्रसाद, **पताः** मकान न. ए–832, गली न. 11, मीत नगर, दिल्ली, ने **FIR No.: 348/2017, U/s 323/341/506 IPC,** थानाः ज्योति नगर, दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **घनश्याम उर्फ विजय,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **घनश्याम उर्फ विजय,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 348/2017, U/s 323/341/506 IPC, थानाः** ज्योति नगर, दिल्ली, के उक्त अभियुक्त, **घनश्याम उर्फ विजय,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.01.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री राहुल सैनी, एलडी.
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–08
कमरा न. जी–6, न्यू कोर्ट बिल्डिंग
शाहदरा जिला, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/16192/NE/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राशीद, पुत्रः दोश मोहम्मद पताः लावारिस, फुटपाथ हनुमान मंदिर, यमुना बाजार, दिल्ली** ने **FIR No. 4147/2020 U/s 103 DP Act., थानाः कोतवाली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **राशीद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राशीद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 4147/2020 U/s 103 DP Act., थानाः कोतवाली, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राशीद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 14.01.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री सायशा चड्ढ़ा
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–08
केन्द्रीय जिला, रूम नं. 272
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16216/N/2025 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **परमार राहुल जिनाभाई पुत्र** परमार जिनाभाई **निवासः** शनी मंदिर के नजदीक, बक्करवाला, दिल्ली एवं गाँव भीलवास, गरजिया रोड़, पलीटना रूरल भाव नगर, गुजरात ने **FIR No. 616/2021 U/s 394/411/34 IPC. थानाः द्वारका उत्तर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **परमार राहुल जिनाभाई** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **परमार राहुल जिनाभाई** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 616/2021 U/s 394/411/34 IPC. थानाः द्वारका उत्तर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **परमार राहुल जिनाभाई** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
नितिका कपूर
जेएमएफसी-06, (दक्षिण पश्चिम)
कमरा नं. 514, द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/16204/DW/2025
(Court Notice)

शॉर्ट सर्किट से उठी चिंगारी, 3 दिन से थी बंद

टेलर की दुकान में आग लगी, भारी नुकसान नीचे दुकान व ऊपर सिलाई मशीनें लगी थीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सारन थाना क्षेत्र के जवाहर कॉलोनी में लक्ष्मी डेरी के पास स्थित वोल्गा टेलर्स की दुकान में देर रात अचानक आग लग गई। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

- दुकान का अधिकांश सामान जल चुका था आधे घंटे बाद आग पर काबू पाया गया

रात साढ़े 12 बजे पड़ोसियों ने दी थी सूचना

दुकान संचालक मुन्नीलाल ने बताया कि रात लगभग 12.30 बजे पड़ोसियों ने उन्हें सूचना दी कि उनकी दुकान में आग लग गई है। वे तुरंत मौके पर पहुंचे तो देखा कि दुकान के अंदर भीषण आग लगी हुई थी और लपटें ऊपर की मंजिल तक पहुंच चुकी थीं। दमकल विभाग के कर्मचारी आग बुझाने में जुटे हुए थे, लेकिन तब तक दुकान का अधिकांश सामान जल चुका था। मुन्नीलाल ने बताया कि उनकी वोल्गा टेलर्स में रेडीमेड गारमेंट, कोट-पेंट, पैंट-शर्ट बनाने का काम होता है। नीचे दुकान और ऊपर सिलाई मशीनें लगी हुई थीं। परिवार में शादी समारोह होने के कारण दुकान पिछले तीन दिनों से बंद थी। उन्होंने शक जताया कि संभवतः कोई लाइट या मशीन गलती से चालू रह गई होगी, जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ और आग लग गई।

हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई

आग लगने से दुकान में रखा सारा कपड़ा, सिलाई मशीनें, कोट-पैंट, पैंट, शर्ट सहित सभी रेडीमेड गारमेंट जलकर राख हो गए। आग की लपटें पहली मंजिल तक पहुंचने के कारण ऊपर की मशीनें भी पूरी तरह नष्ट हो गईं। हालांकि, गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर तुरंत कार्रवाई की और दो गाडिय़ों की मदद से आग को नियंत्रित किया। पुलिस ने घटना की जानकारी दर्ज कर ली है और शॉर्ट सर्किट की पुष्टि के लिए जांच शुरू कर दी है।

फरीदाबाद पुलिस का वाहन चोरों पर प्रहार

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस ने अलग-अलग मामलों में चार वाहन चोरों को गिरफ्तार कर एक चोरी की बाइक बरामद की हैं। थाना सेक्टर-8 में एक बाइक चोरी की शिकायत प्राप्त हुई थी। जिस पर कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा की टीम ने अमृत धिमीरे निवासी गांव राईनस जिला लम्जुंग नेपाल हाल सेक्टर-7, फरीदाबाद को मोटरसाईकिल सहित सेक्टर-56 पुल के पास से गिरफ्तार किया है। जिसको अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।

नकदी और गहने चुराने का आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। आईएमटी मानेसर थाना पुलिस ने मामा के घर से नकदी व गहने चोरी करने के आरोपी को उसकी महिला मित्र सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से 2.53 लाख रुपए नकदी बरामद की है। दोनों आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने 21 नवंबर को धारा 305, 317(2) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज किया था।

रेलवे भर्ती सैल, उत्तर रेलवे

लाजपत नगर–1, नई दिल्ली – 110024, आरआरसी वेबसाइटः www.rrcnr.org

(सांकेतिक सूचना)

रोजगार संख्या– RRC/NR-06/2025

7वें वेतन आयोग के पे – मैट्रिक्स लेवल 1 में उत्तर रेलवे की 38 रिक्तियां भरने के लिए भारतीय खिलाड़ियों से खेल योग्यता, शैक्षिक योग्यता, आयु, परीक्षा शुल्क और सामान्य अनुदेश आदि जैसे पात्रता शर्तों सहित एक विस्तृत अधिसूचना दिनांक 02/12/2025 से प्रभावी आरआरसी वेबसाइटः www.rrcnr.org पर उपलब्ध के अनुसार ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

महत्वपूर्ण तिथियाँ	
ऑनलाइन आवेदन करने की आरंभिक तिथि और समय	08/12/2025 को 12:00 बजे से
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि और समय	07/01/2026 को 23:59 बजे तक
ट्रायल की अनुमानित तिथि	February में।

3745/2024 कृते अध्यक्ष / आरआरसी

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जीएलए विवि दीक्षांत समारोह में केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी का प्रेरक संबोधन

भारत नवाचार के स्वर्णिम युग में, युवा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मथुरा

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा में आयोजित भव्य 14वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने छात्रों को प्रेरणादायी संबोधन देते हुए कहा कि भारत का भविष्य युवाओं के हाथों में है और आने वाले वर्षों में वह देश को नई बुलंदियों तक पहुंचाएंगे।

मंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर आयोजित यह दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि छात्रों के जीवन का महत्वपूर्ण संस्कार है। उन्होंने गीता के उपदेशों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब जीवन में संशय हो या मार्ग स्पष्ट न दिखे, तब "कर्तव्य पालन" मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म होता है और साहस से आगे बढ़ने पर सफलता स्वयं रास्ता बना लेती है।

पूरी दुनिया छात्रों के लिए नया कक्षा–कक्ष होगा

पंकज चौधरी ने कहा कि आज आप सब अपने जीवन की नई यात्रा पर निकल रहे हैं। यह डिग्री केवल आपकी शिक्षा का प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी का प्रतीक है। मंत्री ने युवाओं से जीवन भर सीखते रहने की प्रेरणा देते हुए कहा कि कैंपस में मिली शिक्षा तो प्रारंभिक अध्याय थी, अब पूरी दुनिया उनका नया कक्षा–कक्ष होगा, जहाँ अनुभव उनके सबसे बड़े शिक्षक बनेंगे। उन्होंने कहा कि भारत आज वैश्विक मंच पर अपनी क्षमता साबित कर रहा है। 5जी और भविष्य की 6जी तकनीक का स्वदेश में विकास कोई सामान्य उपलब्धि नहीं, बल्कि देश की तकनीकी स्वतंत्रता की बड़ी छलांग है। भारत अब 2जी–3जी–4जी के दौर जैसा निर्भर देश नहीं, बल्कि डिजिटल नेतृत्वकर्ता के रूप में उभर रहा है।

देश में 1.6 लाख से अधिक स्टार्टअप्स कार्यरत

मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि देश में 1.6 लाख से अधिक स्टार्टअप्स कार्यरत हैं और भारत दुनिया का अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया, स्किल इंडिया 2.0 जैसी योजनाओं ने लाखों युवाओं, महिलाओं और नव उद्यमियों को नए अवसर दिए हैं। अगर आपके पास आइडिया, कौशल और मेहनत की इच्छा है तो आपको अवसरों की कभी कमी नहीं होगी।

छात्रों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि युवाओं को अपने कौशल को लगातार अद्यतन करना चाहिए, क्योंकि बदलते समय में सीखते रहने वाला ही सफल हो पाता है। जीवन में आने वाली चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियाँ ही चरित्र निर्माण करती हैं और वही सफलता के आधार बनती हैं।

चौधरी ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, माता–पिता और अभिभावकों के योगदान को नमन करते हुए कहा कि दीक्षांत दिवस पर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना हर छात्र का दायित्व है। उन्होंने गुरुकुल परंपरा के 'समावर्तन संस्कार' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वह क्षण है जब विद्यार्थी सीखकर समाज में लौटते हैं और एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं। दीक्षांत समारोह में 5548 उपाधियां एवं 21 गोल्ड और 21 सिल्वर मेडल प्रदान किए।

खबर संक्षेप

महोबा में सहा. बीएलओ का शव कुएं में मिला

महोबा। यहां श्रीनगर क्षेत्र में एसआईआर प्रक्रिया में कार्यरत सहायक बीएलओ का शव बुधवार को कुएं से बरामद होने पर हड़कंप मच गया।

परिजनों ने आशंका जताई कि उन्होंने एसआईआर के दबाव में आत्महत्या की होगी। पवा गांव की प्राथमिक पाठशाला में तैनात 50 वर्षीय शिक्षामित्र शंकर लाल की ड्यूटी एसआईआर में लगाई गई थी।

नाबालिग ने 140 की स्पीड से दौड़ाई कार

लखनऊ। जिले में दोस्तों संग शराब के नशे में जा रहे नाबालिग ने 140 की स्पीड़ से कार दौड़ाकर

बाइक सवार को इतनी तेज ठोकर मारी कि वह सात फिट उछलकर कार की बोनट पर गिरकर बेहोश हो गया। इसके बाद कार चालक ने दो स्कूटी सवारों को भी टक्कर मार दी। इलाज के बाद पीड़ित ने नाबालिग कार चालक व दो अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

डिटेंशन सेंटर बनाने का निर्देश

सीएम योगी की सख्ती के बाद बांग्लादेशी रोहिंग्या घुसपैठियों पर कसा शिकंजा

उत्तर प्रदेश से बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को निकालने के लिए एक्शन शुरू हो गया है। इसके लिए नगर निकायों को सूची बनाकर आईजी और कमिश्नर को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस संबंध में 17 नगर निकायों को निर्देश दे दिए हैं। निर्देश में कहा गया है कि नगर निकायों में काम करने वाले रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की सूची बनाएं और कमिश्नर व आईजी को सौपे।

कमिश्नर व आईजी को प्रथम चरण में डिटेंशन सेंटर बनाने का निर्देश दिया गया है। ये डिटेंशन सेंटर प्रदेश के हर मंडल में बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद अधिकारी एक्शन में आ गए हैं।

पुलिस ने सैकड़ों आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड व जन्म प्रमाण पत्र चेक किए

प्रबंधन, सुरक्षा की जिम्मेदारी जिला प्रशासन व पुलिस की होगी

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसकी मानक संचालन प्रक्रिया भी सभी राज्यों को भेजी है, जिसके बाद अब यूपी में भी अन्य राज्यों की तरह डिटेंशन सेंटर बनाए जाएंगे। इनके प्रबंधन और सुरक्षा की जिम्मेदारी जिला प्रशासन और पुलिस की होगी। इसके अलावा पकड़े गए घुसपैठियों की जानकारी गृह विभाग को रोजाना देनी होगी।

डिटेंशन सेंटरों पर खाने-पीने और इलाज की भी सुविधा

दिल्ली में करीब 18 डिटेंशन सेंटर चल रहे हैं, जिनमें तकरीबन 1500 विदेशी नागरिकों को कड़ी सुरक्षा बंदोबस्त में रखा गया है। इनमें अवैध रूप से सीमा पार कर आए बांग्लादेशी, रोहिंग्या और अफ्रीकी मूल के देशों के नागरिक हैं। बांग्लादेशी व रोहिंग्या नागरिकों द्वारा भारतीय नागरिकता के दस्तावेज बनवा लेने की वजह से उनका सत्यापन कराया जा रहा है। डिटेंशन सेंटरों पर खाने-पीने, इलाज की सुविधा भी मुहैया कराई जाती है। सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम रहता है। तत्पश्चात एफआरआरओ के जरिए उनको वापस भेजने की प्रक्रिया की जाती है। तमाम राज्यों में पकड़े गए घुसपैठियों को पश्चिम बंगाल और असम में बीएसएफ की मदद से वापस भेजा जाता है।

दिल्ली की तर्ज पर बनेंगे डिटेंशन सेंटर

यूपी से विदेशी घुसपैठियों को बाहर करने के लिए दिल्ली की तर्ज पर जिलों में डिटेंशन सेंटर बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश के बाद कई कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उनको वापस भेजने की प्रक्रिया पूरी होने तक डिटेंशन सेंटर में रखने के लिए जगह तलाशी जा रही हैं। शासन के निर्देश पर जिलों में खाली सरकारी इमारतों, सामुदायिक केंद्र, पुलिस लाइन, थाने आदि चिन्हित किए जा रहे हैं, जहां घुसपैठियों को कड़ी सुरक्षा में रखा जा सके।

प्रस्तावित अनुपूरक बजट

महिला रोजगार पर 21 हजार करोड़ फ्री बिजली पर 6462 करोड़ खर्च

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार की नीतीश सरकार मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना पर 21 हजार करोड़ रुपएऔर मुफ्त बिजली योजना पर 6462 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इसके अलावा, पटना मेट्रो रेल प्रोजेक्ट में 389 करोड़ रुपए, तो राज्य के 4 एयरपोर्ट निर्माण (गयाजी, भागलपुर, दरभंगा और सहरसा) के लिए 500 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने बुधवार को बिहार विधानसभा में द्वितीय अनुपूरक बजट पेश किया। इसके तहत मौजूदा वित्तीय वर्ष में 91 हजार 717 करोड़ रुपये की राशि खर्च करने का प्रावधान है। अनुपूरक बजट को सदन में चर्चा के बाद 5 दिसंबर को पारित कराया जाएगा।

बालिका इंटर प्रोत्साहन योजना के 288 करोड़

प्रस्तावित अनुपूरक बजट में मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना के लिए 1885 करोड़ रुपए, बालिका स्नातक प्रोत्साहन योजना में 750 करोड़, पेयजल निश्चय योजना में 594 करोड़, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए 314 करोड़, बालिका इंटर प्रोत्साहन योजना के 288 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रावधान है।

सड़कों के निर्माण के लिए 861 करोड़

बिहार सरकार मौजूदा वित्तीय वर्ष में सड़क निर्माण पर 861 करोड़ खर्च करेगी। वहीं, बाढ़ नियंत्रण पर 651 करोड़, ऊर्जा कंपनियों में निवेश के लिए 600 करोड़, औद्योगिक विकास पर 500 करोड़, पंचायत सरकार भवनों पर 500 करोड़, पुलिस भवनों के निर्माण पर 400 करोड़, स्टेडियम व खेल संरचना विकसित करने के लिए 250 करोड़ रुपए का प्रावधान है। राज्य में मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए 150 करोड़, महादलित विकास के लिए 130 करोड़ खर्च करेगी ।

पेज एक का शेष....

दुनिया के किसी...

राष्ट्रपति की इस यात्रा से भारत को क्या लाभ होगा? तनाव के दौर में पुतिन को स्वदेश यात्रा के लिए आमंत्रित कर भारत दुनिया को क्या संदेश देना चाहता है? रूस के राष्ट्राध्यक्ष के नई दिल्ली आने से क्या अमेरिका की नाराजगी भारत के खिलाफ और बढ़ेगी? क्या इससे भारत-रूस का व्यापार घाटा कम होगा, द्विपक्षीय संबंध मजबूत होंगे? क्या एस-400 या 500, सुखोई-57 समेत अन्य क्षेत्रों से जुड़े समझौते होंगे? मुख्य हैं। विदेश और रक्षा मामलों के विशेषज्ञों ने इनका बड़ी ही स्पष्टता और विस्तार से जवाब दिया है। पेश हैं बातचीत के अंश।

बरकरार रहेगी....

रूस के राष्ट्रपति को आमंत्रित किया है। बल्कि अपने नजरिए को भी मजबूती के साथ सार्वजनिक कर दिया है।

पीस डील पर .....

शांति कायम होने से अमेरिका और रूस के बीच लंबे वक्त से जारी कटुता समाप्त हो जाएगी और अमेरिका के पास रूस के संबंध में भारत पर भविष्य में प्रतिबंध (तेल, ऊर्जा क्षेत्र) लगाने की कोई और ठोस वजह भी नहीं रहेगी। अमेरिका की असल मंशा रूस-चीन की बढ़ती दोस्ती में दरार डालने की है। क्योंकि रूस की दोस्ती के साथ एक मजबूत चीन अमेरिका के लिए सिरदर्द का सबब बना रहेगा। जो उसे दुनिया में अपनी राजनीति चलाने में मुश्किलें खड़ी करता है।

रक्षा क्षेत्र का.....

जब पुतिन देश में आ रहे हैं। तो ये हमारी विदेश नीति के मामले में भारत की एक कदम और आगे बढ़ने की प्रक्रिया का मजबूत प्रमाण प्रस्तुत करता है। भारत-रूस के रक्षा संबंधों की बात करें तो वो दशकों पुराने हैं। अमेरिका भी आज तक हमें इनका कोई ठोस विकल्प भी नहीं दे पाया है। रूसी राष्ट्रपति की यात्रा से भारत-चीन की स्थिति में भी लाभ होगा।

इन डिफेंस डील ....

रहेगी। रक्षा क्षेत्र में भारत रूस के साथ कुछ नई परियोजनाएं करना चाहता है। जिसमें एस-400, 500 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम, पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ सुखोई-57 लड़ाकू विमान की खरीद, व्यापार असंतुलन कम करने, छोटे न्यूक्लियर रिएक्टरों की खरीद, वाणिज्यिक परिवहन गलियारे का मुद्दा मुख्य है। भारत-रूस के बीच रेलोस समझौता हुआ है। जिसके क्रियान्वयन पर चर्चा संभव है। समझौते के जरिए भारत रूस की मदद से आकर्टिक क्षेत्र का इस्तेमाल कर सकेगा। क्योंकि वहां पर अमेरिका, चीन के साथ ही रूस के भी बेस हैं।

पुतिन की यात्रा....

पर भी दोनों पक्ष विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। भारत-रूस के रक्षा मंत्रियों की ये बैठक मानेकशॉ केंद्र में होगी। जहां पर रूस के रक्षा मंत्री परंपरागत रूप से भारतीय सशस्त्र सेनाओं के कर्मियों द्वारा दिए जाने वाले संयुक्त गार्ड ऑफ आर्नर का निरीक्षण करेंगे। इससे पहले बेलौसोव राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे। ज्ञात हो कि पूर्व में भारत, रूस के रक्षा मंत्रियों की एक मुलाकात चीन में इसी साल आयोजित किए गए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक से इतर भी हो चुकी है।

देरी से रखरखाव में आती अड़चन: अधिकारियों ने कहा कि भारत की सशस्त्र सेनाओं की लंबे समय से ये मांग रही है कि रूस द्वारा उन्हें दिए जाने वाले जटिल सैन्य हथियारों, कलपुर्जों और अन्य उपकरणों की आपूर्ति निर्धारित समय पर ही की जानी चाहिए। क्योंकि ऐसा न होने पर संबंधित देश द्वारा खरीदे गए सैन्य सिस्टम के रखरखाव पर असर पड़ता है। वर्तमान में यूक्रेन युद्ध इस संबंध में देरी की मुख्य वजह बनकर उभरा है। यहां बता दें कि भारत रूस से सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल सिस्टम एस-400 की अतिरिक्त रेजिमेंट की खरीद करने का इच्छुक है। क्योंकि यह हथियार प्रणाली पाकिस्तान के खिलाफ किए गए ऑपरेशन सिंदूर अभियान के दौरान काफी कारगर साबित हुई है। रक्षा मंत्री सिंह और बेलौसोव की बातचीत में यह मुद्दा शामिल किया जा सकता है।

नहीं मानी अमेरिका की पाबंदियों की चेतावनी: भारत ने अमेरिका की पाबंदियों (काटसा कानून के तहत) की चेतावनी को दरकिनार करते हुए वर्ष 2018 में रूस के साथ एस-400 की पांच यूनिटों की खरीद के लिए 5 बिलियन डॉलर का एक समझौता किया था। इस मिसाइल सिस्टम की 3 यूनिट भारत को मिल चुकी हैं। जबकि दो और आनी बाकी हैं। उधर, क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बीते मंगलवार को कहा था कि भारत रूस से उन्नत एस-500 मिसाइल सिस्टम की खरीद कर सकता है। इसके अलावा रूस द्वारा भारत को सु-57 लड़ाकू विमान की सप्लाई करने की संभावनाओं का मुद्दों भी चर्चा में शामिल किया जा सकता है। भारत वर्तमान समय में पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की खरीद की प्रक्रिया में लगा हुआ है। जिसमें इस संबंध में दुनिया में डसॉल्ट एविएशन का राफेल, लॉकहीड मार्टिन का एफ-21, बोइंग का एफ/ए-18 और यूरोफाइटर टाइफून मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में सामने हैं।

आईआरएएस अपर्णा ....

में महानिदेशक शामिल हैं। वे शेवनिंग फेलो हैं और उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स, ब्रिटेन से परिवहन अर्थशास्त्र में एडवांस्ड मास्टर डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने बोकोनी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, मिलान; आईएनएसईएडी, सिंगापुर; और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद से एग्जीक्यूटिव प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है।

पेशेवरों की राह....

दुनिया के बाकी देशों को मनाए कि प्रतिभा का इस्तेमाल आपसी लाभ के लिए किया जाना चाहिए। कानूनी गतिशीलता अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद है। यह जानकारी डॉ.जयशंकर ने 3 दिसंबर को राजधानी में 'इंडियाज वर्ल्ड एनुअल कॉन्क्लेव-2025' में मोबिलिटी पर आयोजित एक संवाद सत्र में दी है। बताते चलें कि विदेश मंत्री का ये बयान एक ऐसे समय में भी सामने आया है। जब रूस के राष्ट्रपति 4 दिसंबर से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आने वाले हैं। हो सकता है कि इस दौरान नई दिल्ली-मॉस्को के बीच गतिशीलता को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं।

गतिशीलता के मुद्दे की करते अनदेखी: उन्होंने कहा कि अगर लोगों के लिए यात्रा करना मुश्किल होगा। तो भी काम नहीं रुकेगा। लोग नहीं जाएंगे तो काम की यात्रा होगी। विदेश मंत्री ने संवाद सत्र में वैध-कानूनी गतिशीलता के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला है। जिसमें उन्होंने बताया कि एक अंतरराष्ट्रीय दुनिया में जब हम अपनी बाहरी गतिविधियों पर बातचीत करते हैं। जिसमें खासकर आर्थिक मामलों में हमारा ध्यान व्यापार पर केंद्रित रहता है। लेकिन इसमें कुछ गलत भी नहीं है। लेकिन यहां इस बात पर भी ध्यान देना पड़ेगा कि हम गतिशीलता और उससे जुड़े काम की अनदेखी कर जाते हैं। पिछले साल 2024 में भारत को प्रवासियों से हुई आय (रेमीटेंस) 135 डॉलर थी। जो कि अमेरिका को किए जाने वाले हमारे निर्यात से दोगुना अधिक है।

अवैध गतिशीलता बड़ी चुनौती: उन्होंने अवैध गतिशीलता के खिलाफ आगाह भी किया और कहा कि अगर आप तस्करी की बात करें तो उससे जुड़े सभी संगठित अपराधों को भी देखना पड़ेगा। जिसमें लोग अपने एजेंडे के साथ अवैध गतिशीलता को लेकर एकजुट होते हैं। अवैध प्रवास आपराधिक और राजनीतिक एजेंडे को बढ़ावा देता है। सरकार विदेशों में रहने वाले अपने नागरिकों की समस्याओं का निदान करती है। बीते तीन साल में हमने खाड़ी देशों में भारतीयों की 1 लाख 38 हजार समस्याओं का समाधान मदद पोर्टल के जरिए किया है। इंडियन कम्युनिटी वेलफेयर फंड के फ्रेमवर्क के जरिए भी भारतीयों और भारतीय समुदाय के लोगों तक मदद पहुंचाई जाती है। समान समय अवधि में 2 लाख 38 हजार लोगों तक इसका लाभ पहुंचा है। वर्तमान में कई देशों के साथ गतिशीलता पर किए गए अंतर-सरकारी समझौते हमारी कूटनीति का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हमने 21 ऐसे समझौते किए हैं, कुछ में एफटीए में भी इसे लेकर प्रावधान किए गए हैं।

उन्नत मैन्युफैक्चरिंग....

को इस बात के लिए राजी करे कि सीमाओं से परे होने वाली प्रतिभाओं की आवाजाही हम सभी के साझा हितों से जुड़ी हुई है। उद्यमियों और तकनीक के क्षेत्र के लोगों से गतिशीलता का मुख्य रूप से सरोकार है। कुछ लोग हैं, जिनमें से कुछ का राजनीतिक आधार और अपने संसदीय क्षेत्र को दिखाने का मसला हो। तब वो इसका विरोध कर सकते हैं। जिसके पीछे उनका कोई न कोई निहित स्वार्थ रहेगा।

चीन से मैन्युफैक्चरिंग....

लिए होती है। बाद में इसे तीन साल के लिए और बढ़ाया जा सकता है। अमेरिका के सिटीजनशिप एंड इमीग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) का कहना है कि बीते वर्षों में भारतीयों के पास उक्त वीजा के लिए स्वीकृति आवेदनों का आंकड़ा 71 फीसदी पर रहा है। उन्होंने कहा, अगर विकसित देशों में रोजगार में कोई दिक्कत आती है तो दबाव कम रहता है। क्योंकि लोग इन तमाम क्षेत्रों में काम करने के लिए आते हैं। ये और अधिक इसलिए है। क्योंकि वे चाहते हैं मैन्युफैक्चरिंग बाहर हो और आप जानते हैं कि कहां ऐसा हो।

पूज्य पिताजी...

से श्रद्धांजलि देने पहुंचने वाले लोगों में आरएसएस के सह क्षेत्र प्रचारक मध्य क्षेत्र प्रेमशंकर, यशवंत इंदापुरकर क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य, पूर्व सांसद और बजरंग दल के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। इसके अलावा ग्वालियर भाजपा के शहर जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया सहित अन्य भाजपा के कार्यकर्ता और भक्तगण भी मौजूद थे। गौरतलब है कि डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिताजी स्वर्गीय कीर्ति नारायण द्विवेदी का गत 25 नवंबर को निधन हो गया था। उसके बाद से हर रोज ग्वालियर स्थित निवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने आने वाले लोगों का तांता लगा हुआ है।

50 आईएएस अफसरों का प्रमोशन

नीतीश सरकार ने 17 डीएम को दी प्रोन्नति

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार की नीतीश सरकार ने बुधवार को 50 आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) अधिकारियों को प्रमोशन दिया है। इनमें 1996 बैच के दो आईएएस को शीर्ष वेतनमान, तीन आईएएसको उच्च प्रशासनिक ग्रेड के तहत प्रधान सचिव स्तर, 28 अफसरों को विशेष सचिव और 17 को अपर सचिव ग्रेड में प्रोन्नति दी गई है। इनमें 17 जिलों के डीएम भी शामिल हैं।

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात 1996 बैच के भारतीय विमानपतन प्राधिकरण के अध्यक्ष विपिन कुमार और सीबीएसई के अध्यक्ष राहुल सिंह को शीर्ष वेतनमान में प्रोफार्मा प्रोन्नति दी गई है। प्रधानमंत्री कार्यालय में तैनात 2001 बैच के श्रीधर चेरिबोलू को उच्च प्रशासनिक ग्रेड के तहत प्रधान सचिव स्तर में प्रोन्नति मिली है।

2001 बैच के कोसी प्रमंडल के आयुक्त राजेश कुमार और बिहार शिक्षा परियोजना के निदेशक मयंक वरवड़े को उच्च प्रशासनिक ग्रेड में प्रमोशन मिला है। 2013 बैच बिहार कैडर के 27 आईएएस अधिकारियों को विशेष सचिव स्तर में प्रोन्नति मिली है। इनमें 9 जिलों के डीएम भी शामिल हैं।

राज्यपाल के अभिभाषण में अटका माइक

नीतीश सरकार के अफसर बिहार विधानसभा में तलब

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार विधानसभा में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के अभिभाषण के दौरान माइक के अटकने पर स्पीकर प्रेम कुमार ने सख्त रवैया अपनाया है। विधानसभा अध्यक्ष ने नीतीश सरकार के अफसरों को तलब करते हुए 24 घंटे के भीतर भवन निर्माण विभाग से इसकी जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। उन्होंने एक दिन में इसकी रिपोर्ट मांगी है। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार ने इस घटना पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने बुधवार को कहा कि इस मामले में जो भी दोषी होंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस संबंध में गुरुवार को भवन निर्माण विभाग के वरीय अधिकारियों को भी तलब किया है।

इसके पहले स्पीकर ने इस मामले में सख्त रूख अपनाते हुए विधानसभा की प्रभारी सचिव और अन्य संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में ही उन्होंने प्रभारी सचिव को इस व्यवधान के लिए दोषी की पहचान कर उनपर सख्त से सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। प्रेम कुमार ने कहा कि विधानसभा से जुड़ी किसी भी व्यवस्था में कोई कोताही किसी भी सूरत में नहीं बरती जाएगी। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रांची में अतिक्रमण पर सख्त हुआ हाई कोर्ट

72 घंटे में खुद हटा लें, वरना प्रशासन लेगा ऐक्शन

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने रिम्स (राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस) परिसर में अतिक्रमण को लेकर कड़ा रुख अपना लिया है और अतिक्रमणकारियों को 72 घंटे के अंदर अपना अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटम दिया है। कोर्ट ने विस्तृत सुनवाई के दौरान कहा कि अगर अतिक्रमणकारियों ने स्वयं अपने कब्जे हटाए नहीं, तो राज्य प्रशासन पुलिस बल के साथ मिलकर अतिक्रमण हटाएगा। यह आदेश मरीजों के बेहतर इलाज और रिम्स में बुनियादी सुविधाओं की सुधार के उद्देश्य से जनहित याचिका पर स्वतः संज्ञान लेकर जारी किया गया है।

कोर्ट ने रिपोर्ट की प्रति याचिकाकर्ता पक्ष को प्रदान करने के दिए निर्देश

सुनवाई के दौरान झारखंड लीगल सर्विस अथॉरिटी (झालसा) के सदस्य सचिव ने रिम्स की मौजूदा स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश की। इस रिपोर्ट में दवाइयों की उपलब्धता, पैथोलॉजी, ट्रामा सेंटर, पेयजल व्यवस्था और रखरखाव जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां शामिल थीं। कोर्ट ने इस रिपोर्ट की प्रति याचिकाकर्ता पक्ष को प्रदान करने के निर्देश भी दिए।

अतिक्रमण हटाने में पर्याप्त पुलिस बल का इस्तेमाल करने के निर्देश

कोर्ट ने रांची के पुलिस अधीक्षक को भी आदेश दिया है कि वे इस कार्रवाई में पूरा सहयोग करें और 72 घंटे के भीतर अतिक्रमण हटाने में पर्याप्त पुलिस बल का इस्तेमाल करें। कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर को निर्धारित की है।

डॉक्टर्स सजेशन
डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

खाते-पीते समय जब महसूस हो गले में दर्द

मेरी उम्र 32 वर्ष है पिछले कुछ दिनों से कुछ भी खाते-पीते समय मेरे गले में दर्द होता है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हो रहा है और मेरी यह प्रॉब्लम कैसे ठीक होगी?

-राजन, रायपुर

इस समय गले में दर्द जैसी समस्या का एक बड़ा कारण मौसम चेंज होना है। इसके साथ ही कई शहरों में प्रदूषण भी इसकी बड़ी वजह बन गई है। इसके लिए सबसे पहले आप सुबह और शाम को गर्म पानी में नमक डालकर गरारा करें। इसके साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि फ्रिज में रखी कोई भी ठंडी चीज बिल्कुल ना खाएं। वहीं प्रदूषण से बचने के लिए जब आप घर के बाहर निकलें तो मास्क लगाकर निकलें। इस तरह थोड़ा चेंज करने से आपको लाभ मिलेगा।

मेरी उम्र 27 वर्ष है। कुछ दिन पहले मेरे नाक से अचानक खून रिसने लगा था। पिछले एक महीने में ऐसा दो बार हो चुका है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हुआ, यह कोई चिंता की बात तो नहीं?

-अंकुर, बिलासपुर

इस तरह की परेशानी आमतौर पर गर्मियों में लोगों को देखी जाती है लेकिन इस मौसम में भी ऐसा हो रहा है तो एक बार डॉक्टर से संपर्क करना पड़ेगा। कई बार इसकी वजह ब्लड प्रेशर का अधिक होना भी पाया गया है। आप एक बार ईएनटी विशेषज्ञ से संपर्क करें। वह जांच कर इसका सही कारण पता लगाएंगे और ट्रीटमेंट करेंगे।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। पिछले कुछ हफ्तों से मुझे खांसी आ रही है। ज्यादा खांसी की वजह से कभी-कभी सांस लेने में भी दिक्कत होती है। प्लीज इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-रवि, दुर्ग

लंबे समय से खांसी कई बार चेस्ट में इंफेक्शन की वजह से भी हो जाती है। लेकिन यह बगैर डॉक्टर के चेक करवाए नहीं बताया जा सकता है। आप आस-पास किसी डॉक्टर से एक बार चेस्ट की जांच करा लें। अगर इंफेक्शन होगा तो उसकी दवा चलेगी। इसके बाद भी अगर आराम ना मिले तो एक बार टीबी की जांच भी करानी चाहिए। लोगों में कई बार यह भी खांसी की वजह होती है। फिलहाल आप गुनगुना पानी पिएं और सुबह शाम नमक वाले पानी से गरारा जरूर करें।

मेरी उम्र 39 वर्ष है। मेरे पैर अकसर ही सुन्न हो जाते हैं। इसमें कोई संसेशन नहीं होता। कई बार इस वजह से चलने-फिरने में लड़खड़ाहट होती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है?

-सुमित, भोपाल

हालांकि आपकी उम्र अभी कम है, लेकिन फिर भी आप एक बार न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क करें। क्योंकि आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको न्यूरो से संबंधित कुछ प्रॉब्लम हो सकती है। हालांकि कई बार नर्वस सिस्टम भी इसकी वजह बनता है लेकिन बगैर जांच किए कोई भी ट्रीटमेंट शुरू नहीं किया सकता है।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। पिछले कुछ समय से मैं नींद की गोलियां ले रहा हूं। इससे रात को नींद तो अच्छी आती है, लेकिन पूरे दिन सुस्ती बनी रहती है। कृपया बताएं कि ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-मधुसूदन, महेंद्रगढ़

नींद की गोलियां कहीं ना कहीं साइड इफेक्ट जरूर करती हैं, इसलिए कोशिश करें कि नींद की गोलियां न खाई जाएं तो बेहतर है। आपको योग और मेडिटेशन करना चाहिए। रात में सोने से पहले हल्का गर्म दूध पीना चाहिए और पैर धोकर बेड पर जाना चाहिए। इस तरह कुछ बदलाव कर देखें। आपको आराम मिल सकता है। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. अतीक वासदेव
वाइस चेयरमैन-ऑर्थोपेडिक्स
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

सर्दियों में अन्य ऋतुओं की तुलना में जोड़ों की समस्याएं कहीं ज्यादा बढ़ जाती हैं। आमतौर पर जोड़ों में दर्द का प्रमुख कारण अर्थराइट्सि (गठिया) होता है। जोड़ों में सूजन और दर्द को अर्थराइटिस कहते हैं। इस दर्द के बढ़ने की क्या वजहें हैं, इनसे कैसे बचाव हो सकता है और इनसे राहत के लिए क्या करना चाहिए, विस्तार से यहां बता रहे हैं।

सर्दियों में ज्वॉइंट्स प्रॉब्लम बरतें सावधानी-मिलेगी राहत

बढ़ती उम्र के लोगों में जोड़ों के दर्द की समस्या जाड़े में बढ़ जाती है। जो लोग पहले से ही अर्थराइटिस या जोड़ों से संबंधित समस्याओं से ग्रस्त हैं, उनमें सर्दी के मौसम में जोड़ों से संबंधित समस्याएं इसलिए बढ़ जाती हैं क्योंकि तापमान के कम होते जाने से जोड़ों के अंदर मौजूद साइनोवियल फ्लूड गाढ़ा होने लगता है। इस कारण जोड़ों में जकड़न महसूस होती है, जिसके परिणामस्वरूप चलने-फिरने में दिक्कत महसूस होती है, खासकर सुबह के वक्त।

सर्दियों में तापमान के कम होने के कारण जोड़ों की धमनियां (आर्टरीज) सिकुड़ जाती हैं। धमनियों के सिकुड़ने से जोड़ों में रक्त संचार की प्रक्रिया समुचित रूप से संचालित नहीं होती। इसके परिणामस्वरूप जोड़ों में जकड़न या अकड़न और दर्द होने लगता है। ठंडे तापमान में मांसपेशियों में ऐंठन अधिक होती है, जिससे जोड़ों में सूजन, दर्द और अकड़न बढ़ जाती है।

इनको होता है ज्यादा रिस्कः जो लोग पहले से ही अर्थराइटिस के किसी प्रकार से ग्रस्त हैं, उनकी समस्याएं कहीं ज्यादा बढ़ जाती हैं। वैसे तो अर्थराइटिस के बहुत प्रकार हैं, लेकिन जो लोग ऑस्टियोअर्थराइटिस (ओए), रूमेटॉइड अर्थराइटिस (आरए), गाउटी अर्थराइटिस, ट्रामेटिक अर्थराइटिस और स्पाइनल अर्थराइटिस से पीड़ित हैं, उनकी समस्याएं आमतौर पर सर्दियों के दौरान बढ़ सकती हैं। इसी तरह जो किशोर और बच्चे क्रमशः जुवेनाइल अर्थराइटिस और रूमेटिक अर्थराइटिस से ग्रस्त रह चुके हैं, उनकी परेशानी भी सर्दियों के मौसम में बढ़ सकती हैं।

वहीं जो लोग अतीत में किसी दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं, जिसके कारण उनकी हड्डियां और लिगामेंट आदि क्षतिग्रस्त हो चुके थे। ऐसे लोगों को ठीक हो जाने के बाद भी जाड़े के मौसम में जोड़ों में दर्द की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

ऑस्टियो अर्थराइटिस पेशेंट सावधानी बरतेंः ऑस्टियो अर्थराइटिस (गठिया) का दुष्प्रभाव आमतौर पर प्रमुख जोड़ घुटनों पर पड़ता है। घुटने पर ही शरीर के भार का दबाव सर्वाधिक पड़ता है। देश में सबसे ज्यादा लोग नी ऑस्टियो अर्थराइटिस (घुटने की गठिया) से ग्रस्त हैं। जोड़ों के मध्य स्थित कार्टिलेज (जो जोड़ों के मध्य कुशन का काम करती है) बढ़ती उम्र खासकर 50 वर्ष के बाद गलत जीवनशैली के कारण घिसने लगती हैं। इस कारण जोड़ आपस में रगड़ते हैं और कालांतर में धीरे-धीरे क्षीण होते रहते हैं। एक ऐसी स्थिति आती है, जब पीड़ित व्यक्ति को चलने-फिरने और सीढ़ियां चढ़ने-उतरने में दिक्कत महसूस होती है। लोग अपने सामान्य दिनचर्या के कार्यों को नहीं कर पाते।

ऐसे करें रोकथामः ऑस्टियोअर्थराइटिस से पीड़ित व्यक्ति सर्दी की शुरुआत में ही अस्थि रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें और उनके परामर्श के अनुसार ही दवाएं, फिजियोथेरेपी और अन्य व्यायाम करें। खान-पान में कैल्शियम युक्त आहार को वरीयता दें। अगर मरीज को असहनीय दर्द हो रहा है, तो विशेषज्ञ डॉक्टर, पीड़ित व्यक्ति को अस्थाई राहत देने के लिए इंट्रा आर्टिकुलर इंजेक्शन रिफर कर सकते हैं।

रूमेटाइड अर्थराइटिस पेशेंट रहें सजगः यह अर्थराइटिस का एक विशेष प्रकार है, जिसके कारणों पर मेडिकल शोध अभी तक जारी हैं। रूमेटाइड (आरए) का उम्र बढ़ने या कार्टिलेज के क्षीण होने या फिर खान-पान से कोई लेना-देना नहीं है। इसमें शरीर का इम्यून सिस्टम अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ाई छेड़ देता है और इस लड़ाई का पहला हमला जोड़ की झिल्ली (सायनोवियम) पर पड़ता है।

मिल सकती है राहतः समय रहते रूमेटाइड अर्थराइटिस का समुचित इलाज न होने पर आगे चलकर प्रभावित हड्डी क्षीण होने लगते हैं, लेकिन फिजियोथेरेपी, योग और व्यायाम करने से पीड़ित व्यक्ति को अस्थाई राहत मिलती है। रूमेटाइड अर्थराइटिस का कोई स्थाई इलाज है। इसके साथ ही शरीर के इम्यून सिस्टम में आई गड़बड़ी को दूर करने या नियंत्रित करने के लिए जो दवाएं दी जाती हैं, उन्हें इम्यूनोमॉड्यूलेटर्स कहते हैं। रूमेटाइड अर्थराइटिस शरीर के अन्य जोड़ों को भी प्रभावित करता है, लेकिन इसकी शुरुआत हाथों की उंगलियों में सूजन से होती है, सूजन के साथ मरीज को तेज दर्द होता है। इसलिए सर्दियों में रूमेटाइड अर्थराइटिस वाले डॉक्टर से परामर्श लेते रहें।

डॉक्टर के परामर्श से ही दवाएं लें। जोड़ों का दर्द कम करने के लिए इंट्रा आर्टिकुलर इंजेक्शन के अलावा कभी-कभी डॉक्टर स्टेरॉयड के इंजेक्शन भी पीड़ित मरीज को रिफर कर सकते हैं। ऐसे इंजेक्शंस के अपने लाभ भी हैं और इनके साइड और आफ्टर इफेक्ट भी। इसलिए स्टेरॉइड दवाओं को योग्य चिकित्सक की देख-रेख में ही लेना चाहिए, क्योंकि ऐसी दवाओं को लंबे समय तक लेने से फायदा कम नुकसान ज्यादा हो सकता है।

कंधों का पोस्चर सही रखेंः कंधे भी आपके शरीर के प्रमुख जोड़ हैं। सर्दियों में इनमें भी दर्द और जकड़न की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इस संदर्भ में इन बातों पर ध्यान दें।

- चलते समय कंधों को झुकाकर न चलें और न ही इन्हें उठाकर चलें।
- कंधे से संबंधित व्यायाम करें।
- झटके से वेट न उठाएं।
- बिना वार्म अप के किसी भी खेल की प्रैक्टिस न करें।
- उपरोक्त बातों पर ध्यान देने पर आप कंधों में दर्द की समस्या से बचे रहेंगे।

ज्वाइंट्स पेन से ऐसे मिलेगी राहतः विशेषज्ञ से परामर्श, जोड़ों में दर्द, सूजन, अकड़न और मांसपेशियों में कमजोरी जैसे लक्षणों के मद्देनजर अस्थि रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें। ऑस्टियोअर्थराइटिस के जिन मरीजों को दवाओं, खान-पान और व्यायाम आदि से राहत नहीं मिल पा रही है, तो ऐसे व्यक्तियों को ऑर्थोपेडिक स्पेशलिस्ट परामर्श दे सकते हैं।

वजन संतुलित रखेंः सर्दियों में आमतौर पर लोगों को ज्यादा भूख महसूस होती है और लोग अपना पसंदीदा खाना कुछ ज्यादा खाते हैं। जाड़े के कारण उनकी आउटडोर शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में वजन सर्दियों में बढ़ जाता है। अधिक वजन घुटनों और कूल्हों जैसे जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव डालता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों में दर्द की समस्या का जोखिम बढ़ जाता है। इसलिए सही वजन बनाए रखने के लिए अपने आहार पर विशेष ध्यान दें और जोड़ों के अनुकूल व्यायाम करें।

हाइड्रेट रहेंः जो लोग ज्यादा शारीरिक श्रम नहीं करते हैं और किडनी रोग से ग्रस्त नहीं हैं, उन्हें कम से कम प्रतिदिन दो-तीन लीटर पानी पीना चाहिए। पर्याप्त पानी पीने से आमतौर पर जोड़ों में दर्द की समस्या कम होती है। कुनकुने पानी से नहाने से भी आपको जोड़ों के दर्द में राहत मिल सकती है।

विटामिन-डी सप्लीमेंटः शरीर में विटामिन-डी की कमी से जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ सकती है। ऑस्टियोपोरोसिस (हल्का-सा आघात लगने पर हड्डियों का टूटना) का खतरा भी बढ़ जाता है। विटामिन-डी सप्लीमेंट लेने के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

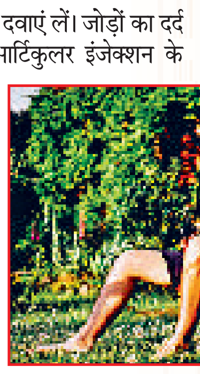

ओमेगा-3 फैटी एसिड का सेवनः ओमेगा-3 फैटी एसिड्स सर्दियों के दिनों में होने वाली जोड़ों की सूजन, अकड़न और दर्द को कम करने में लाभप्रद हैं। अपने आहार में एवोकाडो, अलसी, अखरोट या फिश को शामिल करें।

सुबह की धूपः विटमिन-डी का एक अच्छा प्राकृतिक स्रोत है धूप। यह हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। धूप में बैठने से जोड़ों के दर्द और सूजन में राहत मिलती है।

कंप्यूटर पर कार्य करने वाले ध्यान देंः लगातार कई घंटों तक एक ही कुर्सी और कंप्यूटर के आगे बैठे-बैठे आपके जोड़ अकड़ जाते हैं, इसलिए ऑफिस में लगभग डेढ़ घंटे में सीट छोड़कर पांच मिनट के लिए घूमे-फिरें, शरीर को स्ट्रेच करें।

राहत दे सकते हैं ये तरीकेः प्रभावित जोड़ों पर गर्म और ठंडे पानी की पट्टियों के इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है। गर्म पानी की बोतल का इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं एक कपड़े में लपेटकर बर्फ के टुकड़ों (आइस क्यूब्स) को दर्द से प्रभावित स्थान पर इस्तेमाल कर सकते हैं। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

हर्बल जोन / रेखा देशराज

मौसमी रोगों से बचाए अदरक-तुलसी

अदरक और तुलसी यूं तो हर मौसम में शरीर के लिए अलग-अलग वजहों से फायदेमंद हैं। लेकिन सर्दियों की समस्याओं के लिए ये बहुत ही कारगर साबित होते हैं। सर्दियों की सबसे आम और परेशान करने वाली समस्याओं से छुटकारा दिलाने में इनका कोई सानी नहीं है। सर्दी के मौसम में शरीर की आंतरिक गर्मी घट जाती है। खून का प्रवाह धीमा पड़ जाता है और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ जाती है। इसलिए आयुर्वेद में सर्दियों का मुकाबला करने के लिए इनको सर्वोत्तम माना गया है। ये शरीर को बाहर से आने वाली ठंड और भीतर से पैदा होने वाली अशक्तता से हमें बचाते हैं।

नेचुरल हीटर अदरकः जब ठंडी हवा से शरीर का तापमान गिरने लगता है, तब अदरक का इस्तेमाल करने से तापमान गिरने से रुक जाता है। सर्दियों में अदरक के इस्तेमाल से, नाक जाम होने से, गला खराब होने से और बलगम बनने से रोकता है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने से हाथ-पैर गर्म रहते हैं। यही नहीं अदरक इस मौसम में हमारे पाचन को भी सुधारता है और शरीर में एहसास होने वाले भारीपन को खत्म करता है। सवाल है, इसे कैसे ले सकते हैं? सुबह के समय अदरक वाली काली चाय या काढ़ा विशेष रूप से कारगर है। अगर यह नहीं लेते तो शहद के साथ अदरक का एक छोटा टुकड़ा मुंह में चूसने से भी शरीर को भरपूर गर्मी मिलती है। अदरक इस मौसम में हमारे रक्त संचार को तेज करता है और शरीर को गर्म रखता है। अदरक पाचन के लिए इस मौसम की सबसे कारगर दवा है।

रोगरोधी पौधा-तुलसीः आयुर्वेद में तुलसी को सर्दी के मौसम का सबसे शक्तिशाली रोगरोधी कवच माना जाता है। यह एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है। इसलिए इस मौसम में होने वाली खांसी और गले की सूजन को रोकती है। सांस की नली साफ रखती है और ठंड में फैलने वाले वायरस की रोकथाम करती है। इस तरह देखा जाए तो तुलसी सर्दियों में नाक, कान, गला तीनों की सुरक्षा करती है। जहां तक सवाल है कि इसे कैसे लें, तो इसका सबसे अच्छा तरीका तुलसी की सात से दस पत्तियां सुबह-सुबह चाय या काढ़े के साथ लें या चार पत्तियां उबालकर भाप भी ली जा सकती है। अदरक और तुलसी मिलकर सर्दी, जुकाम के वायरस को बढ़ने नहीं देते हैं। दोनों का एक साथ सेवन बहुत कारगर है। तुलसी गले को नेचुरल एंटीसेप्टिक की तरह साफ करती है और अदरक गर्माहट देकर गले की सूजन और दर्द कम करती है। इसलिए सर्दियों में ठंडी हवाओं के असर से वो लोग बचे रहते हैं, जो इस मौसम में इन दोनों का इस्तेमाल करते हैं। *

डाइट सजेशन
डॉ. माजिद अलीम

जरूरी नहीं कि हर हेल्दी फूड आपको फायदा ही पहुंचाए। अगर उसे आप सही तरीके से नहीं लेते तो फायदेमंद खाद्य पदार्थ भी कोई लाभ नहीं पहुंचाएगा या हो सकता है आपको नुकसान पहुचा दे। इसलिए यह जानना जरूरी है कि किसी फूड आइटम को कैसे ग्रहण करना चाहिए?

हेल्दी फूड्स लेने का तरीका भी हो सही

हमारे खान-पान में बहुत सारी ऐसी चीजें होती हैं, जिनके फायदेमंद होने में कोई शक नहीं होता, लेकिन अगर उन्हें सही तरीके से न लिया जाए तो उनके फायदों से ज्यादा नुकसान भी हो सकते हैं। आइए कुछ ऐसी ही बातें जानते हैं।

इन बातों को रखें ध्यानः ड्राय फ्रूट्स खाना बढ़िया होता है, इससे खूब फाइबर मिलता है। पर क्या आप जानते हैं, फल जो सुखा दिए जाते हैं, उनके भीतर अपने ताजे स्वरूप से तीन गुना से भी ज्यादा कैलोरी होती है। शुगर की मात्रा भी बढ़ जाती है।

मूंगफली छीलकर खाना लाभकारी है पर डिब्बा या पैकेट में नमक लगाकर तली मूंगफली खाना नुकसानदेह है। केले में फाइबर, पोटैशियम, विटामिन-सी और थोड़ा-सा फैट तथा थोड़ी कैलोरी मिलती है, पर इसके मुकाबले में इसके चिप्स में तीन गुना कैलोरी और 20 प्रतिशत अधिक फैट होता है। इसलिए सोच-समझकर सेवन करें।

फलों का जूसः फ्रूट जूस पीना बढ़िया है पर यह तब नुकसानदायक हो जाता है, जब यह ताजा न हो। इसमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। बहुत से लोग फल खाने से ज्यादा जूस पीने को तरजीह देते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि जूस के जरिए एक साथ आप खूब सारी शुगर ले रहे होते हैं और फल से मिलने वाले लाभदायक फाइबर से भी वंचित रह जाते हैं। ताजा जूस पी सकते हैं लेकिन फल खाने को तरजीह देनी चाहिए। हालांकि इसमें भी सावधानी की दरकार है। जो भी फल खाएं, खूब अच्छी तरह धोकर ही खाएं।

अंडेः हेल्थ बनाने के लिए ही नहीं मोटापा कम करने के लिए भी अंडे बहुत बढ़िया हैं, पर तभी जब ये देसी वाले हों। कहने का मतलब ऑर्गेनिक हों यानी बिना कृत्रिम खाद्य पदार्थों, शाकाहारी शुद्ध दानों पर पले मुर्गे-मुर्गियों के अंडे हों। जब ऑमलेट खाएं तो साथ में उबली सब्जियां भी लें, यह और फायदेमंद रहेगा।

मल्टीग्रेन ब्रेडः ब्राउन ब्रेड के अलावा आजकल बाजार में मल्टीग्रेन और होल ग्रेन ब्रेड की डिमांड है। बताया जाता है कि मल्टीग्रेन में कई तरह के अनाजों का आटा मिला हुआ होता है और यह होल ग्रेन यानी समूचे गेहूं के आटे से बना ब्रेड फाइबर से भरा तथा सेहत के लिए लाभकारी होता है।

जबकि अधिकतर अनाज का रिफाइंड आटा ही इसमें होता है। इसके खाने से शुगर बढ़ सकती है। इस तरह यह मोटापे और डायबिटीज का रिस्क बढ़ा सकती है।

सोयाबीनः सोयाबीन प्रोटीन का खजाना है लेकिन कुछ पोषक तत्वों के अवशोषण में रुकावट भी पैदा करता है। सोयाबीन में फायटिक एसिड पाया जाता है, जो कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, लौह तत्वों को शरीर में सोखने से रोकता है। इसमें टिंप्सिन भी मिलता है, जो प्रोटीन के पाचन में दिक्कत करता है और अग्नाशय के कार्य में रुकावट डालता है। इससे बना टोफू हो या बड़ियां सीमित मात्रा में खाइए। आजकल फ्लेवर्ड सोया मिल्क पीने का फैशन है। हालांकि यह बुरा नहीं है पर जैसे ही वनीला या चॉकलेट फ्लेवर इसमें मिलाया जाता है, इसके हर कप में 50-60 कैलोरी और 5 ग्राम शुगर बढ़ जाती है। इसलिए इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करें। *

अवेयरनेस
रेखा

एपिलेप्सी या मिर्गी मस्तिष्क संबंधी रोग है। यह घातक तो नहीं होता लेकिन इस वजह से रोगी को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके कारण, इससे बचाव करने, इसे कंट्रोल करने के तरीकों के बारे में सभी को जागरूक होना चाहिए।

एपिलेप्सी नियंत्रण के साथ जागरूकता की है जरूरत

अनुमान के मुताबिक भारत में एक करोड़ से एक करोड़ 20 लाख के आस-पास मिर्गी (एपिलेप्सी) रोगी हैं, जबकि दुनिया में कुल मिर्गी रोगियों की संख्या करीब 5 करोड़ है। इस तरह देखा जाए तो दुनिया का हर पांचवां मिर्गी रोगी भारत में है। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन और लैंसेट न्यूरोलॉजी रिपोर्ट के मुताबिक भारत मिर्गी रोगियों का सबसे बड़ा देश है। दुनिया के करीब एक करोड़ 20 लाख से एक करोड़ 50 लाख के आस-पास मिर्गी रोगी अफ्रीका महाद्वीप में रहते हैं। मिर्गी रोगियों का एक बड़ा हब संयुक्त राज्य अमेरिका भी है, जहां 30 से 40 लाख मिर्गी रोगी रहते हैं। भारत में दुनिया के सर्वाधिक मिर्गी रोगी होने की बड़ी वजह यही है कि भारत दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश है, इसलिए यहां मिर्गी रोगी भी सबसे ज्यादा हैं। दूसरी बड़ी बात यह है कि भारत के ग्रामीण इलाकों और विशेषकर गरीब आबादी के पास इसके इलाज की पहुंच नहीं है।

रोग के कारणः मिर्गी अपने आपमें कोई बीमारी नहीं है बल्कि यह मस्तिष्क की विद्युत गतिविधियों में असंतुलन की स्थिति है और ऐसा कई वजहों से होता है। जन्म के समय या बचपन में मस्तिष्क को गंभीर चोट लग जाना, जिससे कुछ देर के लिए दिमाग के कुछ हिस्से में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। सिर की चोट, मस्तिष्क में ट्यूमर, लकवा यानी स्ट्रोक तथा आनुवांशिक कारण भी भारत में सर्वाधिक मिर्गी रोगियों के लिए अनुकूल स्थितियां बनाते हैं। ज्यादा शराब पीने वाले या बहुत कम नींद लेने वाले लोगों को भी यह समस्या हो जाती है। इसके अलावा 10 फीसदी लोगों के संबंध में मेडिकल साइंस कभी यह नहीं जान पाती कि उन्हें मिर्गी रोग होने का क्या कारण है? इसलिए तमाम लोगों को अस्पष्ट कारणों से भी मिर्गी होती है।

रिस्क को कर सकते हैं कमः विशेषज्ञों की मानें तो मिर्गी को तो पूरी तरह से रोका नहीं जा सकता, लेकिन सजग रहकर इसके जोखिम को कम किया जा सकता है। मिर्गी रोग से बचने के जो सजग उपाय हो सकते हैं, वो इस प्रकार हैं।

जन्म के समय सुरक्षित प्रसव जरूरी है ताकि बच्चे के स्वास्थ्य की देखभाल सही तरीके से हो सके और प्रसव के दौरान उसके मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी की स्थितियां न पैदा हों। सिर की चोट से बचाव करना बहुत जरूरी है। इसके अलावा मैनिनजाइटिस और जापानी इंसेफेलाइटिस के टीके लगवाना भी जरूरी होता है। पर्याप्त नींद लें, नशे से दूर रहें, तनाव से बचें, ये कुछ ऐसे उपाय हो सकते हैं, जिनसे मिर्गी की चपेट में आने से बचा जा सकता है।

ऐसे कर सकते हैं कंट्रोलः अगर आप मिर्गी से ग्रस्त हो गए तो भी कुछ उपायों को अपनाकर इसे कंट्रोल कर सकते हैं। सबसे जरूरी है कि न्यूरोलॉजिस्ट से नियमित दवा लें, दवा अचानक लेना बंद न करें, इससे दौरे बढ़ सकते हैं। संतुलित जीवनशैली अपनाएं, ध्यान, योग और परिवार का सहयोग जैसे उपाय भी मिर्गी के इलाज और स्थिति पर नियंत्रण रखने की दृष्टि से मददगार हैं। मिर्गी के कुछ गंभीर मामलों में सर्जरी या वेगस नर्व स्टिमुलेशन (वीएनएस) जैसी तकनीकें भी कारगर होती हैं।

जागरूकता की है जरूरतः वास्तव में मिर्गी मस्तिष्क संबंधी बीमारियों से एक है और चूंकि भारत में मस्तिष्क स्वास्थ्य अभी गरीब और निम्न वर्ग तथा मध्यवर्ग के लोगों के बीच इससे बचाव की सुविधाएं और समझ सीमित है। ग्रामीण इलाकों में लोग इसे भूत-प्रेत या टोना टोटका से जोड़ देते हैं। इससे इलाज में देर होती है और रोगी की दशा बिगड़ती जाती है। इस बीमारी के कारण कई लोगों को रोजगार, विवाह या शिक्षा के अवसरों से वंचित होना पड़ता है। इसलिए अवेयरनेस फैलाने की भी जरूरत है। *

41 साल पुराने जख्म आज भी हैं हरे...वो दिन याद करते ही सहम जाता है दिल

बीएमएचआरसी में दिवंगत गैस पीड़ितों को मोमबत्ती जलाकर दी श्रद्धांजलि

आज आशा स्मारक पर भी अर्पित की जाएगी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में मंगलवार को भोपाल गैस त्रासदी के दिवंगतों को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। बीएमएचआरसी के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुराग यादव समेत अस्पताल के कर्मचारियों ने नम आंखों से गैस त्रासदी के दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी। बुधवार तीन दिसंबर को सुबह संस्थान के श्रद्धांजलि एवं आशा स्मारक पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

पूर्व संध्या पर भी फूटा पीड़ितों का गुस्सा

गैस रिसाव की 41वीं बरसी पर निकाला कैंडल मार्च

भोपाल। गैसकांड की 41वीं बरसी पर मंगलवार को यूनियन कार्बाइड सड़क पर कैंडल मार्च निकाला और मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। दिसंबर 1984 के हादसे की वजह से भोपाल में मौतें हो रही हैं। जो लोग बचपन में इसके संपर्क में आए थे, वे फेफड़ों, किडनी और दूसरे अंगों की पुरानी बीमारियों और कैंसर से लंबे समय तक पीड़ित रहने के बाद 50 साल से कम उम्र में मर रहे हैं। बरसी पर पूर्व संध्या पर पीड़ितों ने छोला से गैस स्टेच्यू तक कैंडल मार्च निकालकर मृतकों को याद किया।

गैस स्टेच्यू पर कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई।

निकाला मशाल जुलूस

गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन शाम 6 बजे शाहजहांनी पार्क से मशाल-कैंडिल जुलूस निकाला गया, जिसमें पीड़ितों ने हाथों में मशाल लेकर डाउ कंपनी के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। पीड़ितों ने बताया कि फैक्ट्री के जहरीले कचरे की वजह से आसपास के 5 किलोमीटर के दायरे में पीने का पानी दूषित है। इस वजह से हजारों लोग गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। सरकार इन पीड़ितों की सेहत पर गंभीरता से ध्यान दें। इसके अलावा पीड़ितों को पांच गुना मुआवजा दिया जाए। जिससे, वह बेहतर तरीके से जीवनयापन कर सकें।

हाथों में तखितयां लिए महिलाएं।

संभावना ट्रस्ट में जड़ी-बूटियों से हो रहा गैस पीड़ितों की लाइलाज बीमारियों का इलाज

संभावना ट्रस्ट का कार्यालय।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में यूनियन कार्बाइड की जहरीली गैस के प्रभाव से पीड़ति लोगों को संभावना ट्रस्ट क्लीनिक में आधुनिक मेडिसिन सहित जड़ी-बूटियों से इलाज मुहैया कराया जा रहा है। जिसके तहत अब तक करीब तीस हजार से अधिक मरीजों को इलाज मिला है। यहां पर पीड़तिों के बच्चों को भी इलाज दिया जा रहा है। यहां की खासियत यह है कि परिसर में ही आर्गेनिक खाद से जड़ी-बूटियां उगाकर उन्हें प्रोसेस के तहत दवाईयां तैयार की जाती हैं। यहां पर गैस पीड़ितों की कई लाइलाज बीमारियों का सफलतापूर्वक इलाज किया गया है।

यूनियन कार्बाइड के पास बाफना कॉलोनी में 29 साल पहले गैस पीड़ितों के इलाज के लिए संभावना ट्रस्ट क्लीनिक ने इलाज का सिलसिला शुरु किया था। जिसके तहत यहां पर एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और योग से इलाज किया जाता है। यहां आने वाले मरीजों का रजिस्ट्रेशन करने के बाद उनकी बीमारी के आधार पर इलाज की शुरुआत की जाती है। कार्बाइड की गैस ने फेफड़ों, आंखों, दिल, दिमाग और प्रजनन प्रणाली पर असर डाला है।

तीस हजार गैस पीड़ितों को मिला इलाज, सर्टिका के मरीजों को राहत

ट्रस्ट के बाहर लगा बोर्ड।

थायरॉइड और डायबिटीज का सटीक इलाज

गैस पीड़ितों में थायरॉइड की बीमारियां, मोटापा और मेटाबॉलिक डिसऑर्डर्स लगातार बढ़ते जा रहे हैं। गैस का असर इतना ज्यादा है कि दूसरी और तीसरी पीढ़ी तक इसके प्रभाव दिख रहे हैं। ट्रस्ट के क्लीनिक की डॉ. ऊषा आर्या का कहना है कि गैस ने शरीर के अलग-अलग सिस्टम को नुकसान पहुंचाया है। इसलिए ट्रीटमेंट भी एक ही लाइन से नहीं हो सकता। हम आधुनिक मेडिसिन, आयुर्वेद और योग तीनों को मिलाकर इलाज करते हैं।

प्लांट में मशीनों की मदद से 65 तरह की दवाइयां तैयार

परिसर में ही दवाईयां का प्लांट भी लगाया गया है, जिससे जड़ी-बूटियों को जमीन से निकालकर उनकी साफ-सफाई करने के बाद मशीनों की मदद से गोलियां और अन्य तरह की दवाईयां तैयार की जाती हैं। जिसके लिए अलग से एक्सपर्ट कर्मचारियों को लगाया गया

गैस पीड़ित परिवार की बेटी की जंग-जन्मजात बीमारी से, दो ऑपरेशन, एक अभी बाकी, लिया पीड़ितों की सेवा का संकल्प

सपना जब पैदा हुई तो होठ और तालू नहीं था, चीभ पर दूध रखते थे, अब इंदौर में फिजियोथेरेपी का कोर्स कर रही है, नाक का ऑपरेशन होना बाकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

1984 की भोपाल गैस त्रासदी भले ही चार दशक पुरानी हो चुकी हो, लेकिन इसके जख्म अब भी कई परिवारों की अगली पीढ़ियों को प्रभावित कर रहे हैं। इन्हीं परिवारों में से एक गैस पीड़ित परिवार में 2001 में जन्मी एक बच्ची की कहानी संघर्ष, साहस और सेवा की मिसाल बन गई है। बच्ची ने जन्मजात स्वास्थ्य समस्याओं के कारण आते ही अस्पताल का रास्ता देख लिया। गैस पीड़ित परिवारों में अक्सर देखी जाने वाली श्वास और चेहरे संबंधी जटिलताओं ने उसके बचपन को सामान्य नहीं रहने दिया। दो वर्ष की उम्र से लेकर युवावस्था तक वह लगातार डॉक्टरों और दवाइयों के बीच रही।

जेपी नगर की बस्ती जो सर्वाधिक प्रभावित हुई थी।

गैस पीड़ितों की सेवा को बनाया जीवन उद्देश्य

अपने अनुभवों ने उसे एक खास दिशा दी है। उसका मानना है कि गैस त्रासदी के प्रभाव आज भी पीड़ित परिवारों में मौजूद हैं, लेकिन उनके लिए लड़ने वाले लोगों की संख्या कम है।

दादी चंपा के साथ सपना।

दादी चंपा देवी ने बताया कि सपना शुक्ला छोला में रहती है। उसके पिता नहीं हैं। माता और उन्होंने जब वे पैदा हुई थी तब होंठ और तालू कुछ भी नहीं था। चीभ पर दूध रखते थे ताकि पेट में कुछ जा सके। 2002 में आशा निकेतन में पहला ऑपरेशन करवाया। दूसरा ऑपरेशन दिल्ली के सेंट स्टीफन अस्पताल में हुआ। परिवार ने हिम्मत नहीं हारी और सफलता मिलती गई। उसकी पढाई भी 12 वीं तक हुई। उसके बाद उसने इंदौर से फिजियोथेरेपी करने की ठानी ताकि वे गैस पीडितों की सेवा कर सके। उक्त कोर्स का उसका अंतिम साल है। यह कोर्स पूरा करने के बाद वे गैस

माता-पिता और दादी का संघर्ष बना ढाल

आर्थिक तंगी और सामाजिक चुनौतियों के बावजूद परिवार ने उसके इलाज में कोई कमी नहीं होने दी। हमारी बेटी स्वस्थ हो जाए, बस यही हमारी एकमात्र प्रार्थना थी। दादी ने बताया कि परिवार ने हर संभव संसाधन जुटाकर उसके दो बड़े ऑपरेशन करवाए। इन ऑपरेशनों ने उसकी स्थिति में सुधार तो किया, लेकिन पूरी तरह से सामान्य होने के लिए उसका नाक का एक बड़ा ऑपरेशन अभी भी बाकी है, जो उसकी साँस लेने की क्षमता और स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

अनाज मंडियों में लगेंगी एनएबीएल लैब फसलों की नमी का सटीक माप मिलेगा

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में क्यूएए-क्यूसीआई और क्यूएए-एनएबीएल के बीच एमओयू

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में बुधवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में क्वालिटी एश्योरेंस ऑथोरिटी, हरियाणा द्वारा दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। ये समझौते क्रमशः क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया, दिल्ली तथा नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज के साथ संपन्न हुए। इन एमओयू पर क्वालिटी एश्योरेंस ऑथोरिटी, हरियाणा के चेयरपर्सन राजीव अरोड़ा तथा क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया, दिल्ली के महासचिव चक्रवर्ती टी. कनन ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एनएबीएल के चेयरमैन डॉ. संदीप शाह उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर कहा कि इन दोनों समझौतों से हरियाणा में न केवल तकनीकी दक्षता और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली को नया आयाम मिलेगा, बल्कि सार्वजनिक निर्माण कार्यों की विश्वसनीयता, सुरक्षा और स्थायित्व भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगा। एनएबीएल लैब फसलों की नमी का सटीक माप मिलेगा।

ममता बनर्जी सिर्फ एक विशेष वर्ग की राजनीति कर रहीः सैनी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में उनकी सरकार एक विशेष वर्ग को साधने में लगी हुई है, जबकि आम जनता, विशेषकर महिलाएं लगातार उत्पीड़न और शोषण का सामना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद, पश्चिम बंगाल में महिलाओं की स्थिति दिन-प्रतिदिन बदतर होती जा रही है।

कला संकाय के सभागार में संपन्न कार्यक्रम

दिल्ली विश्वविद्यालय में 'युवा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन

सामाजिक समरसता में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि

राष्ट्र के पुनर्निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका : प्रो. निरंजन कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा एकल फ्यूचर (यूथ विंग, एकल अभियान) के संयुक्त तत्वावधान में 'युवा संवाद : शिक्षा से राष्ट्र निर्माण' विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजित किया गया। यह योजन दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय के सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जूना अखाडा के महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि जी का सान्निध्य प्राप्त हुआ तथा भारत लोक शिक्षा परिषद् के ट्रस्ट बोर्ड अध्यक्ष श्री लक्ष्मी नारायण गोयल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि जी ने भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा, वैदिक ज्ञान की महत्ता और प्राचीन शिक्षा प्रणाली की श्रेष्ठता पर प्रकाश डाला। उन्होंने सामाजिक समरसता में युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया. उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे भारतीय ज्ञान-परंपरा को पुनर्जीवित कर स्वर्णिम विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने युवाओं में राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरूकता को मजबूत करने का भी संदेश दिया। मुख्य अतिथि लक्ष्मी गोयल ने कहा कि अपनी संस्कृति से विमुख होने के कारण भारत पर वर्षों तक विदेशी शासन रहा। उन्होंने सनातन परंपरा और राष्ट्र-जागरण की दिशा में एकल अभियान के योगदान का उल्लेख किया।

कार्यक्रम के संयोजक, दिल्ली विश्वविद्यालय के मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम समिति के अध्यक्ष एवं डीन प्लानिंग प्रो. निरंजन कुमार ने युवाओं की शक्ति, संकल्प और राष्ट्र निर्माण में उनकी केंद्रीय भूमिका पर अपने विचार रखते हुए मैकाले की शिक्षा नीति के प्रभावों को रेखांकित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान कि /"2035 तक हमें मैकाले मॉडल को ध्वस्त करते हुए अगले दस वर्षों में भारत के लिए अपना एक भारतीय मॉडल खड़ा करना है/" के संकल्प को दोहराया. उन्होंने कहा कि भारतीय युवा अपने प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों और आदर्शों को आज पुनः स्थापित कर रहा है।

जमीन लेकर भी नहीं लगाया उद्योग 240 उद्यमियों का भूखंड आवंटन रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए जमीन लेकर उद्योग स्थापित नहीं करने वाले 240 उद्यमियों पर अब सीएसआइडीसी ने बड़ी कार्रवाई कर दी है। उद्यमियों ने वर्षों पहले सस्ती दरों पर भूखंड तो ले लिए, मगर न तो उद्योग लगाए, न उत्पादन शुरू किया और न ही बकाया राशि का भुगतान किया। राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति में दी गई रियायतों का लाभ लेने के लिए कई उद्यमियों ने औद्योगिक क्षेत्रों रायपुर, बिलासपुर, उरला, सिलतरा, सिरगिट्टी, तिफरा सहित मेगा इंडस्ट्रियल जोंन्स और रायगढ़ में भूखंड हासिल किए थे। लेकिन निर्धारित समयावधि बीतने के बाद भी न तो भवन निर्माण हुआ, न मशीनें लगीं, न ही रोजगार पैदा हुए।

जांच कर भूखंड वापस लेने की तैयारी

प्रबंध संचालक के अनुसार, कुछ उद्यमियों ने केवल औपचारिकता के नाम पर चारदीवारी बनाकर काम शुरू दिखाने की कोशिश की। ऐसे मामलों की जांच कर भूखंड वापस लेने की तैयारी है। जहां बिल्कुल काम नहीं हुआ, वहां तत्काल प्रभाव से आवंटन निरस्त किया जा चुका है। पिछले एक वर्ष के भीतर ही 240 भूखंड आवंटन रद किए गए हैं। कई उद्यमियों को पहले भी नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर सीएसआइडीसी ने सख्त कदम उठाया है।

खाद्य और दवा जांच की बढ़ेगी क्षमता

नवा रायपुर में बनेगी अत्याधुनिक प्रयोगशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

नवा रायपुर में अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड खाद्य व औषधि परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की जाएगी। राज्य सरकार ने इसके लिए 46 करोड़ 49 लाख 45 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्य बजट 2025-26 के प्रावधान के अनुरूप महत्वपूर्ण परियोजना से प्रदेश में खाद्य व औषधि परीक्षण क्षमता को नई मजबूती मिलेगी।

प्रयोगशाला और नवीन एफडीए भवन की स्थापना के लिए शासन की ओर से नवा रायपुर में 1.5 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। वर्तमान में रायपुर स्थित प्रयोगशाला मात्र पांच हजार वर्गफीट क्षेत्र में तीन मंजिलों पर संचालित है, जिससे परीक्षण क्षमता सीमित हो जाती है। नई प्रस्तावित प्रयोगशाला 30 हजार वर्गफीट क्षेत्र में भूतल से लेकर तृतीय तल तक निर्मित की जाएगी तथा इसे अत्याधुनिक ड्रग और इनफोर्समेंट से जुड़े उपकरणों से सुसज्जित किया जाएगा। नए ढांचे के साथ प्रयोगशाला की परीक्षण क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

5,000 नमूनों का प्रतिवर्ष परीक्षण किया जा सकेगा

रासायनिक परीक्षण क्षमता जहां अभी 500 से 800 नमूनों तक सीमित है, वहीं नई लैब में यह बढ़कर 7,000 से 8,000 नमूने प्रतिवर्ष हो जाएगी। माइक्रोबायोलाजिकल परीक्षणों इंजेक्शन, आई ड्राप आदि की क्षमता 2,000 नमूने प्रतिवर्ष तक बढ़ाई जाएगी। वर्तमान में इसकी जांच के लिए कोलकाता भेजना पड़ता था, जिसकी रिपोर्ट आने में एक माह से अधिक समय लग जाता था। मेडिकल उपकरण जैसे दस्ताने और कैथेटर आदि का परीक्षण वर्तमान में संभव नहीं है, लेकिन नई प्रयोगशाला में 5,000 नमूनों का प्रतिवर्ष परीक्षण किया जा सकेगा।

अर्ध शहरी एवं ग्राम पंचायतों के विकास के लिए बनाई जाए कार्ययोजना

सीएम डॉ. मोहन ने बैठक में की पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा

समग्र ग्राम विकास की अवधारणा के अनुसार योजनाओं का क्रियान्वयन करें सुनिश्चितः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्राम विकास से संबंधित सभी विभाग समग्र ग्राम विकास की अवधारणा के अनुसार योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। अर्ध शहरी एवं बड़ी ग्राम पंचायतों को सशक्त करते हुए उनके विकास के लिए कार्ययोजना बनाई जाए और उस पर अमल किया जाए। डॉ. यादव विधानसभा स्थित समिति कक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की उपलब्धियों और प्राथमिकताओं पर बैठक को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर महात्मा गांधी नरेगा, पंचायतराज, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण, मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा की 2 वर्ष की उपलब्धियों और नवाचारों का प्रेजेंटेशन किया गया तथा आगामी कार्ययोजना के संबंध में निर्देश दिए गए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, राज्य मंत्री राधा सिंह, मुख्य सचिव अनुराग जैन आदि मौजूद रहे।

दो वर्ष की उपलब्धियों का प्रेजेंटेशन, आगामी कार्य योजना संबंधी दिए निर्देश

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की बैठक में निर्देश देते सीएम डॉ. मोहन यादव। बैठक में मंत्री प्रह्लाद पटेल व राज्य मंत्री राधा सिंह भी मौजूद रहे।

योजनाओं का समन्वित रूप से क्रियान्वयन किया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ ही कृषि, सहकारिता, मत्स्य पालन तथा ग्राम विकास से संबंधित अन्य विभागों को सम्मिलित करते हुए समग्र ग्राम विकास की अवधारणा के अनुसार योजनाओं का समन्वित रूप से क्रियान्वयन किया जाए। डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना को गति देने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि अर्ध शहरी एवं बड़ी ग्राम पंचायतों को सशक्त करते हुए उनके विकास के लिए कार्य योजना बनाई जाए तथा नगरीय निकायों के मध्य विद्यमान पंचायतें परस्पर समन्वय से सड़कें तथा अन्य आवश्यक अधोसंरचनाएं विकसित करें।

विकास की मुख्य धारा में विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्राम स्तर पर रोजगार सृजन, स्वच्छता और ग्रामों को सड़कों के माध्यम से विकास की मुख्य धारा में जोड़ने में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह गतिविधियां आम आदमी के जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के अनुसार वर्ष 2047 तक विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने में इस विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों और योजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन तथा अनुवीक्षण में सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी अद्यतन तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए।

बैठक में बताई गई तीन वर्षों की कार्य योजना

- स्वीकृत गतिविधियों को समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाएगा।
- आत्मनिर्भर पंचायत की दिशा में पंचायतों के आय के स्त्रोत बढ़ाने के लिए प्रयास होंगे।
- मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना के तहत चयनित प्रत्येक ग्राम को मॉडल ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा।
- अर्ध शहरी एवं बड़ी ग्राम पंचायतों के व्यवस्थित विकास के लिए मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत नियमों का युक्तियुक्तकरण किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलोनियों के रजिस्ट्रेशन एवं विकास की अनुमति केन्द्रीकृत ऑनलाइन व्यवस्था पोर्टल के माध्यम से की जाएगी।
- ग्रामों में सुगम आवागमन के लिए दोहरी संपर्कता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सुगम संपर्कता परियोजना का क्रियान्वयन किया जाएगा।
- यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी के समस्त बच्चों और कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों को पौष्टिक नाश्ते की व्यवस्था के लिए कार्यवाही की जा रही है।
- सांदीपनि शालाओं में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मेकेनाईज्ड किचिन शेड का संचालन किया जाएगा।
- स्वच्छता के लिए व्यवहार परिवर्तन के उद्देश्य से सोशल मीडिया के माध्यम से गतिविधियां संचालित होंगी।

चिंतन

पुतिन का भारत दौरा ट्रंप को कड़ा संदेश

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार से दो द्विवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं। उनकी यह यात्रा कई मायनों में काफी अहम मानी जा रही है। उनका यह दौरा जहां यूक्रेन युद्ध और एशिया में शक्ति संतुलन के लिए खास माना जा रहा है, वहीं यह एक तरह से अमेरिका को भी कड़ा संदेश है। चूंकि भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद अमेरिका ने पाकिस्तान को ज्यादा तवज्जो दी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर से व्हाइट हाउस में मुलाकात कर चुके हैं, जबकि भारत को लेकर ट्रंप की तरफ से हमेशा नकारात्मक बयान ही सामने आ रहे हैं। हाल ही में ट्रंप ने रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भी भारत पर 50 फीसदी टैरिफ भी लगा दिया था, जो अमेरिका के किसी भी देश पर लगाए गए टैरिफ में सबसे ज्यादा है। वहीं, भारत रूस से तेल न खरीदे, इसके लिए भी दबाव बनाया गया। ऐसे समय में पुतिन की भारत यात्रा को अमेरिका के लिए जवाब के तौर भी देखा जा रहा है। पुतिन के दौरे को देखते हुए राजधानी दिल्ली हाईअलर्ट पर है। दूसरी तरफ, पुतिन के आने से पहले ही भारत को एक खुशखबरी देते हुए रूस की संसद के निचले सदन स्टेट डूमा ने भारत के साथ हुए महत्वपूर्ण सैन्य समझौते रेसिप्रोकल सपोर्ट ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट (आरईएलओएस) को भी मंजूरी दे दी। यह निर्णय राष्ट्रपति की होने वाली नई दिल्ली यात्रा से ठीक पहले लिया गया है, जिसे द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। भारत और रूस के संबंधों का अपना एक इतिहास है। 1971 की भारत–सोवियत मैत्री संधि दोनों देशों की दोस्ती का सबसे बड़ा उदाहरण है। इतना ही नहीं, रूस ने हमेशा से ही भारत को सैन्य तकनीक और हथियार देने में संकोच नहीं किया। रूस ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में सहयोग तो किया ही है, साथ ही ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों की साझेदारी बेहद अहम है। दुनिया बदली है, दोस्त बदले हैं लेकिन भारत और रूस के बीच पुराने कूटनीतिक रिश्तों का भरोसा आज भी साफ नजर आता है। पुतिन की यात्रा के दौरान भारत-रूस के बीच ब्रह्मोस के नए वेरिएंट पर समझौते के साथ-साथ एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम पर भी चर्चा संभव है। दोनों देश नए हेलीकॉप्टर, फाइटर जेट, परमाणु ऊर्जा, चिप्स, आईटी, साइबर सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने पर भी समझौते कर सकते हैं। रूस और भारत के संबंध आजमाए और परखे हुए हैं। कई मौकों पर रूस भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहा है। बदलते वक्त के दौर में भी भारत और रूस एक-दूसरे के बेहद करीब आए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कुछ माह पहले रूस की यात्रा की थी। इस दौरान पुतिन के साथ उनकी गजब केमिस्ट्री देखने को मिली थी। मोदी ने उन्हें अपना सबसे करीबी दोस्त बताया था। रक्षा से लेकर व्यापार, स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप तक में दोनों देश हमेशा एक-दूसरे के साथ रहे हैं। पुतिन का भारत आना इस रिश्ते की और मजबूती का संकेत देता है। उनकी यात्रा से संदेश साफ है कि रूस आज भी एशिया में अपने सबसे पुराने दोस्त के साथ मजबूती के साथ खड़ा है और संबंधों को गहरा करना चाहता है। यह समय ऐसा है जब पश्चिमी देशों के साथ रूस के संबंध सामान्य नहीं कहे जा सकते हैं। ऐसे समय में एशिया और उसमें भी खासकर भारत-रूस की दोस्ती का महत्व और भी बढ़ जाता है।

सिपरी रिपोर्ट
सुनील कुमार महला

हथियारों की होड़ से मानवता पर खतरा

आज के समय में दुनियाभर में बढ़ते हथियारों का जखीरा केवल सुरक्षा का ही सवाल नहीं है, बल्कि यह मानवता के भविष्य पर एक गंभीर खतरा भी है। कोई भी देश हथियार इसलिए खरीदते हैं, ताकि वे अपनी सीमाओं की रक्षा कर सकें, रणनीतिक बढ़त बनाए रख सकें और बदलते भू-राजनीतिक हालात में खुद को एक मजबूत राष्ट्र दिखा सकें, लेकिन यही हथियारों की दौड़ कई बार तनाव बढ़ाकर युद्धों की जमीन तैयार करती है,जोकि ठीक नहीं है। इससे बड़े पैमाने पर विस्थापन, भूख और मानवीय संकट पैदा हो रहे हैं। विश्व समुदाय को हथियारों की इस अंधाधुंध दौड़ को रोकने के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे, ताकि मानवता को बड़े संकट से बचाया जा सके।

दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। वास्तव में, आज के समय में दुनियाभर में बढ़ते हथियारों का जखीरा केवल सुरक्षा का ही सवाल नहीं है , बल्कि यह मानवता के भविष्य पर एक गंभीर खतरा भी है। कोई भी देश हथियार इसलिए खरीदते हैं, ताकि वे अपनी सीमाओं की रक्षा कर सकें, रणनीतिक बढ़त बनाए रख सकें और बदलते भू-राजनीतिक हालात में खुद को एक मज़बूत राष्ट्र दिखा सकें, लेकिन यही हथियारों की दौड़ कई बार तनाव बढ़ाकर युद्धों की जमीन तैयार करती है,जोकि ठीक नहीं है। कहना ग़लत नहीं होगा कि हथियारों पर होने वाला भारी खर्च शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पानी, जलवायु संरक्षण और रोजगार जैसे बुनियादी क्षेत्रों से धन को खींच लेता है, और इसका असर कहीं न कहीं देश के विकास और अर्थव्यवस्था व इसके निवासियों पर भी पड़ता है। क्या यह बड़ी बात नहीं है कि आज के समय में दुनिया के विभिन्न शक्तिशाली व संपन्न देश इसका इस्तेमाल अपने आर्थिक लाभ, वैश्विक प्रभाव दिखाने और उद्योगों में बढ़त के लिए करते हैं, जबकि छोटे देश किसी दबाव में आकर या सुरक्षा के डर से हथियारों की इस अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं।

इसका नतीजा यह है कि दुनिया एक ऐसी दिशा में बढ़ रही है, जहां भरोसा कम और अविश्वास ज्यादा है। वास्तव में, यह बात ठीक है कि हथियार किसी देश को सुरक्षा दे सकते हैं, लेकिन स्थायी शांति नहीं। असली सुरक्षा संवाद, विश्वास, सहयोग और संतुलित विकास से मिलती है, न कि विनाशकारी हथियारों की बढ़ती संख्या से। वास्तव में, यह इसलिए दुनिया का खतरनाक कदम है, क्योंकि यह मानवता को सुरक्षा नहीं, बल्कि असुरक्षा की ओर धकेल रहा है। हथियारों की होड़ अंततः दुनिया में असंतुलन पैदा करती है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की नई रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। सरल शब्दों में कहें तो दुनिया भर में हथियारों की खरीद-फरोख्त लगातार बढ़ रही है, और यह कोई अच्छी खबर नहीं है। रिपोर्ट बताती है कि कई देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। कहीं सीमा विवाद है, कहीं शक्ति दिखाने की होड़, तो कहीं सुरक्षा का डर। दुनिया में इस समय कई देशों के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है। एशिया में भारत-चीन के बीच लंबे समय से सीमा विवाद बना हुआ है, जो समय-समय पर सैनिक तैनाती और गश्त के कारण फिर उभर जाता है। भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर और सीमा पार आतंकवाद को लेकर रिश्ते लगातार तनावपूर्ण रहते हैं और कूटनीतिक संबंधों में उतार-चढ़ाव चलता रहता है। चीन-ताइवान के बीच स्थिति सबसे संवेदनशील है, जहां चीन ताइवान पर दबाव बढ़ाने के लिए सैन्य अभ्यास और शक्ति-प्रदर्शन कर रहा है, जबकि ताइवान अपनी रक्षा क्षमता बढ़ा रहा है। ईरान-इज़राइल के बीच हमलों और जवाबी हमलों के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ी हुई है। वहीं आर्मेनिया-अज़रबैजान के बीच नगार्नो-काराबाख को लेकर पुराना सीमा विवाद अभी भी पूरी तरह शांत नहीं हुआ। मध्य एशिया में भी अफगानिस्तान की सीमा को लेकर ताजिकिस्तान और रूस मिलकर सुरक्षा मजबूत करने की बात कर रहे हैं। इधर, रूस-यूक्रेन तनाव आज भी बेहद गंभीर रूप में बना हुआ है। हाल की शांति-वार्ताएं भी किसी नतीजे पर नहीं पहुँच पाई हैं, क्योंकि रूस अपनी

शर्तों पर अड़ा है और पश्चिमी देश यूक्रेन की संप्रभुता पर समझौता नहीं करना चाहते। इसी बीच मिसाइल हमलों, भू-भाग पर कब्जे की कोशिशों और कूटनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। यह संघर्ष न केवल यूरोप बल्कि पूरी दुनिया की राजनीति, सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर असर डाल रहा है।

कुल मिलाकर, सीमा विवादों, सैन्य तैयारियों, शक्ति दिखाने की होड़ और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने कई क्षेत्रों को बेहद संवेदनशील और अस्थिर बना दिया है। यही कारण है कि आज विभिन्न देश आधुनिक और महंगे हथियार खरीदने में बड़ी रकम लगा रहे हैं। इससे हथियार बनाने वाली कंपनियों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन दुनिया के लिए खतरे भी बढ़ रहे हैं। समस्या यह है कि जितने ज्यादा हथियार जुटाए जाते हैं, उतनी ही ज्यादा टकराव या युद्ध की आशंका पैदा होती है। साथ ही सरकारों का पैसा रक्षा खरीद में खर्च होने लगता है, जिससे जरूरी क्षेत्रों पर कम ध्यान जाता है। यानी सुरक्षा के नाम पर खर्च तो बढ़ता है, लेकिन असुरक्षा भी कम नहीं होती। रिपोर्ट हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हथियारों पर बढ़ती निर्भरता वास्तव में शांति लाएगी या दुनिया को और ज्यादा तनाव और खतरे की ओर धकेल देगी। सरल शब्दों में कहें तो दुनिया की सबसे बड़ी 100 हथियार बनाने वाली कंपनियों ने पिछले साल से लगभग 6% ज्यादा पैसा कमाया है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हाल के समय में कई जगह लड़ाइयां और तनाव लगातार बढ़े हैं, जैसे यूक्रेन युद्ध और गाजा संघर्ष। जब कहीं युद्ध होता है या किसी देश को खतरा महसूस होता है, तो वे अपनी सुरक्षा बढ़ाने के लिए ज्यादा हथियार खरीदते हैं।

इसी वजह से हथियारों की मांग तेजी से बढ़ गई और कंपनियों की बिक्री भी बढ़ी। जितना ज्यादा तनाव और युद्ध, उतनी ही ज्यादा हथियारों की खरीद, और उतनी ही ज्यादा कंपनियों की कमाई। सिपरी की ताज़ा रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की 100 सबसे बड़ी रक्षा कंपनियों ने 2024 में कुल 679 अरब डॉलर कमाए, जो यह दिखाता है कि वैश्विक स्तर पर युद्ध और तनाव अब एक भारी-भरकम कारोबार बन चुके हैं। यूक्रेन, गाजा और पूर्वी एशिया में बढ़ते संघर्षों ने हथियारों की मांग को तेजी से बढ़ाया है, जिसके चलते युद्धों का व्यावसायीकरण और कॉरपोरेट कंपनियों की भूमिका और मजबूत हो रही है। रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि पश्चिम एशिया अब एक नया हथियार उत्पादक क्षेत्र बनकर उभर रहा है, जिससे वैश्विक सैन्य उत्पादन में विविधता आई है। भारत की तीन कंपनियां क्रमशः हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स भी इस सूची में शामिल हैं, और घरेलू मांग के कारण इनकी संयुक्त आयुध कमाई 8.2 प्रतिशत बढ़कर 7.5 अरब डॉलर हो गई है। सिपरी का आकलन बताता है कि भविष्य में हथियारों की बिक्री और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय तनाव कम होने के बजाय बढ़ रहा है, और देश ड्रोन व अत्याधुनिक रक्षा तकनीकों पर भारी निवेश कर रहे हैं। यह बढ़ती सैन्य होड़ न केवल शांति के लिए खतरा है, बल्कि विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से संसाधन हटाकर वैश्विक असमानताओं, भुखमरी, जलवायु संकट और अस्थिरता को भी बढ़ावा दे रही है। युद्धों और संघर्षों के कारण लाखों लोग विस्थापन, अकाल और मानवीय त्रासदियों का सामना कर रहे हैं।

दूसरे शब्दों में कहें तो आज युद्धों और संघर्षों के कारण दुनिया भर में लाखों लोग अपने घर, जमीन और रोज़गार से बेदखल हो रहे हैं। इससे बड़े पैमाने पर विस्थापन, भूख और मानवीय संकट पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट यह संकेत देती है कि विश्व समुदाय को हथियारों की इस अंधाधुंध दौड़ को रोकने के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे, ताकि मानवता को बड़े संकट से बचाया जा सके।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

नौसेना दिवस
आरके जैन

सफेद वर्दी में चमकता है भारत का गर्व, साहस और स्वाभिमान

जब समुद्र की लहरें तेज़ी से उठती हैं और युद्धपोतों की गड़गड़ाहट आसमान तक गूंजती है, तब पूरा भारत गर्व से भर उठता है-यही है नौसेना दिवस की सच्ची शक्ति। 4 दिसंबर का यह खास दिन वह पल है जब देश अपने समुद्री वीरों को दिल से सलाम करता है। यह कोई साधारण तारीख नहीं, बल्कि 1971 के भारत-पाक युद्ध की वह यादगार रात है जब भारतीय नौसेना ने कराची बंदरगाह पर ऐसा वार किया कि दुश्मन संभल ही नहीं पाया। ऑपरेशन ट्राइडेंट, जिसका नाम सुनते ही रोमांच दौड़ जाए। पहली बार किसी एशियाई देश ने एंटी-शिप मिसाइलों का इस्तेमाल किया, चार पाकिस्तानी जहाज़ डूब गए, कराची का बंदरगाह जल उठा और उनकी नौसेना बिखरकर रह गई। यह सिर्फ जीत नहीं, बल्कि समुद्री युद्ध के इतिहास में लिखा गया एक चमकता हुआ अध्याय था। तभी से 4 दिसंबर भारतीय नौसेना दिवस के रूप में पूरे देश में गर्व के साथ मनाया जाता है। लेकिन यह दिन सिर्फ इतिहास की वीरगाथा नहीं सुनाता, यह वर्तमान की ताकत और भविष्य की तैयारी का भी प्रमाण है। भारतीय नौसेना आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे सक्षम नौसेनाओं में शुमार है। 67000 से ज्यादा जांबाज़ सैनिक, 150 से अधिक युद्धपोत, 250 से भी अधिक विमान और पनडुब्बियां- ये सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि हिंद महासागर में भारत की संप्रभुता का दस्तावेज़ है। देश का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत जब समुद्र में उतरा, तब पूरी दुनिया ने देखा कि भारत अब सिर्फ खरीदार नहीं, बल्कि खुद अपनी शक्ति गढ़ने वाला राष्ट्र है। वहीं, आईएनएस अरिहंत ने जब परमाणु त्रिशूल पूरा किया, तो बड़े-बड़े देश भी भारत की क्षमता के आगे गंभीर हो गए। बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस यह पनडुब्बी दुश्मन के लिए साफ संदेश है। भारत की ओर आंख उठाई, तो कीमत भी चुकानी पड़ेगी और जवाब भी ऐसा मिलेगा कि याद रखना मुश्किल हो जाएगा। हिंद महासागर में भारतीय नौसेना आज सिर्फ रक्षक नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का संतुलन संभालने वाली शक्ति है। मालदीव संकट में जब ऑपरेशन कैक्टस चला, श्रीलंका में आईपीकेएफ के दौरान जब नौसेना ने मानवीय मदद पहुंचाई, सुनामी की तबाही में जब हजारों जानें बचाईं, और हाल ही में ऑपरेशन राहत व ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब युद्धग्रस्त देशों से भारतीयों को सुरक्षित घर लाया गया, हर बार नौसेना ने साबित किया कि उसकी ज़िम्मेदारी केवल समुद्र की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। उसकी पहुंच वहां तक है, जहां तक भारत का एक भी नागरिक मौजूद है, चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न हो। क्वाड का मजबूत सदस्य बनकर, मालाबार अभ्यास में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ कदम मिलाकर, फ्रांस के साथ वरुण अभ्यास में अपनी क्षमता दिखाकर, और रूस के साथ इंड्रा नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेकर भारत ने दुनिया को साफ संदेश दे दिया है, हिंद महासागर में दबाव, धमकी या दादागिरी नहीं चलेगी। आईएनएस विक्रमादित्य, आईएनएस चक्र, ब्रह्मोस से लैस स्टील्थ फ्रिगेट्स और पी-8 आई पोसाइडन विमान सिर्फ हथियार नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और समुद्री शक्ति के चमकते प्रतीक हैं। लेकिन नौसेना की सच्ची शक्ति उसके लोहे के जहाज़ों में नहीं, बल्कि उन सफेद वर्दी वाले वीरों में बसती है। वे ही हैं जो महीनों अपने परिवार से दूर रहते हैं; जब तूफान जहाज़ को झकझोरता है, नीचे अथाह समुद्र और ऊपर दुश्मन की नज़र होती है, फिर भी उनके चेहरे पर मुस्कान रहती है। वे समुद्र की गोद में रातें काटते हैं, ताकि करोड़ों भारतीय चैन से सो सकें। उनकी आँखों में गहराई है, दिल में देशभक्ति की गर्मी और हाथों में अजेय साहस। और उनके पीछे खड़ी होती हैं वे माएँ जो बेटे के जहाज़ पर चढ़ते ही आशीर्वाद देती हैं, वे पत्नियां जो हर तूफान में प्रार्थना करती हैं, वे बच्चे जो दिन गिनते रहते हैं। यही मौन शक्ति नौसेना को अपराजेय बनाती है। हर साल नौसेना दिवस पर जब गेटवे ऑफ इंडिया के सामने जहाज़ सलामी देते हैं, जब मिग-29 के आसमान को चीरते हुए दहाड़ते हैं, जब काले परिधान में मार्कोस कमांडो अपने रोमांचक करतब दिखाते हैं, तब हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। पर यह गर्व सिर्फ उस पल तक सीमित नहीं रहना चाहिए। हमें याद रखना चाहिए कि यह नीली सीमा हमें यूं ही नहीं मिली, इसे वीरों ने अपने जीवन से सुरक्षित किया है। यह केवल जश्न मनाने का अवसर नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का पल है। इस नौसेना दिवस पर हमें केवल ताली बजाकर आगे नहीं बढ़ जाना चाहिए। हमें अपने बच्चों को उन जांबाज़ों की गाथाएं सुनानी चाहिए, जिनकी सफेद वर्दी में भारत का गर्व, साहस और स्वाभिमान चमकता है। जय हिंद। जय भारतीय नौसेना।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू

संकलित
दर्शन

सामान्य तौर पर हम अधिकार एवं कर्तव्य की बात करते हैं। जबकि वास्तव में होना चाहिए कर्तव्य और अधिकार। व्यक्ति को पहले अपना कर्तव्य करना चाहिए। फिर अपने अधिकारों की बात करनी चाहिए। जब हम अधिकारों की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं। यह विडंबना है कि संविधान में भी कर्तव्यों को बाद में जोड़ा गया। जब कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू हैं, तो हम हमेशा अधिकार पर ही क्यों रुक जाते हैं? कर्तव्य हमें अपनी नैतिक जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं तो अधिकार हमारे जागरूक होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। यदि हम जागरूक हैं तो फिर जिम्मेदार क्यों नहीं? अगर परिवार, समाज और देश में समृद्धि और शांति लाना चाहते हैं तो हर नागरिक को पहले अपने कर्तव्य पर ध्यान देना होगा। केवल अधिकारों की बात कर उसकी आड़ में हम अपने कर्तव्यों को अनदेखा न करें। हम ईमानदारी से कर्तव्य करते रहेंगे तो अधिकार स्वतः ही प्राप्त हो जाएंगे, क्योंकि वह कर्तव्यों में ही निहित है। कर्ण की कर्तव्य के प्रति निष्ठा सर्वविदित है। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन ही नहीं, बल्कि मनुष्य मात्र को यह उपदेश दिया है कि 'कर्म करो और फल की इच्छा मत करो।' जब इच्छित फल की हमें प्राप्ति नहीं होती है तो हमें दुख होता है। अतः सुखी रहना है तो सिर्फ कर्म करें और वह भी निष्काम भाव से। कर्तव्यों में कर्म है और कर्म करना ही मनुष्य की पहचान है। यही कर्म पुण्य के माध्यम से हमें स्वर्ग के द्वार तक पहुंचाते हैं।

व्यक्ति की अच्छी बातों को याद कर जीवन में उतारें

संकलित
प्रेरणा

महाभारत में श्रीकृष्ण की मदद से पांडवों ने कौरवों को पराजित कर दिया था, इसके बाद युधिष्ठिर राजा बन गए। महाभारत युद्ध के बाद जब श्रीकृष्ण द्वारका पहुंचे तो कुछ समय बाद यदुवंशी आपस में लड़कर मारे गए। जब श्रीकृष्ण का अपने धाम लौटने का समय आया तो उन्होंने अपना अंतिम ज्ञान उद्धव को दिया था। उद्धव श्रीकृष्ण के काका के बेटे थे और बहुत विद्वान थे। उद्धव ने श्रीकृष्ण से कई प्रश्न पूछे और भगवान ने सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। जब उद्धव श्रीकृष्ण की बातों से संतुष्ट हो गए तो श्रीकृष्ण ने कहा कि उद्धव, अब मैं अपने धाम जाऊंगा यानी मैं इस संसार को छोड़कर जाने वाला हूं। अब तुम्हें भी मुझसे विदा होना होगा। ये बात सुनकर उद्धव दुखी हुए और उन्होंने श्रीकृष्ण का हाथ पकड़ लिया और कहा कि आप इस तरह मुझे छोड़कर नहीं जा सकते, मैं भी आपके साथ चलूंगा। श्रीकृष्ण ने उद्धव को समझाते हुए कहा कि इस दुनिया में सभी अकेले आते हैं और अकेले ही जाते हैं। इतना कहने के बाद श्रीकृष्ण ने अपनी चरण पादुकाएं उद्धव को भेंट में दे दीं और कहा, इस भेंट को याद रखना और अब तुम बद्रीकाश्रम चले जाओ। बद्रीनाथ के पर्वतों पर मैंने तुम्हें जो बातें बताई हैं, उन बातों का चिंतन करना। ये पादुकाएं तुम्हें मेरी अच्छी बातें याद दिलाएंगी। जो ज्ञान मैंने तुम्हें दिया है, उसका लोगों के हित में सही उपयोग करना। श्रीकृष्ण की ये बातें सुनकर उद्धव वहां से चले गए। इसके कुछ समय बाद जरा नाम के शिकारी का बाण श्रीकृष्ण के पैर के तलवे पर लगा। इसके बाद श्रीकृष्ण अपने धाम लौट गए।

अंतर्मन

आज की पाती

ममता का सार्वजनिक अपमान

हाल ही में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में वृद्धाश्रम में रह रही शोभा देवी के निधन के बाद जब बेटे को सूचना दी गई, तो उसने मां का शव लेने से साफ इनकार कर दिया। बेटे ने कहा कि घर में शादी है। शव आने से अपशगुन होगा। फ्रीजर में रखवा दीजिए, बाद में देख लेंगे। घंटों तक मां का पार्थिव शरीर वृद्धाश्रम में ही पड़ा रहा। अंततः प्रशासन ने हस्तक्षेप कर अंतिम संस्कार करवाया। इस घटना ने मां के जीवन भर के त्याग, ममता, समर्पण और प्रेम का मानो सार्वजनिक अपमान कर दिया। यह प्रसंग केवल एक परिवार की असफलता नहीं, बल्कि सभ्यता की आत्मा पर लगा सबसे बड़ा प्रश्नचिह्न है। यह घटना दिखाती है कि कैसे आज की भागदौड़ और दिखावे की जिंदगी में बुजुर्गों को बोझ समझने की मानसिकता बढ़ रही है।

– संजय पाठक, राजनांदगांव

ट्रेंड

सेवा की निरंतर साधना

मोदी सरकार के 11 वर्ष सत्ता से नहीं, सेवा की निरंतर साधना से चिन्हित रहे हैं। प्रधानमंत्री का 'प्रधानसेवक' भाव इस यात्रा का आधार है। इसी कड़ी में उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय को 'सेवा तीर्थ' की भावना से जोड़ा है।

-पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

कांग्रेस को सद्बुद्धि मिले

कांग्रेस की उम्र 140 साल हो गई है, लेकिन व्यवहार बच्चों और नाबालिगों की तरह कर रही है। एसआईआर पर तो बिहार की जनता पहले ही जवाब दे चुकी है। प्रश्न यह है कि क्या कांग्रेस घुसपैठियों को बचाना चाहती है? जनता के मुद्दों से सरोकार नहीं है। भगवान उन्हें सद्बुद्धि दें।

-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

अभिव्यक्ति की आज़ादी

जिनका इतिहास ही मुखबिरी का रहा हो वो जासूसी करना कैसे छोड़ सकते हैं। भाजपा सरकार में अभिव्यक्ति की आज़ादी तो पहले ही छिनी जा रही थी अब घर-परिवार, नाते-रिश्तेदार, की आपसी बातचीत पर भी उनकी गिद्ध निगाह लग जाएगी।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

जन-केंद्रित कदम

राजभवन, झारखंड का नाम बदलकर अब 'लोक भवन, झारखंड' कर दिया गया है। हम झारखंड की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। यह झारखंड के लिए एक सकारात्मक और जन-केंद्रित कदम है।

-बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

भारत की गहरी समझ रखने वाला युवा नेतृत्व होगा तैयार

सिंगापुर में 'कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री यंग इंडियन चैप्टर (सीआईआई वाईआई) ने कहा है कि उसका लक्ष्य हर वर्ष 300 युवाओं को छात्र विनियम कार्यक्रम में शामिल करना है ताकि भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था की गहरी समझ रखने वालों का नया नेतृत्व तैयार किया जा सके। सीआईआई वाईआई के चेयरमैन मोहम्मद इरशाद ने मंगलवार को यह टिप्पणी की। इससे एक दिन पहले सिंगापुर में पहला 'वाईआई – भारत सिंगापुर युवा सम्मेलन' आयोजित किया गया था। इरशाद ने कहा, 'भारत और सिंगापुर के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए हमें भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था की गहरी समझ विकसित करनी होगी।' सिंगापुर फिलहाल भारत का सबसे बड़ा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) केंद्र है। इरशाद (36) ने कहा, 'अब तक सिंगापुर के विश्वविद्यालयों के 40 छात्र 'इंडिया टैलेंट रीड प्रोग्राम' समेत विभिन्न विनिमय कार्यक्रमों के तहत भारत जा चुके हैं। ये कार्यक्रम सिंगापुर के व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय, सरकारी एजेंसी 'एंटरप्राइज सिंगापुर' और राष्ट्रीय युवा परिषद के सहयोग से चलाए गए।

ऑफ बीट

धीरे-धीरे दौड़ने के कई फायदे आए सामने

धावकों को समय को लेकर जुनून होता है। शौकिया हों या पेशेवर, अधिकतर धावकों का उद्देश्य तेजी से दौड़ना होता है। वे अपने मैराथन समय में से कुछ सेकंड कम करने के लिए लगातार प्रशिक्षण लेते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में दौड़ने का जो चलन जोर पकड़ रहा है, वह है 'धीमी गति से दौड़ना'। इस चलन के पीछे विचार यह है कि कोई भी दौड़ सकता है – चाहे आपकी क्षमता कुछ भी हो या आप कितनी भी तेज दौड़ें। एक मजबूत आधार विकसित करने से काम करने वाली मांसपेशियों को प्रति धड़कन अधिक ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता मिलती है, जो दौड़ में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं, बल्कि धीमी गति से दौड़ने से शरीर ऊर्जा के लिए संग्रहीत वसा का इस्तेमाल करता है। यह प्रक्रिया खाद्य पदार्थों से प्राप्त कार्बोहाइड्रेट संग्रह पर निर्भर रहने के विपरीत है। शरीर में एकत्र वसा का खंडित होना चयापचय की दृष्टि से कहीं अधिक कुशल प्रक्रिया है, क्योंकि वसा के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा कार्बोहाइड्रेट के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा से कहीं अधिक होती है। इसका मतलब है कि धावक कुल मिलाकर कम ऊर्जा का उपयोग करेंगे और कम थकेंगे तथा दौड़ के दिन तेजी से दौड़ने में सक्षम होंगे।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771–4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

बुधवार को पहली बार लोकसभा में कार्यवाही सुचारू तरीके से शुरू, प्रश्नकाल शांति से चला

राहुल बोले- मोदी सरकार के पास जाति जनगणना पर ठोस रूपरेखा नहीं
नित्यानंद बोले- जनगणना 2027 दो चरणों में होगी, सबके 'सुझाव' लेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार को शुरू होने के बाद से बुधवार को पहली बार लोकसभा में प्रश्नकाल की कार्यवाही सुचारू रूप से संपन्न हुई। इससे पहले दो दिन तक मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बाधित रही। बुधवार को लोकसभा की बैठक शुरू होने पर अध्यक्ष ने तीन पूर्व सदस्यों- कालीप्रसाद पांडेय (आठवीं लोकसभा में बिहार के गोपालगंज संसदीय क्षेत्र से सदस्य), रामेश्वर डूडी (13वीं लोकसभा में राजस्थान के बीकानेर से सदस्य) और श्याम सुंदर लाल (छठी लोकसभा में राजस्थान के तत्कालीन बयाना संसदीय क्षेत्र से सदस्य) के निधन की सूचना दी और सभा ने कुछ पल मौन रखकर पूर्व सांसदों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सदन में प्रश्नकाल शुरू हुआ और अश्विनी वैष्णव, प्रह्लाद जोशी, ज्योतिरादित्य सिंधिया और राव इंद्रजीत सिंह समेत केंद्रीय मंत्रियों ने संबंधित पूरक प्रश्नों के उत्तर दिए। शून्यकाल की कार्यवाही भी शांति से शुरू हुई।

तीन पूर्व सांसदों को दी श्रद्धांजलि

बोले राहुल- न ठोस रूपरेखा, न समयबद्ध योजना, न संसद में चर्चा और न ही जनता से संवाद

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी

जनगणना का 150 वर्षों से अधिक का इतिहासः नित्यानंद

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय

राहुल गांधी के जवाब में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि जनगणना दो चरणों में होगी। पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण और आवास गणना तथा उसके बाद दूसरे चरण में आबादी की गणना की जाएगी। आबादी की गणना फरवरी 2027 में की जाएगी, जिसकी संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 की मध्य रात्रि होगी, सिवाय केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फ से ढके दुर्गम इलाकों को छोड़कर, जहां यह गणना सितंबर 2026 में की जाएगी, जिसकी संदर्भ तिथि 1 अक्टूबर 2026 की मध्यरात्रि होगी। राय ने कहा कि जनगणना का 150 वर्षों से अधिक का इतिहास है। अगली जनगणना के लिए पिछली जनगणनाओं से प्राप्त अनुभवों को ध्यान में रखा जाता है। प्रत्येक जनगणना से पहले संबधित हितधारकों से भी सुझाव लिए जाते हैं।

जाति जनगणना बहुजनों के साथ विश्वासघातः राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि मोदी सरकार के पास जाति जनगणना को लेकर कोई ठोस रूपरेखा और योजना नहीं है और यह देश के बहुजनों के साथ खुला विश्वासघात है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि संसद में मैंने सरकार से जाति जनगणना पर सवाल पूछा था। उनका जवाब चौंकाने वाला है। न ठोस रूपरेखा, न समयबद्ध योजना, न संसद में चर्चा और न ही जनता से संवाद। दूसरे राज्यों की सफल जाति जनगणनाओं की रणनीति से सीखने की कोई इच्छा भी नहीं है। मोदी सरकार की यह जाति जनगणना देश के बहुजनों के साथ खुला विश्वासघात है।

सरकार से पूछे ये तीन सवाल

राहलु गांधी ने बुधवार को लोकसभा में लिखित प्रश्न किया था कि दशकीय जनगणना की तैयारी के लिए प्रमुख प्रक्रियात्मक कदमों का ब्यौरा और संभावित समयसीमा क्या है, जिसमें प्रश्नों की तैयारी, कार्यक्रम निर्धारित करना शामिल है? क्या सरकार का जनगणना के सवालों का प्रारूप प्रकाशित करने और इन सवालों पर जनता या जनप्रतिनिधियों से इनपुट लेने का कोई प्रस्ताव है? क्या सरकार अलग-अलग राज्यों में किए गए जाति सर्वेक्षण समेत पिछले अनुभवों पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

फर्जी खबरें लोकतंत्र के लिए खतराः वैष्णव

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और आईटी मंत्री वैष्णव लोकसभा में कहा कि फर्जी खबरें लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। एआई जनित डीप फेक वीडियो बनाने वालों और गलत सूचना फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है। सरकार फर्जी खबरों और एआई जनित डीप फेक वीडियो पर अंकुश लगाने के लिए नए नियम बनाने और इसके लिए संस्थागत तंत्र को मजबूत करने पर काम कर रही है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि 'फर्जी खबरें एक बहुत गंभीर मुद्दा है। जो लोग और तंत्र फर्जी खबरें फैलाते हैं, वे भारतीय कानूनों का पालन नहीं करते हैं।

केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित

लोकसभा में केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 पारिता हो गया। इससे पहले विधेयक को पेश करते हुए सीतारमण ने कहा कि चूंकि जीएसटी कानून में अधिकतम कर दर 40 प्रतिशत तय है, इसलिए यदि जीएसटी उपकर हटा दिया जाता है और उत्पाद शुल्क नहीं लगाया जाता है तो तंबाकू पर कुल कर बोझ वर्तमान स्तर से कम हो जाएगा। वहीं, विपक्षी दलों के सांसदों ने कहा कि सरकार को इनके उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए अन्य प्रयास करने होंगे और तंबाकू किसानों का भी ध्यान रखना होगा। शिवसेना के रवींद्र वायकर ने कहा कि यह विधेयक युवाओं को धुएं से बचाने की दिशा में एक 'सर्जिकल स्ट्राइक' है। उन्होंने आग्रह किया कि उपकर से मिलने वाले राजस्व का बड़ा हिस्सा कैंसर अस्पताल और नशा मुक्ति केंद्र बनाने पर खर्च किया जाए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अरुण गोविल ने कहा कि नशे की लत को कम करने की जरूरत है और यह विधेयक इस दिशा में सहायक होगा।

दोनों सदनों में गूंजा दिल्ली प्रदूषण का मामला

पीएम मोदी दें जवाबः हुड्डा

कांग्रेस सांसद और कुछ अन्य सदस्य दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति को लेकर विरोध जताते हुए बुधवार को मॉस्क पहनकर संसद भवन पहुंचे तथा सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की। सांसद हुड्डा ने कहा कि हम यहां की जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। हमारी मांग है कि इस मुद्दे को गंभीरता से लिया जाए और पीएम नरेंद्र मोदी इस पर जवाब देने के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि हरियाणा, पंजाब, यूपी, दिल्ली और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों का एक समूह बनाया जाना चाहिए और दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए बजट आवंटन के साथ एक विस्तृत योजना बनाई जानी चाहिए।

यह रोजाना 50 सिगरेट पीने की तरहः सुप्रिया

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण की स्थिति का उल्लेख करते हुए लोकसभा में कहा कि दिल्ली में घूमने का मलतब एक दिन में 50 सिगरेट पीने जैसा है। उन्होंने कहा कि सरकार को वायु प्रदूषण की स्थिति से निपटने के लिए सांसदों का सहयोग लेना चाहिए। इस ओर ध्यान देने की जरूरत है।

पराली जलाने की घटनाओं में कमी आईः यादव

दिल्ली के पर्यावरण को सरकार के लिए चिंता का विषय बताते हुए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने राज्यसभा में कहा कि केंद्र सरकार ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ लगातार छह बैठकें की हैं। यदि आप 2016 से तुलना करेंगे तो पराली के जलने (की घटनाओं) में 90 प्रतिशत की कमी आई है।

खबर संक्षेप

करनाल में पलटा ट्रक 4 की मौके पर मौत

करनाल। हरियाणा के करनाल जिले में घरौंडा में नेशनल हाईवे-44 पर बड़ा सड़क हादसा हुआ है, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई है। हादसा रॉन्ग साइड में ड्राइविंग के कारण हुआ। ट्रक ने पहले रोडवेज बस को टक्कर मारी, फिर बाइक को कुचला, फिर कार को टक्कर मारकर बीच सड़क पलट गया।

धर्मेंद्र की अस्थियां गंगा में विसर्जित की गईं

हरिद्वार। बॉलीवुड के 'ही मैन' धर्मेंद्र की अस्थियां हरिद्वार में हरकी पौड़ी पर गंगा में विसर्जित की गईं। उनके पारिवारिक पुरोहित पंडित संदीप पाराशर श्रोत्रिय ने बताया कि अस्थि विसर्जन के पूर्व की कर्मकांड विधि निजी होटल में संपन्न कराई गई।

कर्नाटक और झारखंड राजभवन अब लोकभवन

नई दिल्ली। कर्नाटक और झारखंड में राजभवन का नाम बदलकर 'लोकभवन' किया गया है। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत और झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने इसकी मंजूरी दी।

पवन खेड़ा बोले- मोदी सरकार हर स्मार्टफोन में जबरन एक न हटाया जा सकने वाला जासूसी ऐप इंस्टॉल करना चाहती है, आदेश को तत्काल वापस लिया जाए

संचार साथी एप पर कांग्रेस का सवाल

सिंधिया महाराज का फरमान मानें या मंत्रालय के लिखित आदेश को मानें सच

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने संचार साथी ऐप को नागरिकों की निजता पर सीधा हमला करार देते हुए कहा कि मोदी सरकार हर स्मार्टफोन में जबरन एक ऐसा जासूसी ऐप स्थापित करना चाहती है, जिसे हटाया न जा सके। इस एप के फ़रमान को तत्काल वापस लेने की माँग कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार से की है।

नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के मीडिया एवं प्रचार के चेयरमैन पवन खेड़ा ने कहा कि संचार साथी ऐप कानूनी जामा ओढ़कर घरों में घुसने का एक बड़ा षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि संचार साथी नाम का यह ऐप कोई साथी नहीं, बल्कि सरकार का एक हाथी है जो लोगों के फोन में बैठ जाएगा।

कांग्रेस नेता ने दूरसंचार विभाग के उस आदेश पर सवाल उठाया, जिसमें संचार साथी ऐप को हर भारतीय स्मार्टफ़ोन पर प्री-लोड करने, और इसे डिलीट न किए जा सकने की बात कही गई है। उन्होंने केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के उस बयान पर भी तंज कसा, जिसमें उन्होंने कहा था कि ऐप को डिलीट किया जा सकता है और यह अनिवार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि सिंधिया एक महाराज की तरह मौखिक फरमान जारी कर रहे हैं, जबकि लिखित आदेश में इसे अनिवार्य बताया गया था।

> यह ऐप कोई साथी नहीं, बल्कि सरकार का एक हाथी है जो लोगों के फोन में बैठ जाएगा

> सरकार ने वीआईपी लोगों की जासूसी पेगासस से की और आम जनता की जासूसी संचार साथी के जरिए की

पवन खेड़ा नेआगे कहा कि सुरक्षा एक बहाना है, मोदी सरकार का असल निशाना निजता पर है। उन्होंने कहा कि इस ऐप के माध्यम से सरकार नागरिकों के हर मैसेज, फोटो, बैंक लेनदेन और निजी बातचीत की जानकारी अपने पास मंगवाएगी। पवन खेड़ा ने कहा कि मोदी सरकार ने वीआईपी लोगों की जासूसी पेगासस के जरिए की और अब आम जनता की जासूसी संचार साथी के जरिए की जाएगी। उन्होंने भाजपा सरकार के दखल देने वाले निगरानी उपायों को सिलसिलेवार तरीके से याद दिलाते हुए बताया कि मोदी सरकार ने 2017 में सुप्रीम कोर्ट में निजता को मौलिक अधिकार मानने का विरोध किया था।

सरकार ने सूचना का अधिकार कानून को कमजोर किया

2023 में मोदी सरकार ने सूचना का अधिकार कानून को जानबूझकर कमजोर कर दिया। 2025 में सरकार ने आयकर अधिनियम में बदलाव किए और खुद को ईमेल, क्लाउड अकाउंट, मैसेजिंग ऐप, सोशल मीडिया, ऑनलाइन बैंकिंग और यहां तक कि आईओटी के उपकरणों तक की छानबीन का अधिकार दे दिया गया।

कांग्रेस नेता ने भीमा कोरेगांव मामले का भी उल्लेख किया, जिसमें सरकारी नियंत्रण वाले ऐप के माध्यम से नागरिकों के उपकरणों में फाइलें प्लांट करने के आरोप लगे थे। उन्होंने गुजरात में जासूसी के मामलों का भी हवाला दिया और साथ ही कटाक्ष किया कि जो सरकार अपने ही केंद्रीय मंत्रियों की जासूसी के लिए उनके फ़ोन में पेगासस स्पाईवेयर डाल सकती है, उसे संचार साथी कैसे माना जा सकता है।

कांग्रेस नेता ने तंज कसते हुए कहा कि जहां इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी, पीएम केयर फंड में आने वाले पैसों की जानकारी और प्रधानमंत्री की डिग्री के बारे में जानकारी मांगना निजता का हनन है, वहीं नागरिकों के मोबाइल में घुसकर सारी निजी जानकारी ले लेना सरकार का हक बन गया है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार 80 करोड़ डिजिटल नागरिकों की सहमति के बिना उनके मोबाइल में क्यों घुसना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा इस तरह की जासूसी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मांग की कि इस आदेश को तत्काल वापस लिया जाए।

खेड़ा ने आधार डेटा लीक, नमो ऐप डेटा लीक और डेटा बेचने का मुद्दा भी उठाया

पवन खेड़ा ने कहा कि 2018 में 10 एजेंसियों को बिना न्यायिक निगरानी के किसी भी कंप्यूटर से जानकारी इंटरसेप्ट करने का अधिकार दे दिया गया था। 2019 में पेगासस कांड में विपक्षी नेताओं, पत्रकारों, न्यायाधीशों और यहां तक कि केंद्रीय मंत्रियों पर भी जासूसी की गई। खेड़ा ने आधार डेटा लीक, नमो ऐप डेटा लीक और डेटा बेचने का मुद्दा उठाकर भी मोदी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि 2020 में नमो ऐप के तहत कई व्हिसलब्लोअर्स और पत्रकारों के निजी डेटा के लीक होने और उसके दुरुपयोग की बात सामने आई। 2021 में सरकार ने नागरिकों का डेटा निजी कंपनियों को बेचकर 100 करोड़ रुपये से अधिक कमाए।

पीएम से मिले पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद

पीएम मोदी पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों से बोलेः हमें राज्य में चुनाव जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी है

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के बीजेपी सांसदों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की। पीएम मोदी ने राज्य में कानून-व्यवस्था पर भी चर्चा की और कहा कि खगेन मुर्मू जैसी सांसदों पर हमले की घटनाओं को प्रभावी ढंग से उजागर किया जाना चाहिए ताकि लोग टीएमसी के कारण हुई हिंसा को समझ सकें। लोकसभा में पश्चिम बंगाल से बीजेपी के 12 सांसद हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि राज्य की मौजूदा स्थिति के लिए स्पष्ट संचार और सार्वजनिक पहुंच की आवश्यकता है और पार्टी को जमीन पर जो हो रहा है उसका दृढ़ता से मुकाबला करना चाहिए। पीएम मोदी ने सांसदों से विस्तृत प्रस्तुतियां तैयार करने और राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए आगामी राजनीतिक योजना और लामबंदी के लिए पूर्ण जमीनी कार्य सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है।

जमीनी कार्य सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है

पीएम मोदी की यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करने के लिए एक अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बार-बार भाजपा और चुनाव आयोग पर बीएलओ पर अनुचित दबाव डालने का आरोप लगा रही हैं, जिससे विभिन्न मौतें और आत्महत्याएं हो रही हैं। सदन चुनाव सुधारों पर भी चर्चा करने के लिए तैयार है, जहां विपक्षी सांसद एसआईआर का मुद्दा उठाना चाह रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी ने सांसदों से कहा कि हमें कड़ी मेहनत करनी है और यह सुनिश्चित करना है कि हम बंगाल में विधानसभा चुनाव जीतें। आप लोग बहुत आगे बढ़ चुके हैं। इस सत्ता के खिलाफ लड़ाई को जारी रखना होगा। एसआईआर को लेकर उन्होंने कहा कि ये शुद्धिकरण की प्रक्रिया है, होनी ही है। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से लगातार संपर्क करने को भी कहा। सोशल मीडिया के जरिए केंद्र सरकार के कामों को भी जनता तक पहुंचाने का निर्देश भी दिया।

राज्यसभा के सभापति राधाकृष्णन से ...

जॉर्जिया संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाक़ात कर संसदीय व्यवस्था की ली जानकारी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय संसद भवन में आज जॉर्जिया के संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जॉर्जिया की संसद के चेयरमैन महामहिम शाल्वा पापुआशविली ने किया। राज्यसभा सचिवालय के आला अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच संसदीय व्यवस्थाओं को लेकर सार्थक व फलदायी चर्चा हुई। बातचीत में जॉर्जिया में भारत के नए दूतावास के उद्घाटन और दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क बढ़ाने की संभावनाओं का स्वागत किया गया। मुलाक़ात ने भारत–जॉर्जिया संबंधों की मजबूती, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और नियमित संसदीय संवाद को संस्थागत रूप देने की आवश्यकता

पर जोर दिया। बैठक के दौरान पर्यटन, आईटी, फार्मा, नवीकरणीय ऊर्जा, फिल्म एवं खेल क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी विचार हुआ। साथ ही दोनों देशों के विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक आदान-प्रदान, जॉर्जिया में भारतीय छात्रों की बढ़ती उपस्थिति और पर्यटन में वृद्धि जैसे सकारात्मक विकासों पर संतोष व्यक्त किया गया। सभापति राधाकृष्णन के साथ भाजपा के अरुण सिंह और कांग्रेस के सांसद मुकुल वासनिक समेत अन्य नेता भी उपस्थित थे।

संसद की स्थायी समिति ने एनपीपीए को की सिफारिश

ग़ैर-नियंत्रित दवाओं के दाम काबू में लाने के लिए नीति बनेः संसदीय समिति

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सरकार के नियंत्रण से बाहर रहने वाली ग़ैर-शेड्यूल्ड (नॉन-शेड्यूल्ड) दवाओं के दाम अनियंत्रित रूप से बढ़ने और मुनाफाखोरी बढ़ने की आशंकाओं के बीच, संसद की रसायन एवं उर्वरक संबंधी स्थायी समिति ने औषधि विभाग और एनपीपीए (राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण) को तुरंत नई नीति तैयार करने की सिफारिश की है। नई नीति समिति को प्रस्तुत की जाएगी ताकि जरूरी दवाओं के अनापशनाप तरीके से मूल्य वृद्धि पर नियंत्रण लगाया जा सके। संसदीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दवाओं की कीमतों में तेज़ बढ़ोतरी आम नागरिकों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है और मौजूदा नियमों में "बड़ी खामियां" हैं जिन्हें तुरंत दूर करने की जरूरत है।

जीएसटी को वास्तविक एमआरपी से जोड़ने की सलाह

सुझाव दिया कि जीएसटी की गणना थोक कीमतों पर नहीं, बल्कि वास्तविक एमआरपी पर होनी चाहिए, ताकि कंपनियां मुनाफाखोरी न कर सकें। विशेषज्ञों का कहना है कि दवाओं की कीमतों में अलग-अलग स्तर पर लगने वाले मार्जिन को नियंत्रित करना आसान होगा।

गैर-शेड्यूल्ड दवाओं की कीमत बढ़ रही

सरकार द्वारा नियंत्रित दवाओं पर तो एनपीपीए अधिकतम वार्षिक 10 फीसदी तक ही दाम बढ़ाने देता है, लेकिन गैर-शेड्यूल्ड दवाओं पर किसी तरह की सीमा तय नहीं है। अप्रैल 2020 से मार्च 2025 के बीच गैर-शेड्यूल्ड दवाओं की कीमत प्रतिवर्ष औसतन 5.6 फीसदी बढ़ी। यह बढ़ोतरी महंगाई दर (डब्ल्यूपीआई) की सीमा में होने के बावजूद भी मरीजों पर बोझ बढ़ाती है।

दवाओं के दामों में हैरान कर देने वाला मुनाफा

रिपोर्ट के अनुसार कई सामान्य दवाओं में थोक विक्रेताओं का मुनाफा 600%, 1200% और 1800% तक पाया गया। उदाहरण के तौर पर सेट्रिज़ीन की एमआरपी 21.06 रुपए है, जबकि स्टॉकिस्ट इसे 2 रुपए में खरीदते हैं, मतलब लगभग 953% की मुनाफाखोरी हो रही है। उसी तरह पैंटोप्रजोल की एमआरपी आम रोगियों के लिए 102 रुपए है, जबकि स्टॉकिस्ट को कीमत केवल 10 रुपए में मिलती है। मतलब 920% का बेतहाशा मुनाफा। दवाओं की स्टॉकिस्ट कीमतें आम जनता से छिपी रहती हैं।

समिति की टिप्पणीः "बड़ा लूपहोल"

समिति ने कहा कि चूंकि एनपीपीए गैर-शेड्यूल्ड दवाओं के लिए अधिकतम शुरुआती कीमत तय नहीं करता, इसलिए कंपनियां किसी भी मनमानी कीमत पर उत्पाद लॉन्च कर सकती हैं और बाद में मनचाहा मार्जिन जोड़ लेती हैं। आम नागरिकों तक दवाएं सस्ती दरों पर पहुंचें, इसके लिए औषधि विभाग और एनपीपीए को तत्काल नीति समीक्षा करनी चाहिए। सरकार ने एंटी-कैंसर दवाओं पर सफलता पूर्वक मार्जिन नियंत्रित कर कीमतें 50 फीसदी तक घटाई थीं। परंतु अन्य दवाओं के लिए ट्रेड मार्जिन रेशनलाइजेशन पॉलिसी पिछले पांच साल से लंबित है।

पान मसाला पैक पर अब खुदरा मूल्य छापना होगा अनिवार्य, फरवरी से लागू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अगर आप पान मसाला खाते हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। सरकार ने पान मसाला के पैकेटों पर बड़ा फैसला लिया है। अब से चाहे पान मसाला का पैकेट कितना भी छोटा या बड़ा हो, उस पर एमआरपी यानी खुदरा बिक्री मूल्य और लीगल मेट्रोलॉजी रूल्स, 2011 के तहत जरूरी सभी जानकारियां छापनी होंगी। यह नियम 1 फरवरी 2026 से लागू हो जाएगा। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी सेकंड (अमेंडमेंट) रूल्स, 2025 को अधिसूचित किया है। उपभोक्ता मंत्रालय ने बताया कि ये बदले हुए नियम 1 फरवरी 2026 से लागू होंगे। तब से सभी पान मसाला बनाने वालों, पैक करने वालों और आयात करने वालों को इन नियमों का पूरी तरह से पालन करना होगा। पहले छोटे पैकेट, जैसे 10 ग्राम या उससे कम के पैकेट, पर एमआरपी छापना जरूरी नहीं था। लेकिन अब इन छोटे पैकेटों पर भी एमआरपी छापना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा, पान मसाला के सभी पैकेटों पर लीगल मेट्रोलॉजी रूल्स, 2011 के तहत मांगी गई हर जानकारी दिखानी होगी। नोटिफिकेशन के मुताबिक, नियम 26(ए) के तहत जो पुरानी छूट थी, जिसमें छोटे पान मसाला पैकेटों को कुछ जानकारियां नहीं दिखानी पड़ती थीं, उसे अब हटा दिया गया है।

एमआरपी और लीगल मेट्रोलॉजी रूल्स, 2011 के तहत जरूरी

अब एमआरपी क्यों जरूरी?

सभी पैकेटों पर एमआरपी छापना इसलिए जरूरी किया गया है ताकि पान मसाला पर लगने वाले जीएसटी को सही तरीके से लागू किया जा सके। यह जीएसटी एमआरपी पर ही आधारित होता है। इससे जीएसटी काउंसिल के फैसलों को लागू करना आसान होगा। सभी तरह के पैकेटों, चाहे वे कितने भी छोटे क्यों न हों, उन पर टैक्स की सही गणना और वसूली हो सकेगी।

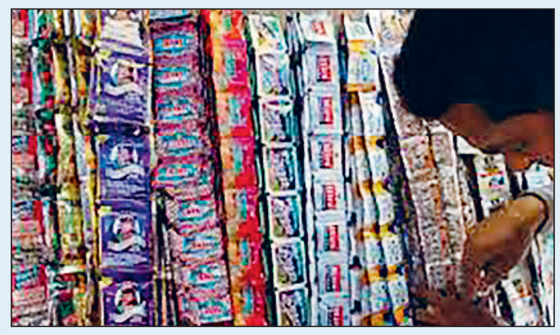

कितना लगता है जीएसटी?

फिलहाल, पान मसाला और तंबाकू पर 28 फीसदी जीएसटी लगता है। इसके अलावा, अलग-अलग दर से कंपनसेशन सेस भी लगता है। यह कंपनसेशन सेस 31 मार्च 2026 तक 4 साल के लिए बढ़ाया गया था। इस सेस से जो पैसा इकट्ठा होता है, उसका इस्तेमाल केंद्र सरकार की ओर से कोविड-19 के दौरान राज्यों को हुए जीएसटी राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए गए कर्ज को चुकाने में किया जा रहा है।

भारत की दिवाला समाधान व्यवस्था की रैंकिंग बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने बुधवार को भारत की दिवाला समाधान व्यवस्था के लिए अपनी रैंकिंग को बढ़ाकर 'ग्रुप-बी' कर दिया। यह संशोधन ऋणदाताओं के अनुकूल माने जा रहे दिवाला समाधान ढांचे और आईबीसी कानून के बेहतर प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने एक बयान में कहा कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) से ऋण अनुशासन मजबूत हुआ है और समाधान प्रक्रिया का संतुलन स्पष्ट रूप से ऋणदाताओं के पक्ष में है। इस वजह से अब प्रवर्तकों के लिए अपने व्यवसाय पर नियंत्रण गंवाने का जोखिम बढ़ गया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि बदले हुए हालात में दिवाला समाधान की मूल्यांकन रैंकिंग को ग्रुप-सी से बढ़ाकर ग्रुप-बी कर दिया गया है।

मंत्रालय ने नियमों को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी, सरकार ने चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया

श्रम संहिता अगले साल 1 अप्रैल से होगी पूरी तरह से लागू, जल्द नियमों का मसौदा जारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र और राज्य सरकारों को जनता की प्रतिक्रिया के लिए नियमों के मसौदे को प्रकाशित करने से पहले सार्वजनिक करना आवश्यक है। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को यहां सीआईआई इंडियाएज 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि चार श्रम संहिताओं के तहत मसौदा नियम प्रकाशित किए जाने से पहले जल्द ही सार्वजनिक किए जाएंगे।

मांडविया ने कहा कि इससे पहले केंद्र सरकार और राज्यों ने नियमों के मसौदे को पहले ही सार्वजनिक कर दिया था, लेकिन वह काफी समय पहले की बात है। अब मसौदे को वर्तमान समय के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नियमों के मसौदे को प्रकाशित करने से पहले, सरकार अधिसूचना के लिए उन्हें अंतिम रूप देने से पहले जनता की टिप्पणियों को लेकर 45 दिन का समय देगी।

सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम श्रम संहिताएं अगले साल एक अप्रैल से पूरी तरह से लागू होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने अधिसूचित कानून के तहत नियमों को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार ने चार श्रम संहिताओं वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कामकाज स्थिति संहिता, 2020 को 21 नवंबर को अधिसूचित किया। किसी कानून को लागू करने के लिए, सरकार को उसके तहत नियमों को अधिसूचित करना आवश्यक है।

जनता की प्रतिक्रिया के लिए अधिसूचित करना जरूरी

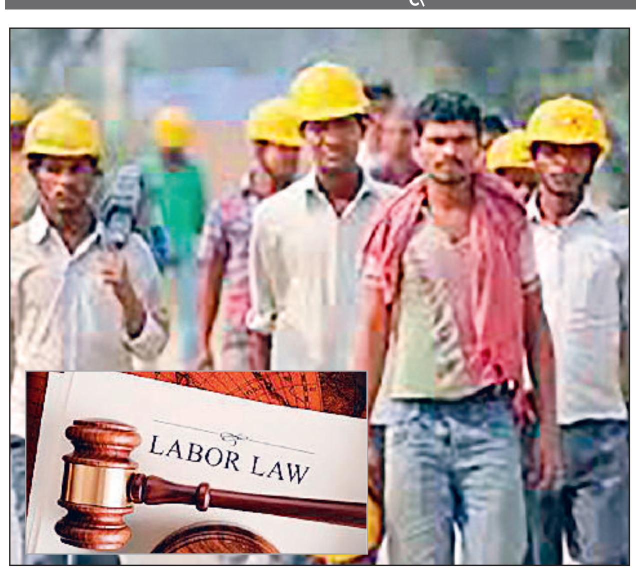

कार्य घंटे अभी भी आठ घंटे

अधिकारी ने यह भी बताया कि सरकार का मकसद नए वित्त वर्ष की शुरुआत यानी एक अप्रैल से इन चारों संहिताओं के क्रियान्वयन के लिए नियम लागू करने का है। मंत्री ने सम्मेलन में एक सत्र के दौरान प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि नई संहिताओं के तहत एक कर्मचारी के लिए कार्य घंटे अभी भी आठ घंटे प्रतिदिन है।

ओवरटाइम का विकल्प मिलेगा

इस प्रमुख श्रम सुधार में 29 मौजूदा श्रम कानूनों को सुसंगत बनाते हुए उन्हें इसमें एकीकृत किया गया है। मांडविया ने कहा कि नई रूपरेखा कर्मचारी को 'ओवरटाइम' का विकल्प प्रदान करती है, जो एक अंतरराष्ट्रीय चलन है।

सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता

मंत्री ने मार्च, 2026 तक 100 करोड़ श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लक्ष्य को पूरा करने की सरकार की मंशा का भी जिक्र किया। यह अभी फिलहाल 94 करोड़ है। सामाजिक सुरक्षा दायरा 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गया है।

श्रम एक समवर्ती विषय

चूंकि श्रम एक समवर्ती विषय है, इसलिए संबंधित सरकारों...केंद्र और राज्यों... को देश भर में इन्हें पूरी तरह से लागू करने के लिए चारों संहिताओं के तहत नियमों को अधिसूचित करना होगा। मंत्री ने श्रम संहिताओं के विभिन्न प्रावधानों का उल्लेख किया।

समान वेतन व अवसर शामिल

इसमें अनिवार्य नियुक्ति पत्र, 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, समान कार्य समान वेतन और महिलाओं को विभिन्न पालियों में काम करने के समान अवसर शामिल हैं।

सोना 1,32,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर

सोने में 670 रुपये की तेजी और चांदी टूटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मजबूत वैश्विक रुझानों और रुपये में भारी गिरावट के कारण सुरक्षित निवेश मांग के लिए समर्थन मिलने से बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 670 रुपये चढ़कर 1,32,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। मंगलवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,31,530 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। हालांकि, सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी ने छह दिन की बढ़त का सिलसिला तोड़ दिया और इसकी कीमत 460 रुपये की गिरावट के साथ 1,80,900 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, "मजबूत वैश्विक रुख और भारतीय मुद्रा में कमजोरी के कारण घरेलू बाजारों में सोने में मामूली बढ़त दर्ज की गई।" बुधवार को, विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच, रुपया पहली बार 90-डॉलर के स्तर को पार कर 90.21 (अस्थायी) के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद से 25 पैसे की गिरावट है।

नेफ्रोप्लस का आईपीओ 10 दिसंबर को खुलेगा

नई दिल्ली। डायलिसिस सेवा प्रदाता कंपनी नेफ्रोकेयर हेल्थ सर्विसेज लिमिटेड अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी का आईपीओ 10 दिसंबर को खुलकर 12 दिसंबर को बंद होगा।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Ms. Ravleen Kaur
Civil Judge (Junior Division), Rohtak
CANARA BANK THROUGH SH. TARUN SHARMA, ITS MANAGER AND PRINCIPAL OFFICER
Vs.
MAHESH KUMAR S/O SH. DHIRENDER SINGH
CNR No. HRRH02-001731-2024
Next Date : 12-12-2025
PUBLICATION ISSUED TO :-
Mahesh Kumar S/o Sh. Dhirender Singh Manager Super and Sipper, Asthal Bohar, Rohtak R/o Baba Mastnath University, Delhi Road, Rohtak also at R/o H.NO. 5482, Sec-3, Ballabgarh, Faridabad-121004
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **12.12.2025 at 10:00 a.m.**
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Rohtak
Sd/-Civil Judge (Junior Division), Rohtak
Dated, this day of 13.11.2025

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर कर्षण चल स्टॉक, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, गाजियाबाद द्वारा निविदा संख्या **230-TRS-GZB-2024-25-40-RT** के आधार पर ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है।

1.	कार्य का विवरण	'Dismantling, Overhauling, Assembling, testing and fitting of Air dryer of Trident make during IOH/MOH of Electric locomotives for a period of 24 months at Electric Loco Shed- Ghaziabad.
2.	कार्य की अनुमानित लागत	Rs. 67,43,895.13
3.	धरोहर राशि	Rs. 1,34,900.00
4.	निविदा बोली प्रस्तुत करने की समापन तिथि और समय	29.12.2025 (15:00 Hrs.)
5.	निविदा खोलने की तिथि और समय	29.12.2025 (After 15:00 Hrs.)
6.	वेबसाइट विवरण जहाँ निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

नोट : (i) निविदाकर्ता को ई–निविदा प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट प्रणाली (IREPS) साइट अर्थात **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत होना चाहिए। (ii) सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। (iii) कोई मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं हैं।
संख्या: 230-TRS-GZB-2024-25-40-RT दिनांक : 29.11.2025 **3742/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC/ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सौरभ कुमार पुत्र** जयपाल, **निवासी** मकान नं0 आई/93 प्रेम नगर–2, किरारी, दिल्ली, ने **FIR No. 375/2016, U/S 457/380/44/34 IPC, पुलिस स्टेशन अमन विहार, रोहिणी जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सौरभ कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सौरभ कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 375/2016, U/S 457/380/44/34 IPC, पुलिस स्टेशन अमन विहार, रोहिणी जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **सौरभ कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.01.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री शगुन
DP/16171/RD/2025 न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, उत्तर–पश्चिम,
(Court Matter) कोर्ट नं0 109, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

दर कटौती पर होगा फैसला

रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती की उम्मीद

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक हुई शुरू

मुंबई (एजेंसी)। मौद्रिक नीति तय करने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन-दिवसीय बैठक बुधवार को शुरू हो गई। इस बैठक में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती की संभावना जताई जा रही है लेकिन कुछ विशेषज्ञ यथास्थिति कायम रहने की भी उम्मीद जता रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह-सदस्यीय एमपीसी का फैसला शुक्रवार को घोषित किया जाएगा। यह द्विमासिक समीक्षा बैठक खुदरा मुद्रास्फीति में लगातार नरमी, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उच्च वृद्धि दर, डॉलर के मुकाबले रुपये का भाव 90 के पार चले जाने और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बीच हो रही है। आरबीआई ने इस साल फरवरी से जून के दौरान तीन किस्तों में रेपो दर में कुल एक प्रतिशत अंक की कटौती की थी। हालांकि, उसके बाद अगस्त एवं अक्टूबर की बैठकों में रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया।

मौजूदा दर भी कायम रह सकते हैं

इस पृष्ठभूमि में कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि और वैश्विक अनिश्चितताओं को देखते हुए मौजूदा दरों को ही कायम रख सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री अदिति गुप्ता ने कहा कि एमपीसी रेपो दर को संभवतः 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखेगी और तटस्थ रुख बनाए रखेगी।

PUBLIC NOTICE
DISTRICT CONSUMER DISPUTES REDRESSAL COMMISSION, AURANGABAD, MAHARASHTRA.
Telephone Number: 0240/2321202.
Email: confo-au-mh@nic.in
Complainant: - Dhanashree Tambe
// VERSUS //
Respondent: - Flying High Paradise
Whereas the above **Dhanashree Sanjay Tambe** named Filed Consumer claimant Complaint No.CC/387/2025 before the Dist. Consumer Dispute Redressal Commission, Aurangabad. Maharashtra. Under Section 35 of Consumer Protection Act 2019 againts **Flying High Paradise Pvt. Ltd. through its Directors**
That **Kailas Tiwari 37/F/F Pratap Nagar, Mayur Vihar Phase I, Delhi I 110091** the Notices of this complaint issued to you many times and the same have not been served upon you as returned Address Left. You are hereby warned to appear before this Commission in person or through pleader. If you fail to attend The Commission on **30/12/2025 at 11.00AM.** the commission may in its desecration to proceed with the complaint as Ex-Party and decide it on merit.
Date of Next Hearing:- 30/12/2025
Today's Date: - 03/12/2025
SEAL
Registrar, District Consumer Disputes Redressal Commission Aurangabad, Maharashtra.

कार्यालय नगर पंचायत भानुप्रतापपुर जिला - उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

क्र / 641 / लो.नि.वि. / न.पं. / 2025-26 भानुप्रतापपुर, दिनांक 03/12/2025

-: ई-प्रोक्यूरमेंट प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना :-
Main Portal:- https://eproc.cgstate.gov.in

नगर पंचायत भानुप्रतापपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु निम्नानुसार ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (लाख में)	अमानत राशि (टी.डी.आर./ एफ.डी. आर. में)	कार्य अवधि	रिमार्क
1	181007	CONSTRUCTION OF SHOPPING COMPLEX AT DALLIRAJHARA ROAD AT WARD NO. 03 BHANUPRATAPPUR (निकाय/ प्रीमियम मद)	168.55	126500.00	12 माह	सक्षम श्रेणी में पंजीकृत

उपरोक्त निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं शर्तें उल्लेखित वेबसाईट एवं विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं नगर पंचायत भानुप्रतापपुर में कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण विभाग शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

ई-प्रोक्यूरमेंट बीड सबमिट करने की अंतिम तिथि 31.12.2025 को शाम 5.30 बजे तक एवं फिजिकल डाक्यूमेंट सबमिट करने की अंतिम तिथि 05.01.2026 को शाम 5.30 बजे तक तथा ई-निविदा खोलने की तिथि 06.01.2026 को प्रातः 11.00 बजे निर्धारित की गई है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत, भानुप्रतापपुर, जिला- उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

राशिफल

मेष – कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष – कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म–कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन – अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क – आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान–पान में रुचि बढ़ेगी, संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह – पठन–पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या – नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात–निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला – आलस्य की अधिकता रहेगी, घर–परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक – वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे, वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु – रहन–सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान–पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर – आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान–पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन – रहन–सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

विदेशी पूंजी की निकासी से घरेलू बाजारों में लगातार चौथे दिन गिरावट, सेंसेक्स 31 अंक टूटा

मुंबई (भाषा)। स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और दोनों मानक सूचकांक मामूली नुकसान के साथ बंद हुए। सीमित कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 31 अंक नीचे आया जबकि एनएसई निफ्टी में 46 अंक की गिरावट आई। तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 31.46 अंक यानी 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,106.81 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 374.63 अंक तक नीचे आ गया था। इसी प्रकार 50 शेयर वाला एनएसई निफ्टी 46.20 अंक यानी 0.18 प्रतिशत फिसलकर 25,986 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और बजाज फिनसर्व के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। दूसरी ओर लाभ में रहने वाले शेयर में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। ऑनलाइन ट्रेडिंग एवं संपत्ति प्रौद्योगिकी कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर. ने कहा, "भारतीय रुपये के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने के कारण शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। इससे विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मुनाफावसूली शुरू कर दी जबकि मुद्रा की कमजोरी ने उनके डॉलर-समायोजित 'रिटर्न' पर असर डाला।" बीएसई मिडकैप में 0.95 प्रतिशत और स्मॉलकैप 0.43 प्रतिशत की गिरावट आई। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजित मिश्रा ने कहा, "डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने और रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने से बाजार की धारणा प्रभावित हुई। इससे आयात लागत को लेकर चिंताएं बढ़ गईं और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी शुरू हो गई। इसके अलावा मौद्रिक समिति की बैठक से पहले सतर्कता और मिले-जुले वैश्विक संकेतों ने भी बाजार की सुस्ती को और बढ़ा दिया।"

शब्द पहेली - 6067

बाएँ से दाए
1. मूर्ख, बुद्धिहीन-4
3. रुई की फसल-3
5. वंश, खानदान-2
6. आह, पीड़ा भरी ध्वनि-3
7. जी, इच्छा, चित्त-2
9. पहनना-3
11. दास, नौकर, सेवक-5
14. अग्नि, आग-3
16. चयनित, स्वीकृत-4
17. जाति, संप्रदाय-2
18. उस समय-2
19. आदत, व्यवहार-4
23. माला का मोती-3
24. लालन-पालन-5
27. पूर्णिमा-3
28. वश, अधीन-2
30. खबर देने वाला-3
31. खदान, माइन-2
32. आश्रय, पनाह-3
33. संपत्ति-4

ऊपर से नीचे
1. घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2. धारा के बीच में, अधर में-2,2
3. आफत, आपदा-3
4. एक समान-2
5. गृहपति, चांसलर-4
6. दाना-2
8. प्रतिकृति, प्रतिरूप-3
10. रोकर धनराशि-3
12. प्रेम, आसक्ति-3
13. नीर, जल-2
15. भाग्य, तकदीर-3
17. जंबुल, जांब-3
18. टेंशन, परेशानी-3
20. काया, बदन-2
21. उष्णता-3
22. नाश होने योग्य-4
23. साम्राज्ञी, रानी-3
25. रमण करने योग्य-4
26. अदा, चोंचला-3
27. पूड़ी, गोलगप्पा-2
29. पिता की बहन-2
31. उर्वरक, गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली- 6066 का हल

■	श	म	शा	न	■	म	ति	मं	द	■
क	■	■	य	■	वी	■	रं	■	■	शै
र	■	प	र	व	र	दि	गा	र	■	ता
ता	ड़	ना	■	■	वा	■	■	ज	वा	न
र	■	ह	■	प	र	दा	■	त	री	■
■	नी	■	गै	र	■	म	जा	■	स	■
■	र	वि	■	म	न	न	■	स	■	आ
ग	ज	रा	■	■	फा	■	■	ह	की	म
र	■	म	ह	सू	स	क	र	ना	■	द
म	■	■	रा	■	त	■	खै	■	■	नी
■	सो	म	ना	थ	■	य	ल	गा	र	■

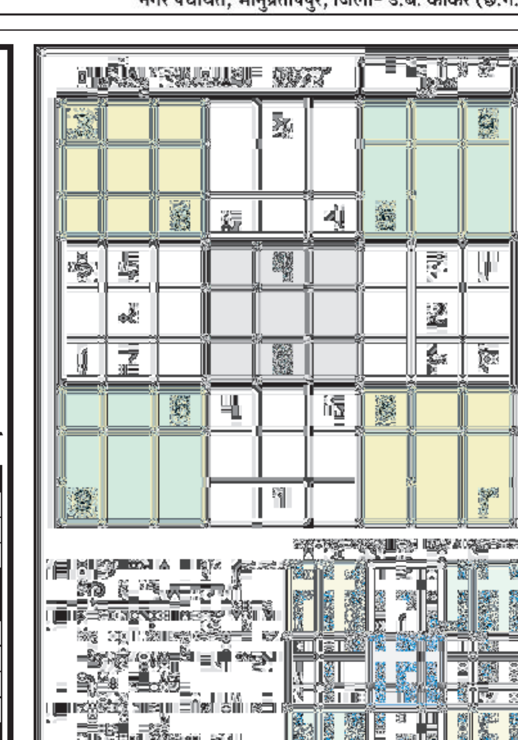

विराट और ऋतुराज ने तोड़ा सचिन और कार्तिक का रिकॉर्ड

विराट और ऋतुराज के बीच ये साझेदारी भारत की तरफ से साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले ये रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर और दिनेश कार्तिक के नाम था। इन दोनों प्लेयर्स के बीच साल 2010 में ग्वालियर में खेले गए मैच में 194 रन की पार्टनरशिप हुई थी। अब विराट और गायकवाड़ ने मिलकर उनका ये 15 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। आपको बता दें कि 2010 में ग्वालियर में खेले गए उस मैच में सचिन तेंदुलकर ने दोहरा शतक लगाया था।

सा.अ. के खिलाफ सबसे ज्यादा शतकीय पारियां खेलने वाले खिलाड़ी

- सचिन तेंदुलकर - 12 शतक
- विराट कोहली - 10 शतक
- रिकी पोंटिंग - 10 शतक
- डेविड वॉर्नर - 10 शतक
- केन विलियमसन - 10 शतक

भारत के लिए सबसे बड़ी साझेदारी करने वाले बल्लेबाज

- 195 - विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़, रायपुर, 2025
- 194 - सचिन तेंदुलकर और दिनेश कार्तिक, ग्वालियर, 2010
- 193 - सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली, जोहान्सबर्ग, 2001

'किंग कोहली' का जलवा, सिक्स लगाकर खोला खाता, लगातार जड़ा दूसरा शतक

टीम इंडिया ने दिल जीता, मैच हारी, अफ्रीका ने चार विकेट से हराकर सीरीज बराबर की

भाषा ⏭ रायपुर

सलामी बल्लेबाज एडेन मारक्रम के शतक के बाद मैथ्यू ब्रीट्जके और डेवाल्ड ब्रेविस के अर्धशतक से दक्षिण अफ्रीका ने विराट कोहली और रुतुराज गायकवाड़ शतकों पर पानी फेरते हुए भारत को यहां दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में चार विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। भारत के 259 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने मारक्रम की 98 गेंद में 10 चौकों और चार छक्कों से 110 रन की पारी और ब्रीट्जके (68 रन, 64 गेंद, पांच चौके) तथा ब्रेविस (54 रन, 34 गेंद, पांच छक्के, एक चौका) के अर्धशतक से 49.2 ओवर में छह विकेट पर 262 रन बनाकर जीत दर्ज की। यह विदेशी सरजमीं पर लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की सबसे बड़ी जीत है जबकि भारत के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए किसी भी टीम की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी जीत है। ऑस्ट्रेलिया ने भी इससे पहले भारत के खिलाफ 359 रन के लक्ष्य को हासिल किया था। ब्रीट्जके और ब्रेविस ने चौथे विकेट के लिए 64 गेंद में 92 रन की आक्रामक साझेदारी भी की जबकि मारक्रम ने कप्तान तेम्बा बावुमा (46) के साथ दूसरे विकेट के लिए 101 और ब्रीट्जके के साथ तीसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़े। कोहली (102 रन, 93 गेंद, सात चौके, दो छक्के) ने इससे पहले रिकॉर्ड में सुधार करने वाला 53वां और लगातार दूसरा शतक जड़ने के अलावा गायकवाड़ (105 रन, 83 गेंद, 12 चौके, दो छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की सझेदारी भी की जिससे भारत ने पांच विकेट पर 358 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

घर पर कोहली का 40वां शतक

विराट कोहली ने इसी के साथ इंटरनेशनल क्रिकेट में घर पर 40 शतक पूरे कर लिए हैं। वो अब सिर्फ सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं। 37 साल का खिलाड़ी अगर 2027 तक वनडे क्रिकेट खेलता है तो उनके पास सचिन तेंदुलकर का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने का शानदार मौका होगा। सचिन तेंदुलकर के घर पर कुल 42 शतक और विराट कोहली उनकी बराबरी करने से अब सिर्फ 2 शतक और उन्हें पीछा छोड़ने से सिर्फ 3 शतक दूर हैं।

कोहली ने की रिकी पोंटिंग और केन विलियमसन की बराबरी

विराट कोहली का साउथ अफ्रीका के खिलाफ अभी तक तीनों ही फॉर्मेट में शानदार रिकॉर्ड देखने को मिला है, जिसमें ये उनका इंटरनेशनल क्रिकेट में अफ्रीका के खिलाफ तीनों फॉर्मेट को मिलाकर अब तक का 10वां शतक है। कोहली ने इस लिस्ट में अब रिकी पोंटिंग, डेविड वॉर्नर और केन विलियमसन की बराबरी कर ली है, जिसमें तीनों ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीनों फॉर्मेट को मिलाकर 10 शतकीय पारियां खेली हैं, वहीं कोहली अब इन तीनों के बराबर पहुंच गए हैं, जिसमें वह लिस्ट में संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं।

रोहित 14 रन में ही रच दिया इतिहास

दरअसल, रोहित शर्मा को पहले 4 ओवर में सिर्फ 3 गेंद खेलने का मौका मिला और 2 रन बनाए। हालांकि, अगले ही ओवर में रोहित ने चौकों की हैट्रिक जड़ते हुए कमाल कर दिया। रोहित ने इन चौकों की मदद से घर पर इंटरनेशनल क्रिकेट में 9 हजार रन पूरे कर लिए। इस मैच से पहले रोहित को 9 हजार रन के आंकड़ें को छूने के लिए सिर्फ 9 रनों की दरकार थी। अब रोहित घर में 9 हजार रन बनाने वाले महज चौथे भारतीय बन गए हैं।

ऋतुराज ने जड़ा वनडे का पहला शतक

ऋतुराज गायकवाड़ ने इस मैच में 77 गेंदों में सेंचुरी पूरी की। वह भारत की तरफ से साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज युसूफ पठान हैं। युसूफ ने साल 2011 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 68 गेंदों में शतक लगाया था। उनका ये रिकॉर्ड अभी तक कोई नहीं तोड़ पाया है। ऋतुराज के लिए यह उनके वनडे करियर का पहला शतक है।

भारत

यशस्वी जायसवाल का बॉश बो यानसेन	22
रोहित शर्मा का डिकॉक बो बर्गर	14
कोहली का मारक्रम बो एनगिडी	102
गायकवाड़ का डिजॉर्जी बो यानसेन	105
लोकेश राहुल नाबाद	66
वाशिंगटन सुंदर रन आउट	01
रविंद्र जडेजा नाबाद	24
अतिरिक्त:	24

कुल: 50 ओवर में पांच विकेट पर: 358 रन
विकेट पतन: 1-40, 2-62, 3-257, 4-284, 5-289
गेंदबाजी: बर्गर 6.1-0-43-1, एनगिडी 10-1-51-1, यानसेन 10-0-63-2, महाराज 10-0-70-0, बॉश 8-0-79-0, मारक्रम 5.5-0-48-0

दक्षिण अफ्रीका

एडेन मारक्रम का गायकवाड़ बो हर्षित	110
डिकॉक का वाशिंगटन बो अर्शदीप	08
तेम्बा बावुमा का हर्षित बो प्रसिद्ध	46
मैथ्यू ब्रीट्जके पगबाधा बो कृष्णा	68
ब्रेविस का जायसवाल बो कुलदीप	54
टॉनी डिजॉर्जी रिटायर्ड हर्ट	17
यानसेन का गायकवाड़ को अर्शदीप	02
कोर्बिन बॉश नाबाद	29
केशव महाराज नाबाद	10
अतिरिक्त:	18

कुल: 49.2 ओवर में छह विकेट पर: 362 रन
विकेट पतन: 1-26, 2-127, 3-197, 4-289, 5-317, 6-322
गेंदबाजी: अर्शदीप 10-0-54-2, हर्षित 10-0-70-1, प्रसिद्ध 8.2-0-85-2, वाशिंगटन 4-0-28-0, जडेजा 7-0-41-0, कुलदीप 10-0-78-1

खबर संक्षेप

मैं वापसी नहीं कर रही हूं : सेरेना विलियम्स

न्यूयॉर्क। सेरेना विलियम्स ने इन खबरों का खंडन किया है कि वह टेनिस में वापसी की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि वह 'वापस नहीं कर रही हैं।' इससे पहले अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के प्रवक्ता ने कहा कि 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना ने खेल के ड्रग परीक्षण निकाय के साथ पंजीकरण कराया है। इसके बाद ही उनकी वापसी को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी थी। संन्यास ले चुके किसी भी खिलाड़ी को वापसी करने के लिए सबसे पहले डोप परीक्षण के लिए पंजीकरण करना होता है।

डेजर्ट वाइपर्स ने दुबई कैपिटल्स को चार विकेट से हराया

दुबई। डेजर्ट वाइपर्स ने विश्व आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले मैच में गत चैंपियन दुबई कैपिटल्स को चार विकेट से हराकर पिछले साल फाइनल में मिली हार का बदला चुकता कर दिया। दुबई कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 150 रन बनाए। उसकी तरफ से रोवमैन पावेल ने 39 और मोहम्मद नबी ने 29 रन का योगदान दिया। वाइपर्स की तरफ से नूर अहमद, डेविड पाइने और खुजैमा तनवीर ने दो-दो विकेट लिए। वाइपर्स ने एंड्रीस गौस के अर्धशतक की मदद से 19 ओवर में छह विकेट पर 151 रन बनाकर जीत हासिल की।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेंगे गिल, उपकप्तानी भी मिली

रायपुर। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट से उबर गए हैं और उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए उप कप्तान के रूप में टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों ने यह जानकारी दी। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। इस कारण वह गुवाहाटी में खेले गए दूसरे टेस्ट और मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाए।
बीसीसीआई सूत्र ने कहा, 'गिल पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और उन्हें टीम में शामिल कर लिया गया है। वह उप कप्तान के रूप में वापसी करेंगे।'

- 5 मैच की टी20 श्रृंखला 9 दिसंबर से कटक में होगी शुरू

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैच की टी20 श्रृंखला 9 दिसंबर से कटक में शुरू होगी। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या फिट होकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों 1की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल हुए।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया खेलेंगी सीरीज

इसके लिए टीम का चयन करने के लिए बुधवार को यहां चयन समिति की बैठक हुई। सूर्यकुमार यादव भारत के नियमित टी20 कप्तान हैं। सूत्र ने उन रिपोर्टों का भी खंडन किया, जिनमें कहा गया था कि बोर्ड के अधिकारी सीनियर खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा तथा मुख्य कोच गौतम गंभीर के बीच बढ़ते तनाव पर चर्चा करने के लिए बैठक करने की योजना बना रहे हैं। रोहित 38 वर्ष और कोहली 37 वर्ष के हैं और अब वे राष्ट्रीय टीम के लिए केवल एकदिवसीय प्रारुप में खेलते हैं। इसको लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या वे 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक खेल पाएंगे। गंभीर और राष्ट्रीय चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने इस संभावना पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है।

ब्रूइस के खिलाफ आक्रामक बर्ताव पर आईसीसी ने राणा को लगाई फटकार

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा को फटकार लगाई और रांची में पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को आउट करने के बाद उनके आक्रामक बर्ताव के लिए एक डिमेरिट अंक उनके खाते में जोड़ दिया। आईसीसी ने कहा, 'राणा को आईसीसी की आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन का दोषी पाया गया।' यह घटना रविवार को दक्षिण अफ्रीका की पारी के 22वें ओवर में हुई जब भारत के तेज गेंदबाज ने ब्रेविस को आउट करने के बाद ड्रेसिंग रूम की तरफ इशारा किया, जिससे बल्लेबाज आक्रामक प्रतिक्रिया दे सकता था। राणा को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर उसका अपमान करने वाली भाषा, एक्शन या इशारे करने या आक्रामक प्रतिक्रिया देने से जुड़ा है। आईसीसी के बयान में कहा गया, 'इसके अलावा राणा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है और उनकी यह 24 महीने के समय में पहली गलती थी।

शाई का अर्धशतक बेकार, न्यूजीलैंड की वेस्टइंडीज पर 96 रन की बढ़त

क्राइस्टचर्च। शाई होप ने आंखों में संक्रमण के कारण धूप का चश्मा पहनकर बल्लेबाजी की, लेकिन उन्होंने गेंद को अच्छी तरह से देखा और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला टेस्ट अर्धशतक लगाया लेकिन इसके बावजूद वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 167 रन पर आउट हो गई। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 231 रन बनाए और इस तरह से उसने 64 रन की बढ़त हासिल की। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 32 रन बनाए हैं और इस तरह से उसकी कुल बढ़त 96 रन की हो गई है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय कप्तान टॉम लैथम 14 और डेवोन कॉनवे 15 रन पर खेल रहे थे। न्यूजीलैंड ने सुबह अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 231 रन से आगे शुरू की लेकिन वह इसमें एक रन भी नहीं जोड़ पाया और दिन की तीसरी गेंद पर ही उसकी पारी समाप्त हो गई।
इसके बाद जैकब डफी ने 34 रन देकर पांच विकेट लिए। वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय छह विकेट पर 157 रन था लेकिन उसने अपने बाकी विकेट केवल 10 रन के अंदर गंवा दिए। यह चारों विकेट डफी ने लिए और इस तरह से अपने टेस्ट करियर में पहली बार एक पारी में पांच या इससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया। वेस्टइंडीज के केवल चार बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे। होप (56) के अलावा सलामी बल्लेबाज तेगनारायण चंद्रपाल (52) ने भी अर्धशतक लगाया। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी की।

गाबा में अपना विजय अभियान जारी रखने उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी ⏭ ब्रिस्बेन

पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में धमाकेदार जीत दर्ज करने के बाद उत्साह से भरी ऑस्ट्रेलिया की टीम इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले दूसरे दिन रात्रि एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी।

इंग्लैंड ने 1986 के बाद से गाबा में कोई एशेज टेस्ट नहीं जीता है। वह 2010-11 श्रृंखला के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपनी पहली जीत हासिल करने की तलाश में भी है। ऑस्ट्रेलिया का दिन रात्रि टेस्ट मैच में रिकॉर्ड अच्छा है लेकिन वह इस बात को भूल नहीं सकता कि वह पिछले साल जनवरी में गाबा में वेस्टइंडीज से आठ रन से हार गया था। गाबा ऐसा मैदान है, जहां ऑस्ट्रेलिया की टीम दशकों से लगभग अपराजेय रही है।

आंखों के नीचे काली पट्टी बांधकर खेलेंगे स्टीव स्मिथ

पैट कमिंस की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया की टीम की कमान संभालने वाले स्टीव स्मिथ इस मैच में किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं और इसलिए उन्होंने अपनी आंखों के नीचे काली पट्टी बांधने का फैसला किया है ताकि वह दूधिया रोशनी में अच्छी तरह से बल्लेबाजी कर सकें। उन्होंने इसके लिए बाकायदा वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपाल से सलाह भी ली है। चंद्रपाल अक्सर आंखों के नीचे काली पट्टी लगाकर खेला करते थे। आमतौर पर दूधिया रोशनी में खेलने वाले फुटबॉलरों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली काली पट्टियां स्मिथ की इस कोशिश का हिस्सा हैं कि वे बदलती रोशनी में इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण का गुलाबी गेंद से अच्छी तरह से सामना कर सकें।

आईसीसी वनडे रैंकिंग

विराट ने लगाई छलांग, पहुंचे चौथे स्थान पर, गिल को नुकसान

एजेंसी ⏭ दुबई

विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रांची में पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में मैच विजयी शतकीय पारी की बदौलत बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए। कोहली ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 120 गेंद में 135 रन की पारी खेली, जो 50 ओवर के प्रारुप में उनका 52वां शतक था। उनकी पारी की बदौलत भारत ने 17 रन से जीत दर्ज की। सैंतीस साल के कोहली के अब 751 रैंकिंग अंक हैं। वह शीर्ष पर बरकरार पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा (783), न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल (766) और अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान (764) से पीछे हैं।

कोहली ने गिल को पीछे छोड़ा

कोहली ने भारत के एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल को पीछे छोड़ा जो गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की मौजूदा श्रृंखला से बाहर होने के कारण पांचवें स्थान पर खिसक गए।
भारत के सीमित ओवरों के मुकाबलों के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी चोट से उबर रहे श्रेयस अय्यर नौवें स्थान पर बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में चार विकेट चटकाने वाले बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव गेंदबाजों की सूची में एक स्थान के फायदे से छठे पायदान पर हैं। टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल नौवें स्थान पर बने हुए हैं जबकि गिल एक स्थान के नुकसान ने 12वें पायदान पर हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी 12वें से 14वें स्थान पर खिसक गए हैं।

879 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार बुमराह

टेस्ट गेंदबाजों की सूची में भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 879 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी (846) पर 33 अंक की बढ़त बना रखी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैच की टेस्ट श्रृंखला में कमजोर प्रदर्शन के बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 11वें से 13वें जबकि कुलदीप 13वें से 15वें स्थान पर खिसक गए। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती ने क्रमश: बल्लेबाजों और गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान कायम रखा है।

प्रीमियर लीग

एर्लिंग हालैंड ने बनाया रिकॉर्ड 111वें मैच में दागा 100वां गोल

लंदन। एर्लिंग हालैंड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में सबसे कम मैच में 100 गोल करने का नया रिकॉर्ड बनाया, जिससे मैनचेस्टर सिटी ने फुलहम की अच्छी वापसी के बावजूद 5-4 से जीत दर्ज की। हालैंड ने खेल के 17वें मिनट में अपनी टीम की तरफ से पहला गोल करके गोल का शतक पूरा किया। यह उनका प्रीमियर लीग में 111वां मैच था और इस तरह से वह इस प्रतियोगिता में सबसे कम मैच में 100 गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के दिग्गज एलन शीयर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 124 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी। मैनचेस्टर सिटी की टीम ने एक समय 5-1 से बढ़त बना रखी थी लेकिन इसके बाद फुलहम ने शानदार वापसी की। वह इंजरी टाइम में बराबरी का गोल करने की करीब पहुंच गया था लेकिन जोश किंग का प्रयास विफल हो गया।

महिला नेशंस लीग

56 हजार दर्शक मौजूदगी में स्पेन ने जर्मनी को हराया

मैड्रिड। क्लाउडिया पिना के दो गोल की बदौलत स्पेन ने महिला नेशंस लीग के फाइनल के दूसरे चरण में जर्मनी को 3-0 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा। एटलेटिको मैड्रिड के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लगभग 56 हजार दर्शक मौजूद थे, जो घरेलू मैदान पर स्पेनिश टीम के लिए एक रिकॉर्ड है। इन दोनों टीम के बीच फाइनल का पहला चरण गोलरहित बराबरी पर छूटा था। इस कारण दोनों टीम के लिए दूसरे चरण का मैच महत्वपूर्ण बन गया था। स्पेन ने शुरू से ही मैच पर दबदबा बना दिया था। उसकी तरफ से पिना के अलावा विक्की लोपेज ने भी गोल किया। स्पेन की टीम इस मैच में तीन बार की बैलन डीओर विजेता ऐताना बोनमाटी के बिना उतरी थी, जो रविवार को अभ्यास के दौरान चोटिल हो गई थी।

राष्ट्रपति की कार है चलता-फिरता किला!

बुलेटप्रूफ, ग्रेनेड-प्रूफ 598 एचपी वाली सेफ कार में सफर करते हैं पुतिन

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत दौरे पर 4 और 5 दिसंबर को पहुंचेंगे। इस दौरान वे औरस सेनाट लिमोजीन में सफर करेंगे, जो 598 हॉर्सपावर वाले वी8 हाइब्रिड इंजन, बुलेटप्रूफ कवच, विस्फोट सुरक्षा, रन-फ्लैट टायर और मिनी कमांड सेंटर जैसी सुविधाओं से लैस है

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दुनिया के उन नेताओं में शामिल हैं जिनके दोस्त और दुश्मन दोनों की कमी नहीं है। उनकी जीवनशैली और वाहन अक्सर मीडिया की सुर्खियों में बने रहते हैं। पुतिन 4 और 5 दिसंबर को भारत दौरे पर रहेंगे और इस दौरान उनके साथ उनकी प्रेसिडेंशियल स्टेट कार औरस सेनाट लिमोजीन भी देखी जाएगी।

■ दो दिवसीय भारत दौरे पर रहेंगे राष्ट्रपति पुतिन

यह कार रूसी कंपनी औरस ने बनाई है और यह पहले इस्तेमाल होने वाली मर्सिडीज़-बेंज एस 600 गार्ड पुलमैन की जगह ले चुकी है।

कार में लगा है 4.4 लीटर ट्विन-टर्बो वी8 हाइब्रिड इंजन

46 किलोवॉट का इलेक्ट्रिक मोटर और नाइन स्पीड

रूस के राष्ट्रपति पुतिन की औरस सेनाट लिमोजीन कार।

रूसी पहचान साफ नजर आती है

औरस सेनाट लिमोजीन का डिजाइन सोवियत युग की जेआईएस-110 लिमोजीन पर आधारित है। पुरानी शैली और मॉडर्न डिजाइन का बेहतरीन मिश्रण इस कार को अनोखा बनाता है। इसमें बड़ा ग्रिल, वर्टिकल स्लैट्स, स्लीक एलईडी हेडलाइट्स और कैब-रियरवर्ड सिल्हूट है, जो इसे रोल्स-रॉयस गोस्ट जैसा बनाता है, लेकिन इसमें रूसी पहचान साफ नजर आती है।

चलते-फिरते दफ्तर की तरह सुविधाएं

वजन कई टन और लंबाई लगभग 7 मीटर होने के बावजूद, यह कार तेज और आरामदायक है। यात्रियों के लिए इसमें प्रीमियम लेदर अपहोल्स्ट्री, पॉलिश्ड वुड ट्रिम, दो इंफोटेनमेंट डिस्प्ले, अलग-अलग रिक्लाइनिंग सीटें, फोल्ड-आउट टेबल्स और मिनी-फ्रिज जैसी सुविधाएं हैं। एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस फीचर्स जैसे एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल और पेडेस्ट्रियन इमरजेंसी ब्रेकिंग इसे बेहद सुरक्षित बनाते हैं।

एक नजर कार की विशेषताओं पर

- ***बुलेटप्रूफ कवच:*** *पूरी बॉडी और शीशे बेहद मजबूत मटीरियल से बने हैं, जो आर्मर-पियर्सिंग गोलियों और हैंड ग्रेनेड के हमलों को रोकते हैं।*
- ***मोटे बुलेटप्रूफ शीशे:*** *खिड़कियों की मोटाई लगभग 6 सेंटीमीटर है।*
- ***विस्फोट सुरक्षा:*** *गाड़ी का नीचे का हिस्सा ब्लास्ट प्रूफ है।*
- ***रन-फ्लैट टायर:*** *गोली लगने या पंक्चर होने पर भी गाड़ी लंबी दूरी तक चल सकती है।*
- ***आग बुझाने की ऑटोमैटिक व्यवस्था:*** *इंजन या गाड़ी के नीचे आग लगने पर सिस्टम स्वयं आग बुझा देता है।*
- ***केमिकल/गैस अटैक से सुरक्षा:*** *केबिन में विशेष एयर फिल्टर और अतिरिक्त ऑक्सीजन सप्लाई।*
- ***सुरक्षित कम्युनिकेशन सिस्टम:*** *अंदर और बाहर की बातचीत पूरी तरह गोपनीय।*
- ***आपातकालीन निकास:*** *दरवाजे न खुलने पर पीछे का शीशा खुलकर बाहर निकलने की सुविधा।*
- ***मिनी कमांड सेंटर:*** *सभी जरूरी कंट्रोल और कम्युनिकेशन सुविधाएं मौजूद।*
- *कार की बाकी सुरक्षा प्रणालियों का विवरण गोपनीय रखा गया है, लेकिन इसे एक चलते-फिरते किले के रूप में माना जा सकता है।*

इजराइल के साथ हुई बड़ी डील, ऑपरेशन सिंदूर में पाक को किया था तबाह

भारत को मिलेगा खतरनाक हथियार हेरॉन एमके-2 ड्रोन, दुश्मनों पर बरसाएगा बम

एजेंसी ▶▶ यरूशलेम

भारत और इजराइल के बीच रक्षा संबंध हमेशा से मजबूत रहे हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों कितने मजबूत हैं एक बार फिर इसकी बानगी देखने को मिली है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। पाकिस्तान के खिलाफ इस ऑपरेशन में भारत ने हेरॉन एमके-2 ड्रोन का भी इस्तेमाल किया था।

इजराइली अधिकारी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के तीनों सेनाओं ने आपातकालीन खरीद के लिए हेरोन एमके-2 का चयन किया। यह ड्रोन लगातार 45 घंटे तक हवा में उड़ान भर सकता है, इन ड्रोन्स ने ऑपरेशन सिंदूर में अपनी क्षमता प्रदर्शित की है।

खास बातें

- इजराइल ने कहा भारत हमारे लिए प्रमुख ग्राहक
- 45 घंटे तक हवा में भर सकेगा उड़ान
- ऑपरेशन सिंदूर में मचाई थी तबाही

हेरॉन एमके-2 ड्रोन भारत अतिरिक्त खेप खरीदेगा।

भारत की नौसेना में शामिल होंगे ड्रोन एमके-2

भारत और इजराइल के बीच हुई इस डील को लेकर इजराइली एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के अधिकारी ने बताया कि हेरॉन एमके-2 भारतीय सेना और वायुसेना के पास पहले से ही हैं। अधिकारी ने बताया कि अब इन ड्रोन्स को भारत की नौसेना में भी शामिल किया जाएगा। अधिकारी ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी बेहद अहम है और यह तीन दशकों से चली आ रही है।

भारत-इजराइल हेरोन एमके-2 खेप खरीदेगा

अब ऑपरेशन सिंदूर में हेरोन एमके-2 की क्षमताओं को देखने के बाद भारत ने बड़ा फैसला लिया है। भारत ने इजराइल के साथ इमरजेंसी प्रोविजन के तहत एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इस डील के मुताबिक भारत इजराइल से हेरोन एमके-2 की अतिरिक्त खेप खरीदेगा। इस बात की जानकारी इजराइली रक्षा उद्योग से जुड़े एक अधिकारी ने खुद दी है।

'मेक इन इंडिया' का रखा गया ध्यान

इजराइली एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के अधिकारी ने भारत की 'मेक इन इंडिया' पहल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनका इरादा सिर्फ ड्रोन्स की आपूर्ति तक सीमित नहीं है बल्कि भारत में इनका निर्माण भी करना है। निश्चित तौर पर हेरोन एमके-2 से भारत की सैन्य झमताओं में भारी इजाफा होगा और किसी भी युद्ध में गेमचेंजर साबित हो सकते हैं।

हेरोन एमके-2 की खासियत

हेरोन एमके-2 की खासियतों के बारे में बात करें तो यह 35,000 फीट की ऊंचाई तक पहुंच सकता है और लगातार 45 घंटे तक हवा में रह सकता है। अधिकारी ने बताया कि इजराइल की वायुसेना इन ड्रोन्स का इस्तेमाल करती है साथ ही दुनिया भर में कई और सेनाएं हैं जिनके पास ये ड्रोन्स हैं। भारत इजराइल से कितने ड्रोन्स खरीद रहा है अधिकारी ने इस संख्या का खुलासा नहीं किया है।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन की यूरोप को चेतावनी

यूरोप युद्ध चाहता है तो हम भी पीछे नहीं हटेंगे

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

भारत दौरे से पहले रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने यूरोप को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वे युद्ध चाहते हैं तो रूस इसके लिए तैयार है और उन्हें पराजित किया जाएगा। राष्ट्रपति पुतिन 4 दिसंबर को भारत दौरे पर आने वाले हैं। इससे पहले मॉस्को में यूक्रेन वार पर कूटनीति की तेज कोशिशें चल रही है। पुतिन ने यह बात तब कही जब अमेरिकी राष्ट्रपति के स्पेशल दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कोरी कुशनर यूक्रेन युद्ध पर बात करने के लिए मॉस्को में हैं। पुतिन ने मॉस्को के इन्वेस्टमेंट फोरम में जब ये बात कही तो विटकॉफ और कुशनर रूस-यूक्रेन पीस प्लान की डिटेल्स पर बात करने के लिए मॉस्को के दूसरे हिस्से में उनका इंतजार कर रहे थे।

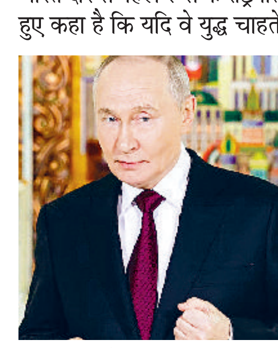

आरोप- यूरोप ने शांति प्रस्तावों में किए बदलाव

मॉस्को में इन्वेस्टमेंट फोरम को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा कि उन्हें लड़ाई की कोई इच्छा नहीं है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यूरोप अचानक हमारे साथ युद्ध करना चाहता है और शुरू करता है, तो हम तुरंत तैयार हैं। पुतिन ने पत्रकारों से कहा कि यूरोपीय देशों के पास शांति का कोई एजेंडा नहीं है, वे युद्ध के पक्ष में हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने यूरोप पर शांति प्रस्तावों में बदलाव करने का आरोप लगाया। पुतिन ने कहा कि इसमें ऐसी मांगें शामिल हैं जो रूस को बिल्कुल मंजूर नहीं हैं, इस तरह पूरी शांति प्रक्रिया को रोक दिया गया, और इसके लिए सिर्फ़ रूस को दोषी ठहराया गया।

पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में ग्रामीणों और पुलिसवालों के बीच हिंसक झड़प की खबर है। इस झड़प में एएसपी समेत करीब दो दर्जन पुलिसकर्मियों के घायल होने की सूचना है। पथराव कर रहे ग्रामीणों पर पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। यहां के ग्रामीण एसईसीएल के अमेरा कोयला खदान के विस्तार का विरोध कर रहे थे। ग्रामीणों के विरोध की आशंका के मद्देनजर वहां बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था।

ग्रामीणों की भीड़ ने अचानक वहां तैनात पुलिस वालों पर हमला बोल दिया और पुलिसवालों पर पथराव शुरू कर दिया। गांववाले लाठी-डंडे कुल्हाड़ी भी लेकर आए थे। हालात को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त पुलिस फोर्स की तैनाती की जा रही है।

यूएस में भारतीय ड्राइवर पर गंभीर आरोप

वाशिंगटन। पहले अवैध रूप से घुसे एक भारतीय नागरिक राजिंदर कुमार पर एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत के बाद हत्याकांड (हॉमिकाइड) का आरोप लगाया गया है। यह हादसा ओरेगन राज्य के डेश्यूट्स काउंटी में हुआ था। ओरेगन स्टेट पुलिस के मुताबिक, 24 नवंबर की रात कुमार एक सेमी-ट्रक चला रहे थे। उनका ट्रक सड़क पर जैकनाइफ स्थिति में फंसा हुआ था, यानी ट्रक और ट्रेलर मुड़कर सड़क की दोनों लेन को पूरी तरह ब्लॉक कर रहे थे।

इंटरनेशनल 'आईडिया' परिषद की अध्यक्षता भारत को सीईसी ज्ञानेश कुमार ने स्टॉकहोम में संभाली कमान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देश में जब के एरिया निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जा रहे एसआईआर पर राजनीतिक बवाल मचा हुआ है। चुनाव सुधार पर बोलने के बहाने 8-9 तारीख को दोनों सदनों में इस मसले पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त को घेरने के लिए आस्तीनें चढ़ाई हुई हैं वहीं भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन सहायता संस्थान (इंटरनेशनल आईडिया) की काउंसिल ऑफ मेंबर स्टेट्स के वर्ष 2026 के लिए अध्यक्ष का पद संभाल लिया।

स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में आयोजित समारोह में स्वीडन में भारत के राजदूत अनुराग भूषण भी मौजूद रहे। उच्चस्तरीय परिषद की अध्यक्षता ग्रहण करना भारत के निर्वाचन आयोग की वैश्विक विश्वसनीयता और नवाचार-समृद्ध चुनाव प्रबंधन की अंतरराष्ट्रीय सराहना का संकेत है। भारत इंटरनेशनल आईडिया का संस्थापक सदस्य है और लंबे समय से संगठन के लोकतांत्रिक विमर्श और सुशासन संबंधी पहलों में अहम योगदान देता रहा है।

अपने औपचारिक संबोधन में सीईसी ज्ञानेश कुमार ने भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के व्यापक स्वरूप की चर्चा करते हुए बताया कि देश में 900 मिलियन से अधिक मतदाता दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के आम चुनाव "अभूतपूर्व लोकतांत्रिक उत्सव" थे, जिसमें 20,000 से अधिक उम्मीदवार और 743 राजनीतिक दल, जिनमें 6 राष्ट्रीय और 67 राज्य स्तरीय दल शामिल हैं, मैदान में थे। चुनाव प्रक्रिया में 20 मिलियन से अधिक चुनाव कर्मियों, एक मिलियन बूथ लेवल अधिकारियों और 5 मिलियन मतदान कर्मियों की भागीदारी रही। सीईसी ने कहा कि भारत दुनिया के समक्ष अपनी लोकतांत्रिक सीख, अनुभव और गहरी सांस्कृतिक लोकतांत्रिक परंपराओं को साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारत की अध्यक्षता "निर्णायक, महत्वाकांक्षी और परिणाम-उन्मुख" रहेगी।भारत की अध्यक्षता का व्यापक थीम होगा-"समावेशी, शांतिपूर्ण, लचीली और सतत दुनिया के लिए लोकतंत्र"। इसके तहत दो प्रमुख स्तंभों पर काम होगा, भविष्य के लिए लोकतंत्र की पुनर्कल्पना, सतत लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र एवं पेशेवर निर्वाचन प्रबंधन संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण।

वर्ष 2026 के लिए मॉरीशस और मैक्सिको इंटरनेशनल आईडिया परिषद के उपाध्यक्ष देशों की भूमिका निभाएंगे। अपने संबोधन के अंत में ज्ञानेश कुमार ने कहा कि भारत विश्वभर में ऐसे लोकतांत्रिक ढांचे को प्रोत्साहित करेगा "जहां हर वोट की अहमियत हो और हर आवाज़ सुनी जाए।" और यहीं से सीईसी को संसद में एसआईआर पर विपक्ष के तीखे विरोध और सुलगते सवालों की तपिश से दो चार होना होगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109